जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 18 अप्रैल, 2026

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

8 मिनट की दूरी पर
8000/-Sq. Ft. का फायदा

₹4000/-Sq Ft में फ्लैट!
₹5000/-Sq Ft में कोठी!

REAL VALUE • REAL GROWTH

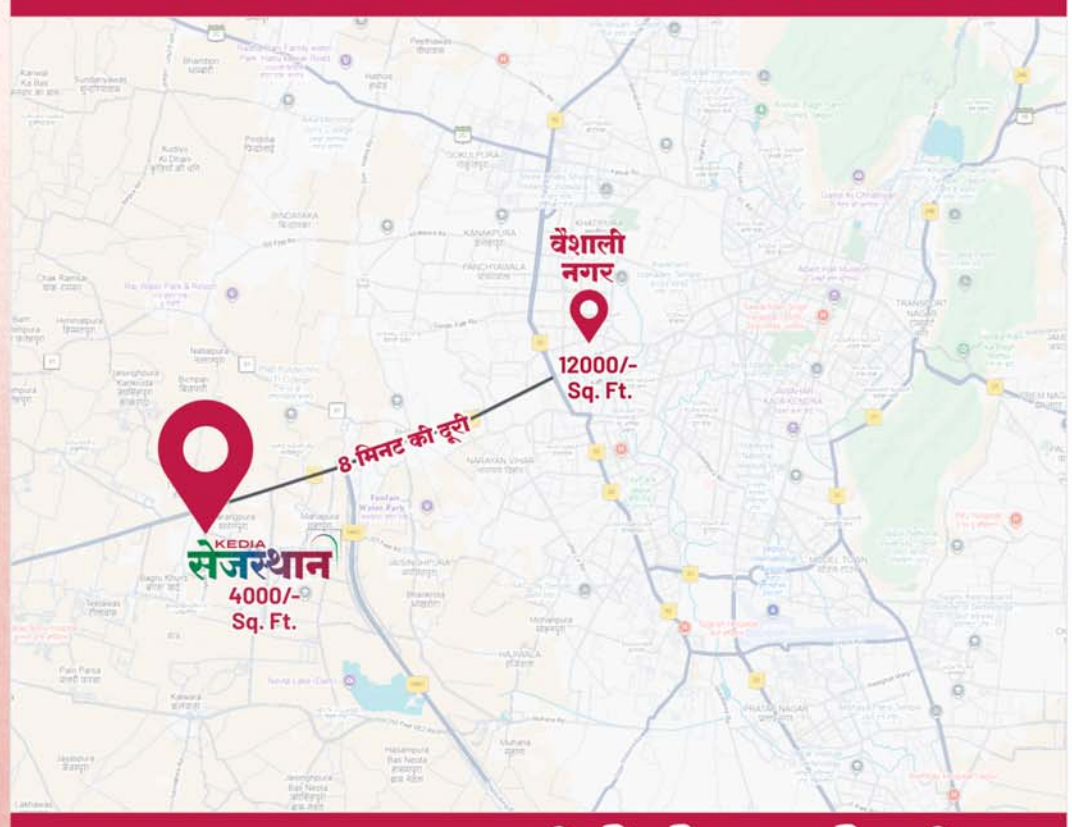

अब हर महीने रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

NO MIDDLE MEN

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA® | 1800-120-2323 | 78770-72737 | info@kedia.com | www.kedia.com | SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH

घर के लिए
घर के खाने के लिए

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

54000+ रिटेलर्स
पवित्र खिला रहे है
आप कब से खिलाओगे ?

FIXED PRICE

रिटेलर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर कॉल लगाओ, रजिस्ट्रेशन कराओ 1800 120 2727

प्रोडक्ट केटेगरी

आटा और गेहूँ
देशी गेहूँ
शरबती गेहूँ
देशी चक्की आटा
शरबती सुपीरियर आटा
सूजी (सेमोलिना)
गेहूँ दलिया
बेसन

दालें
अरहर दाल
चना दाल
हरा चना
हरा मटर
हरा मूंग (साबुत)
काबुली चना
काला चना
मसूर दाल (लाल)
मसूर मलका
मूंग दाल (छिलका)
मूंग दाल
मोठ
रेड राजमा
राजमा चित्रा
राजमा कश्मीरी
उड़द दाल (छिलका)
उड़द दाल

मिनी सोया चंक्स

पिसे मसाले
लाकाडोंग हल्दी पाउडर
लाल मिर्च पाउडर
धनिया पाउडर
सेंधा नमक
अमचूर पाउडर

खड़े मसाले
अजवाइन
काली मिर्च
दालचीनी
लौंग
हरी इलायची
जीरा
कसूरी मेथी
मेथी दाना
राई
सौंफ
धनिया साबुत

ड्राई फ्रूट
कैलिफोर्निया बादाम
मामरा बादाम
अंजीर
काजू
मूंगफली
मखाना
मेजडूल खजूर
पिस्ता
किशमिश
अखरोट गिरी

ब्लेंडेड मसाले
छाछ मसाला
चना मसाला
चाट मसाला
दाल मखनी मसाला
गरम मसाला
जलजीरा मसाला
किचन किंग मसाला
पाव भाजी मसाला

स्नैक्स
चीज़ एंड हर्ब्स मखाना
हिमालयन पिंक सॉल्ट मखाना
मैजिक मसाला मखाना
सॉर क्रीम एंड ऑनियन मखाना
रोस्टेड चना
पोहा मसाला
रायता मसाला
राजमा मसाला
सब्जी मसाला
सांभर मसाला
शाही पनीर मसाला

स्वीटनर
देसी गुड़
देसी गुड़ पाउडर
मिश्री धागा
मिश्री पाउडर

एडिबल ऑइल
मूंगफली तेल

पोहा
इंदौरी पोहे

चावल
एलीट बासमती चावल
प्लैटिनम शरबती चावल

40+ Warehouses | 180+ Delivery Van | 400+ Delivery Man

सभी जिला मुख्यालयों पर Market Development Officer (MDO) हेतु आवेदन करें।
Email ID : hr@kedia.com | Call : +91 76888 44466

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply

विचार बिन्दु

बुद्धि से विचार कर किए गए कर्म ही सफल होते हैं। –महाभारत

राम जल सेतु: राजस्थान की जल स्वावलम्बन क्रांति

राम जल सेतु लिंक परियोजना राजस्थान के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, जो सूखे की मार झेलते पूर्वी राजस्थान को जल आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प है। यह महज एक इंजीनियरिंग चमत्कार नहीं, बल्कि राजस्थान सरकार की दूरदर्शिता का प्रतीक है, जो संशोधित पार्वती कालीसिंध-चंबल (ERCP) योजना को ईस्टर्न राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) से जोड़कर एक व्यापक जल मिशन का रूप दे रही है। कल्पना कीजिए, जहां कालीसिंध नदी के उदग्रह जल को चंबल नदी के विशाल जलसेतु के माध्यम से मेज नदी ईसरदा बांध, बीसलपुर बांध और अंततः रामगढ़ बांध तक पहुंचाया जा रहा है। इससे 17 जिलों की 3.25 करोड़ जनसंख्या को पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक जरूरतों के लिए स्थायी समाधान मिलेगा। यह परियोजना न केवल जल संकट को दूर करेगी, बल्कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

राजस्थान, जो विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान वाला राज्य है, सदियों से जल की कमी से जूझता रहा है। पूर्वी राजस्थान के जिले जैसे कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, जयपुर, धौलपुर, करौली, दौसा, झालावाड़, बारां, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, राजसमंद आदि में मानसून की अनिच्छा ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। फसलें सूखीं, तालाब खाली हुए, और भूजल स्तर इतना नीचे चला गया कि हाथ-पांव फूल गए। ऐसी स्थिति में राम जल सेतु का निर्माण एक स्वप्निल परियोजना के रूप में उभरा है। पैकेज-2 के तहत 2330 करोड़ रुपये की लागत से पीपलदा समेल (कोटा) से गुहाटा (बूंदी) तक देश का सबसे लंबा एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है। यह संरचना, जो मई 2025 से तेजी से बन रही है, अप्रैल 2026 तक उल्लेखनीय प्रगति पर पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में इसका निरीक्षण कर अधिकारियों को युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। कुल मिलाकर यह 90,000 करोड़ की महायोजना है, जो चंबल बेसिन से बनास, बाणगंगा और अन्य बेसिनों तक जल का समान वितरण सुनिश्चित करेगी।

इस परियोजना की महत्ता को समझने के लिए हमें इतिहास की ओर झांकना होगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ने के महासपने को आज साकार करने का समय आ गया है। राम जल सेतु उसी दिशा में एक कदम है। यह वंदे भारत जल संरक्षण जन अभियान और हर घर जल योजना का मजबूत आधार बनेगा। पूर्वी राजस्थान, जहां 40 प्रतिशत आबादी निवास करती है, वहां अब जल सुरक्षा की बयार बहेगी। ईसरदा बांध से रामगढ़ बांध तक जल पहुंचने से जयपुर जैसे महानगरों को भी राहत मिलेगी। किसान नई फसलें उगाएंगे, उद्योग फलेंगे-फूलेंगे, और पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। उदाहरणस्वरूप, कोटा का चंबल उद्यान और बूंदी के किले अब हरियाली से जगमगा उठेंगे। वास्तव में इसे राजस्थान की लाइफ लाइन कह सकते है, जो बिल्कुल सटीक है।

परियोजना की तकनीकी बारीकियां भी कम आश्चर्यजनक नहीं हैं। नवनेरा बैराज पर कालीसिंध का जल एकत्रित कर चंबल जलसेतु के 100 से अधिक स्ल्यूस गेट्स से पार कराया जाएगा। यह एक्वाडक्ट न केवल लंबाई में अद्भुत है, बल्कि भूकंप प्रतिरोधी और पर्यावरण अनुकूल भी है। निर्माण में आधुनिक तकनीक जैसे प्रीकास्ट कंक्रीट स्लैब और हाई टेंसाइल स्टील का उपयोग हो रहा है। इससे न केवल जल हानि न्यूनतम होगी, बल्कि रखरखाव लागत भी कम रहेगी। मध्य प्रदेश के साथ सहयोग से यह परियोजना और मजबूत हुई है, क्योंकि योजना में दोनों राज्यों का हित है। हाल की प्रगति में जल्द ही 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है, जो राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राम जल सेतु का सामाजिक प्रभाव गहरा होगा। ग्रामीण महिलाओं को अब दूर-दराज के जलाशयों से पानी लाने की मजबूरी नहीं रहेगी। बच्चे स्कूल जाने का समय बचाएंगे, और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर होंगी। सिंचाई से कृषि उत्पादकता में 30-40 प्रतिशत वृद्धि संभव है। गेहूं, सरसों, बाजरा जैसी फसलें अब वर्ष भर होंगी। औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों को सस्ता जल मिलेगा, जो औद्योगिक इकाइयों के लिए वरदान सिद्ध होगा। राजस्थान की जीएसडीपी में 5-7 प्रतिशत का इजाफा अनुमानित है। पर्यावरणीय दृष्टि से, यह जल संरक्षण को बढ़ावा देगा, भूजल रिचार्ज होगा, और रेगिस्तानीकरण रुकेगा। नमामि गंगे जैसे अभियानों से प्रेरित होकर यह योजना स्वच्छ जल सुनिश्चित करेगी।

हालांकि चुनौतियां भी हैं। वन्यजीव अभयारण्यों से होकर गुजरने वाली नहरों में वन्यजीव सुरक्षा एक मुद्दा है। स्थानीय किसानों की जमीन अधिग्रहण पर विवाद हो सकते हैं, जिन्हें निष्पक्ष मुआवजा से हल करना होगा। जलवायु परिवर्तन से वर्षा अनियमित हो रही है, इसलिए जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता और मौसमी बाधाओं पर काबू पाना आवश्यक है। फिर भी, सरकार की सक्रियता से ये बाधाएं पार होंगी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल जल पहुंचाने का लक्ष्य अब वास्तविक लगता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह परियोजना राजस्थान सरकार की उपलब्धि है। विपक्ष ने भले ही पर सवाल उठाए हों, लेकिन वर्तमान प्रगति सबूत है। राजस्थान सरकार का नेतृत्व और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय का समर्थन इसे राष्ट्रीय महत्व का बना रहा है। मैं इसे रामायण के राम सेतु से जोड़कर देखता हूं, भक्ति, कर्म और एकता का प्रतीक। ठीक वैसे ही, यह सेतु राजस्थान को सूखे के रावण से मुक्त करेगा।

भविष्य में राम जल सेतु राजस्थान को जल निर्यातक बना सकता है। पड़ोसी राज्यों के साथ जल साझेदारी बढ़ेगी। सौर ऊर्जा से संचालित पंप और स्मार्ट सेंसर से जल प्रबंधन क्रांतिकारी होगा। युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सशक्तिकरण, और किसानों को समृद्धि मिलेगी। यह परियोजना साबित करेगी कि इच्छाशक्ति से असंभव कुछ नहीं। अटल जी का सपना आज राजस्थान सरकार के हाथों साकार हो रहा है।

राम जल सेतु राजस्थान की धरती को हराभरा बनाने का वचन है। यह स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करेगा, जहां जल नदी नहीं, जीवन का आधार बनेगा। राज्य सरकार, इंजीनियरों और जनता की एकजुटता से यह सफल होगा। आइए, हम सभी इस अभियान का हिस्सा बनें, क्योंकि जल है तो जीवन है।

भविष्य में राम जल सेतु राजस्थान को जल निर्यातक बना सकता है। पड़ोसी राज्यों के साथ जल साझेदारी बढ़ेगी। सौर ऊर्जा से संचालित पंप और स्मार्ट सेंसर से जल प्रबंधन क्रांतिकारी होगा। युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सशक्तिकरण, और किसानों को समृद्धि मिलेगी। यह परियोजना साबित करेगी कि इच्छाशक्ति से असंभव कुछ नहीं। अटल जी का सपना आज राजस्थान सरकार के हाथों साकार हो रहा है।

–अतिथि सम्पादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कारपोरेट सलाहकार

राशिफल शनिवार 18 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, अश्विनी नक्षत्र प्रातः 9:45 तक, प्रीति योग रात्रि 11:56 तक, बव करण दिन 2:11 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, देव दामोदर तिथि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:40 से 9:15 तक, चर 12:26 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:13 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:48

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में सार्थक सफलता मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ एवं नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मकर
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में सार्थक सफलता मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

भेदभावपूर्ण और गलत नीतियों से दलहन के किसान 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' से वंचित

रामपाल जाट

चने की फसल आने के पूर्व ऑस्ट्रेलिया से 2,34,800 टन चना देश में पहुंचने के समाचार हैं। चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,875 रुपए प्रति क्विंटल घोषित है। बाजार भाव 4,800 से लेकर 5,200 रूपये प्रति क्विंटल है। सरकार की खरीद प्रभावी नहीं रहती है, खरीद का प्रबंधन ढीला-ढाला रहता है। किसानों की आय के संरक्षण के नाम पर राज्यो के कुल उत्पादन में से 75 प्रतिशत उत्पादन को तो न्यूनतम समर्थन मूल्य की परिधि से बाहर धकेला हुआ है। किसानों की रक्षार्थ भारत सरकार ने छत्रक योजना के रूप में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान वर्ष 2018 से आरंभ किया हुआ है, इस योजना की उद्देशिका में तिलहनों के साथ दलहन उपजों को भी लाभकारी मूल्य दिलाने का उल्लेख है। इसी योजना की मार्गदर्शिका में कुल उत्पादन में से 25 प्रतिशत से अधिक की खरीद को प्रतिबंधित किया हुआ है। प्रतिबंध को हटाया तो नहीं गया बल्कि 25 प्रतिशत से अधिक खरीद की छूट देने का प्रावधान कृषि मंत्रालय के साथ वाणिज्य एवं वित्त मंत्रालय को भी जोड़कर कठोर बना दिया गया। दूसरी ओर लूट रहित दाने-दाने की खरीद करने के किसानों के आग्रह को ठोकर मार दी गई। किसानों के बढ़ते विरोध को देखते हुए 31 अगस्त 2022 को मसूर, अरहर एवं उड़द की खरीद के प्रतिबंध में 25 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 40 प्रतिशत किया गया। उसी क्रम में 1 अप्रैल 2024 से इन तीनों दलहनों की खरीद के प्रतिबंध को पूर्णतया समाप्त कर दिया गया। किंतु मूंग एवं चना में यह प्रतिबंध यथावत चल रहा है। इस भेदभाव का कारण अरहर, मसूर एवं उड़द आयात की तुलना में चने एवं मूंग की मात्रा कम हो जाना बताया। किसी विद्यार्थी के अपेक्षाकृत अधिक अंक आ जावे तो उसे पुरस्कृत करने के स्थान पर दंडित करने जैसी यह कार्यवाही है। किसानों के निरंतर आंदोलन करने के उपरांत चने की शत-प्रतिशत खरीद में 25 प्रतिशत का प्रतिबंध बाधा बना हुआ है।

चना उत्पादन में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं राजस्थान देश में सर्वोच्च स्थान पर हैं। अपवादों को छोड़कर चना की खरीद किसी भी वर्ष में प्रतिबंधित सीमा से अधिक नहीं हुई। वर्ष 2020-21 में चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,200 रुपए प्रति क्विंटल होते हुए भी किसानों को एक क्विंटल पर 1,000 रुपए तक का घाटा उठाकर बेचना पड़ा था। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए राजस्थान में जयपुर जिले के उपखंड दूदू क्षेत्र में 500 से अधिक चने से लदे हुए ट्रैक्टर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सप्ताह से अधिक समय तक आंदोलित रहे थे। इस अवधि में अन्नत्याग सत्याग्रह से भी सरकारों का दिल नहीं पसीजा था। यह तो नेफेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक ने उनके गोदाम में जमा लगभग 15 लाख टन चने की खुली बिक्री किसानों के आग्रह पर रोक दी थी, जिससे बाजार में चने के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक हो गए थे, तब आंदोलनरत किसानों को उनके चने का घोषित न्यूनतम दाम प्राप्त होना संभव हुआ था।

वर्ष 2025-26 में चने की सी-2 संपूर्ण लागत 4,875 रुपए प्रति क्विंटल है, भारत सरकार की ओर से बजट 2018-19 में लागत से डेढ़ गुना दाम निर्धारण की घोषणा के अनुसार एक क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,312.50 रूपये होना चाहिए था, किंतु भारत सरकार ने एक क्विंटल के लिए 5,875 रूपये की घोषणा की है। जबकि 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' का निर्धारण डॉक्टर एम. एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता में गठित 'राष्ट्रीय किसान आयोग' (2004-2006) की अनुशंसा के अनुसार व्यापक लागत में 50 प्रतिशत लाभांश जोडकर निर्धारण किया जाना चाहिए।

मूल्य निर्धारण के बाद खरीद में सरकारी ढुल- मुल व्यवहार का परिणाम भी किसानों को भोगना पड़ता है, यथा-खरीद नीति का केंद्र सरकार के अनुमोदन के बाद राज्यों द्वारा अधिसूचना प्रसारित करने में 41 दिन तथा राज्यों द्वारा प्रसारित अधिसूचना के उपरांत वास्तविक खरीद में 73 दिन तक का विलंब इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। सरकारों की भेदभावपूर्ण गलत नीतियों एवं ढिलाई के कारण किसानों को घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी वंचित रहना पड़ता है।

चने पर जून 2006 से लेकर दिसंबर 2017 तक आयात शुल्क शून्य था, उसके बाद 30 प्रतिशत, फरवरी 2018 में 40 प्रतिशत, मार्च 2018 में 60 प्रतिशत था, जिसे घटाकर फरवरी 2021 में 10 प्रतिशत, 50 प्रतिशत अतिरिक्त कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर, 4 मई 2024 से 31 मार्च 2025 तक शून्य कर दिया गया, 1 अप्रैल 2025 से 10 प्रतिशत है। पीली मटर के आयात के लिए 4 मई 2024 से 31 मार्च 2026 तक आयात शुल्क शून्य कर दिया गया। वर्ष 2015-16 में चने के आयात की मात्रा 10.3 लाख टन थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 16.1 लाख टन हो गई। इससे आयात पर खर्च की गई राशि 4,454 करोड़ से बढ़कर 10,307 करोड रुपए हो गई। भारत सरकार द्वारा चने के आयात पर आरोपित 60 प्रतिशत शुल्क को घटाकर शून्य तक लाने का भी दुष्परिणाम किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

देश में चने का क्षेत्रफल 2020-21 में 107 लाख हेक्टर से घटकर 2024-25 में 96 लाख हेक्टर रह गया। मार्च 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि में बाजार मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य के लगभग बराबर रहे । वर्ष 2022-23, 2023-24 2024-25 की 3 वर्षों की अवधि में देश के कुल उत्पादन में से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान की भागीदारी दो तिहाई से अधिक है, जो क्रमश 26.2 प्रतिशत, 24.4 प्रतिशत, 16.5 प्रतिशत है। गुजरात की भागीदारी 11.1 प्रतिशत को सम्मिलित करने पर इन चारों राज्यों की भागीदारी ही 78.2 प्रतिशत है। संयोग से देश के कृषि मंत्री मध्य प्रदेश से हैं, जो चना उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री राजस्थान में अजमेर लोकसभा क्षेत्र से हैं, जो चना उत्पादन में राजस्थान में अग्रिम पंक्ति में है, इसी क्षेत्र की विधानसभा दूदू से निर्वाचित विधायक उपमुख्यमंत्री हैं। मूंग उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है। इसके उपरांत भी प्रतिबंध के कारण चना एवं मूंग के 75 प्रतिशत उत्पादक किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य से वंचित है।

खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8,768 रुपए प्रति क्विंटल घोषित था। प्राकृतिक आपदा के कारण मूंग की लगभग आधी पैदावार चौपट हुई। आपूर्ति कम तथा मांग अधिक होने पर मूल्य में बढ़ोतरी होती है, इस सिद्धांत के विपरीत किसानों को एक क्विंटल मूंग घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से 3000 रुपए से अधिक का घाटा उठाकर बेचना पड़ा। सरकार ने अनेक बार संसद में किसी भी किसान को उसकी उपज 'घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य' से कम दामों में बेचने के लिए विवश नहीं होने के प्रति आश्वस्त किया हुआ है।

किसानों ने भी खेती करने का अर्थ उत्पादन की गतिविधियों तक मान लिया है। जबकि इसमें दाम प्राप्त करना भी सम्मिलित है। लाभ में संतोष करना उत्तम गुण है, किंतु लाभ प्राप्ति के लिए क्रियाशील नहीं रहना कमजोरी है। 'संतोषी सदा सुखी' जैसी कहावत को आधार बनाकर सामर्थ्य प्रकट करने से बचने के लिए कम दाम प्राप्त होने को अपना भाग्य समझ लिया है। जैसे- कोई चालणी लेकर दूध निकालने के लिए दुधारू पशु के नीचे बैठ जाए फिर घर तक दूध नहीं पहुंचने को भाग्य की संज्ञा देकर कहे कि जो भाग्य में था, वह प्राप्त हो गया। इसीलिए कटाक्ष के रूप में चालणी में दूध दुहे और भाग्य पर भरोसा करे की लोकोक्ति प्रचलन में आई है। बाजार भावों का चढ़ना-उतरना सरकारों की बेईमानी से ग्रसित भेदभावपूर्ण नीतियों का परिणाम है। फसल के दाम प्राप्ति की दिशा में बेईमानी को भाग्य समझने की भूल का सुधार ही एकमेव मार्ग है।

–रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान महापंचायत

अब निर्णय-निर्माण में बढ़ेगी भागीदारी : नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नया भारत

डॉ. सौम्या गुर्जर

भारत के लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी कभी शून्य नहीं रही, लेकिन यह लंबे समय तक निर्णायक भी नहीं बन पाई। प्रतिनिधित्व था, पर प्रभाव सीमित रहा और यही वह अंतर था, जिसने नीति-निर्माण को अधूरा रखा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी कमी को दूर करने का एक ठोस और आवश्यक प्रयास है। महिला आरक्षण का प्रश्न नया नहीं है। 1996 से यह विषय देश की राजनीति में मौजूद रहा, लेकिन दशकों तक यह सहमति और प्राथमिकता के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाया। वर्ष 2023 में इसे संवैधानिक स्वरूप मिला, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान किया गया। यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे में एक संरचनात्मक सुधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अधिनियम को जिस प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया गया, वह यह स्पष्ट करता है कि महिला सशक्तिकरण अब नीति का केंद्र है, न कि केवल एक सामाजिक विमर्श। महिला-नेतृत्व वाले विकास की अवधारणा इसी सोच का विस्तार है।

भारत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा लोकसभा में लगभग 15 प्रतिशत और कई विधानसभाओं में इससे भी कम। यह असंतुलन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं था; इसने नीति-निर्माण की दिशा को भी प्रभावित किया। जब निर्णय-प्रक्रिया में विविधता सीमित होती है, तो नीतियां भी सीमित दृष्टिकोण के साथ बनती हैं।

वैश्विक अनुभव भी यही दर्शाता है कि जहाँ निर्णय-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी अधिक होती है, वहाँ शासन अधिक संतुलित और संवेदनशील होता है। कई यूरोपीय देशों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि उनकी कम जनसंख्या उनके विकास का मुख्य कारण है यह आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन पूर्ण सत्य नहीं।

वास्तविक अंतर इस बात से आता है कि निर्णय लेने वालों की सोच कितनी समावेशी है। हमारे समाज में यह अनुभव रहा है कि घर की धुरी महिला होती है। वह केवल जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं करती, बल्कि संतुलन और दूरदर्शिता के साथ निर्णयों को दिशा देती है। परिवार के स्तर पर जो नेतृत्व स्वाभाविक रूप से विकसित होता है, वही जब शासन में स्थान पाता है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील और समाज के वास्तविक सरोकारों से जुड़ी होती हैं। इस अधिनियम का महत्व केवल सीटों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक प्रभाव निर्णय-निर्माण की प्रकृति में बदलाव के रूप में दिखाई देगा। जब महिलाएं नीति-निर्माण का हिस्सा बनेंगी, तो स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और बालिकाओं से जुड़े मुद्दे अधिक प्राथमिकता के साथ सामने आएंगे। भारत में पंचायत स्तर पर महिलाओं के आरक्षण ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि अवसर मिलने पर नेतृत्व उभरता है और शासन अधिक उत्तरदायी बनता है। यही अनुभव अब राष्ट्रीय स्तर पर लागू होने जा रहा है, जहाँ महिलाओं की भागीदारी केवल उपस्थिति नहीं, बल्कि प्रभाव के रूप में दिखाई देगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का वास्तविक महत्व आने वाले वर्षों में सामने आएगा, जब यह भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया को अधिक संतुलित और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएगा। यह केवल सीटों का पुनर्वितरण नहीं, बल्कि नेतृत्व के पुनर्संतुलन की शुरुआत है। जब निर्णय-निर्माण में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित होगी, तब शासन अधिक संतुलित, संवेदनशील और भविष्य उन्मुख बनेगा और यही किसी भी विकसित राष्ट्र की वास्तविक पहचान है।

–डॉ. सौम्या गुर्जर,
जयपुर नगर निगम (ग्रेटर)

सीटों का परिसीमन और महिला आरक्षण: संवैधानिक कानूनी आधार, फिर हंगामा क्यों?

डा. योगेश शर्मा

16 से 18 अप्रैल 2026 तक भारतीय संसद के विस्तारित बजट सत्र की तीन दिवसीय विशेष बैठक का आयोजन अपने आप में ऐतिहासिक महत्व रखता है। इस बैठक के एजेंडे में तीन अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक शामिल हैं-संविधान (131वाँ संशोधन) विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक 2026, तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026। इन प्रस्तावों के केंद्र में तीन परस्पर जुड़े हुए मुद्दे हैं-जनगणना, परिसीमन और महिला आरक्षण। यह भारतीय लोकतंत्र के ढाँचे, उसकी प्रतिनिधिक क्षमता और उसके भविष्य के स्वरूप पर होने वाला एक गहरा राष्ट्रीय विमर्श है। इन विधेयकों का संबंध न केवल भारत के संसदीय ढांचे में संरचनात्मक परिवर्तन से है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व, संघीय संतुलन और सामाजिक समावेशन जैसे मूलभूत प्रश्नों को भी छूते हैं। इससे पहले, वर्ष 2023 में पारित संविधान (128वाँ संशोधन) विधेयक, जिसे बाद में 106वें संविधान संशोधन अधिनियम के रूप में मान्यता मिली और जिसे 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में प्रस्तुत किया गया, ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया। अब वर्तमान में प्रस्तावित संशोधन और परिसीमन प्रक्रिया इसी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अगला तार्किक कदम माने जा रहे हैं। भारतीय संसदीय लोकतंत्र में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं को 'जनता के प्रतिनिधि सदन' रूप में मान्यता प्राप्त है। ऐसे में सीटों का परिसीमन, लोकसभा और विधानसभाओं की सदस्य संख्या में वृद्धि, और महिला आरक्षण जैसे उपाय-लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के विस्तार और उसकी गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक संवैधानिक कदम हैं। फिर भी प्रश्न यह उठता है कि इन मुद्दों पर संवाद और बहस स्वाभाविक होने के बावजूद, इन्हें लेकर हंगामे का वातावरण क्यों बनाया जा रहा है?

यदि हम ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो भारतीय संसद की वैधानिक और नैतिक जड़ें हमारी संविधान सभा में ही निहित हैं, जिस सभा ने न केवल संविधान का निर्माण किया बल्कि स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों में विधायी संस्था के रूप में भी कार्य किया। 1952 में प्रथम निर्वाचित लोकसभा के गठन के समय इसकी सदस्य संख्या 489 थी। संविधान के अनुच्छेद 81 के अंतर्गत लोकसभा की संरचना निर्धारित की गई, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधित्व के साथ-साथ अनुच्छेद 330 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण का प्रावधान किया गया।

अनुच्छेद 82 के अनुसार, प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और अनुच्छेद 170 के अनुसार विधानसभाओं की सीटों का पुनर्समायोजन किया जाना आवश्यक है। 1961 तथा 1971 की जनगणना के बाद भी परिसीमन हुआ। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य यह था कि पूरे देश में लगभग प्रत्येक संसदीय सीट समान आबादी का प्रतिनिधित्व करे, ताकि लोकतांत्रिक समानता बनी रहे। इनके आधार पर लोकसभा की सीटें 489 से बढ़कर 543 तक पहुंचीं, जबकि राज्यों की विधानसभाओं की सीटों में भी वृद्धि हुई-जैसे राजस्थान विधानसभा की सीटें 160 से बढ़कर 200 तक हो गईं।

हालांकि, 1976 में किए गए 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से, देश की तत्कालीन परिस्थितियों और जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया। इसके अंतर्गत यह निर्धारित किया गया कि वर्ष 2000 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा तथा इसके लिए 1971 की जनगणना को आधार माना जाएगा। बाद में, 2001 में 84वें संविधान संशोधन के द्वारा इस व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए सीटों की संख्या को 2026 तक स्थिर कर दिया गया। परन्तु इस नीति से जहां एक ओर जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहन मिला, वहीं दूसरी ओर संसदीय लोकतंत्र के एक मूलभूत सिद्धांत-प्रतिनिधित्व पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ा। विशेष रूप से, मतदाता और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क में कमी आई।

सीटों की संख्या को 2026 तक स्थिर करने से प्रस्तुत प्रतिनिधित्व का संकट वर्तमान प्रस्तावों की पृष्ठभूमि तैयार करता है। संविधान के अनुसार, लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 निर्धारित की गई है, जिसमें अधिकतम 530 सदस्य राज्यों से तथा अधिकतम 20 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से होते हैं। प्रस्तावित विधेयक में इस सीमा को बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान किया गया है, जिसमें अधिकतम 815 सदस्य राज्यों से तथा अधिकतम 35 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से होंगे। वर्तमान में प्रस्तुत 131वाँ संविधान संशोधन विधेयक, अनुच्छेद 81, 82, 170 और 330 में संशोधन करते हुए परिसीमन और महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है। सरकार का तर्क है कि यह केवल सीट वृद्धि का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को वर्तमान जनसंख्या-यथार्थ के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। साथ ही, महिला आरक्षण लागू करने के लिए आवश्यक राजनीतिक और संरचनात्मक स्थान भी इसी विस्तार के माध्यम से तैयार किया जा सकेगा। यह पूरी प्रक्रिया संवैधानिक और विधिसम्मत है, और संसद में व्यापक बहस एवं मतदान के बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

इस व्यापक विमर्श का महत्वपूर्ण आयाम महिला आरक्षण है। 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया। यदि प्रस्तावित 850 सीटों में लगभग 280 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होती हैं, तो बड़ी संख्या में महिलाओं के लिए राजनीति के द्वार खुलेंगे। महिला आरक्षण केवल राजनीतिक प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशी लोकतंत्र की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वे राजनीतिक दल, जो लंबे समय से महिला सशक्तिकरण की बात करते रहे हैं, क्या वे इस संवैधानिक प्रावधान को वास्तविक रूप में लागू करने की प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

जहां तक राजनीतिक विरोध का प्रश्न है, कुछ विपक्षी दलों और विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्यों को आशंका है कि परिसीमन प्रक्रिया जनगणना से पृथक होकर राजनीतिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, ने अपेक्षाकृत बेहतर जनसंख्या नियंत्रण किया है। सम्भवतः इन राज्यों को यह आशंका है कि जनसंख्या को प्रतिनिधित्व का आधार मानने पर अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को सीटों में बड़ी वृद्धि मिल सकती है, जबकि इन दक्षिणी राज्यों की राष्ट्रीय राजनीतिक हिस्सेदारी घट सकती है। सरकार का तर्क है कि सीटों की संख्या में आनुपातिक वृद्धि सभी राज्यों के लिए संतुलन बनाए रखेगी, भले ही उनकी जनसंख्या वृद्धि दर अलग-अलग क्यों न हो।

हालांकि, यह भी तथ्य है कि 2026 में जनगणना प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हो चुकी है-पहले आवास सूचीकरण और उसके बाद 2027 में जनगणना का चरण पूरा होने की संभावना है। साथ ही, लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया सभी राजनीतिक दलों के लिए समान रूप से खुली होती है। यदि को दल इसे राजनीतिक रणनीति के रूप में देखता भी है, तो विपक्ष के पास भी जनता के बीच जाकर अपनी नीतियों और विचारों को प्रस्तुत करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। जनगणना, परिसीमन और महिला आरक्षण का यह त्रिकोण केवल संविधायी, विधायी या प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की पुनर्संरचना का वह क्षण है, जहां भारत अपने संवैधानिक आदर्शों को निष्चित ही नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

-डॉ. योगेश शर्मा,
संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 254 प्रभात जयपुर, शनिवार 18 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

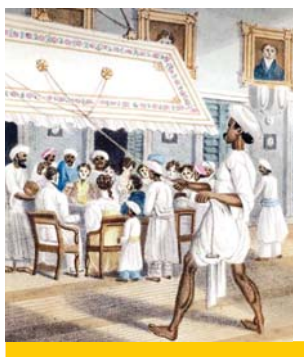

Beating the Tropics With Boots

Mr. Fox, the Assistant Station-master of Tundla, delivered a fatal blow leading to the death of his 'punkah coolie' Tulsia. The Allahabad High Court overruled any possibility of murder or 'culpable homicide'

The World's Top 5 Most Expensive Flowers

The Truth Of The Rings And The Flame

महिला आरक्षण विधेयक पराजित हुआ लोकसभा में, पर भाजपा जीती!

एनडीए को कुल 298 वोट मिले, आरक्षण विधेयक के पक्ष में, इंडिया अलांयस (कांग्रेस व विपक्ष) को 230 वोट, जबकि संविधान संशोधन को पारित कराने के लिए दो तिहाई मत, यानि 364 वोट चाहिए थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। मोदी-शाह सरकार के लिए यह एतिहासिक पराजय जैसा है कि संविधान संशोधन महिला आरक्षण बिल गिर गया, क्योंकि सरकार तीन संविधान संशोधन बिल पास करने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटा पाने में असफल रही।

एक दिन की भारी हलचल और शोर के बाद पहले वोटिंग राउंड का अंतिम परिणाम इस प्रकार रहा- एनडीए के पक्ष में 298, इंडिया गठबंधन के पक्ष में 230 वोट पड़े, जबकि दो तिहाई बहुमत के हिसाब से सरकार को 489 सदस्यों को सदन में 360 मतों की जरुरत थी।

- **इस नतीज़े को भाजपा की ''जीत'' इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि अब भाजपा को देश भर में ढिढोरा पीटने के लिए मुद्दा मिल गया कि भाजपा तो महिलाओं को संसद में, विधानसभाओं में, एक तिहाई आरक्षण देने को तत्पर थी, पर, विपक्ष ने इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने दिया।**
- **भाजपा को उसके प्रयास के लिए स्वाभाविक ही है, देश भर में महिलाएं सराह रही हैं। जिसका लाभ भाजपा को चुनाव में, विशेषकर प.बंगाल के चुनाव में मिलेगा और यह शायद ममता बनर्जी को बंगाल में हराने में काफी मददगार साबित हो सकता है।**

चूंकि अन्य दो बिल भी इसी से जुड़े हुए थे, इसलिए उन्हें भी असफल माना गया और सरकार ने उनके लिए मतदान कराने का प्रयास नहीं किया।

अमित शाह का भाषण इस बिन्दु पर केन्द्रित था कि कैसे महिला आरक्षण बिल विपक्ष द्वारा नाकाम किया गया और देश की महिलाएं विपक्ष को सबक सिखाएंगी।

असलियत यह है कि महिला बिल को परिसीमन से जोड़ने के कारण विपक्ष ने फैसला किया कि वे देश को उत्तर और दक्षिण में विभाजित नहीं होने देंगे।

विपक्ष ने पूरे दिन सरकार से कहा कि परिसीमन बिल को हटाएँ, महिला आरक्षण बिल को अपने आप खड़ा होने दें, और वे इसे पास करेंगे, ताकि तुरंत लागू किया जा सके।

विपक्ष ने कहा कि जनगणना के बिना परिसीमन स्वीकार्य नहीं है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चाणक्य होते तो, आपकी राजनैतिक चतुराई से चकित रह जाते'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। गृह मंत्री अमित शाह उस समय अन्य भाजपा नेताओं के साथ मुस्कुराते दिखाई दिए, जब कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने उन पर हँसी-मज़ाक के अंदाज़ में एक परोक्ष तारीफ की।

प्रियंका गांधी ने तीन बिलों में संशोधन और महिला आरक्षण विधेयक तथा परिसीमन आयोग के गठन पर बहस में हिस्सा लेते हुए अमित शाह की ओर इशारा करते हुए कहा, ''वे हँस रहे हैं।''

प्रियंका गांधी ने महिला आरक्षण विधेयक की समयावधि और ढाँचे के

- **प्रियंका गांधी ने अमित शाह की राजनैतिक चतुराई पर व्यंग्यात्मक अदांज़ में टिप्पणी की और कहा, सारी तैयारी कर रखी है, इसीलिए वे हँस रहे हैं।**

राजनीतिक इरादों पर सवाल उठाते हुए, मजाक में कहा, ''गृह मंत्री जी हँस रहे हैं। पूरी योजना बना रखी है। चाणक्य अगर होते, तो वो भी चकित रह जाते आपकी राजनीतिक चतुराई पर।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''उन्होंने (शाह) पूरी योजना बनाई और अब हँस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने अचानक ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़'' को जहाजों के आवागमन के लिए खोलने की घोषणा की

इससे अमेरिका की स्थिति अटपटी, खिसयानी बिल्ली जो खंभा नोचे, जैसी हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। अचानक ही मिडिल ईस्ट के सभी मोर्चों पर शांति का माहौल बनता दिख रहा है। ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने की घोषणा की है, इज़रायल और लेबनान युद्धविराम की बात कह रहे हैं, जिससे राजधानी बेरुत में जश्न का माहौल है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ईरान के जब्त किए गए 20 अरब डॉलर को अनफ्रीज करने पर विचार कर रहा है।

लेकिन स्पष्ट रूप से ईरान ने पश्चिम एशिया युद्ध में शांति की पहल अपने हाथ में ले ली है, और अमेरिका को पीछे छोड़कर एकतरफा घोषणा की है कि होर्मुज़ स्ट्रेट अब ''सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए पूरी तरह खुला है।''

ईरानी कदम से महत्वपूर्ण जल मार्ग खोलने की खबर सुनते ही तेल की कीमतों में अचानक गिरावट आई। दुनिया भर के देश समुद्री क्षेत्र के व्यापार से जुड़े पक्ष ईरान की एकतरफा और अचानक घोषणा से चौंक गए हैं।

पेरिस में होर्मुज़ स्ट्रेट पर आयोजित एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में, जिसमें सभी यूरोपीय नेताओं ने भाग लिया, अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के प्रमुख ने कहा कि आईएमओ तत्काल क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ होर्मुज़ स्ट्रेट के माध्यम से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए संपर्क कर रहा है।

फ्रांस के नेतृत्व में यूरोपीय देशों के नेता पेरिस में होर्मुज़ स्ट्रेट के पुनः खुलने की निगरानी के लिए एक बहुराष्ट्रीय बल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ट्रंप ने अपना महत्व जताते हुए, अपना ब्लॉकेड अभी कुछ समय और जारी रखने का ऐलान किया।**
- **ट्रंप को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा कि उनके वहाँ खाड़ी युद्ध में मौजूद होते हुए, ईरान ने एक तरफा घोषणा करने की पहल, अमेरिका के हाथ से खींच ली।**
- **यूरोपीय देश, फ्रांस के तत्वाधान में पैरिस में मिले और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ खोलने की प्रक्रिया पर गहराई से चर्चा कर रहे हैं।**
- **अपना ब्लॉकेड कुछ और समय तक जारी रखकर, अमेरिका, चीन से छेड़-छाड़ करता नज़र आ रहा है। क्योंकि, चीन की ''ऑयल'' की जरुरत, मुख्य रूप से ईरान के ऑयल से पूरी होती है और अगर इस सप्लाई में अमेरिका का ब्लॉकेड बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थिति विकट बन सकती है।**
- **इसलिए संभावना यह बन रही है कि ईरान-अमेरिका शांति वार्ता शीघ्र ही प्रारंभ होगी।**

रूस से तेल खरीदने का तरीका बदलेगा भारत

भारतीय कंपनियां सीधे रूस से तेल खरीदने की बजाय मध्यस्थों से तेल खरीदने के विकल्प पर विचार कर रही हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। अब, जब अमेरिका ने रूसी कच्चे तेल के आयात पर अपनी अल्पकालिक छूट को समाप्त कर दिया है, तो क्या भारत अमेरिकी संबंधों को नुकसान पहुँचाए बिना रूसी तेल का आयात जारी रख सकता है?

भारत ने अपने कच्चे तेल खरीद के विकल्प बढ़ाने का काम किया है तथा कई देशों से तेल खरीद रहा है। इस लिहाज से, भारत से अपेक्षा नहीं की जाती कि वह रूसी तेल खरीदना बंद कर दे, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापार करने का तरीका बदलने की संभावना है।

अमेरिकी छूट अवधि के दौरान, भारत ने रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़ाया था तथा मार्च 2026 में यह लगभग दो मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया। इससे रूस भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन गया।

ऐसी संभावना है कि आगामी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अमेरिका ने रूस से तेल आयात पर जो एक महीने की छूट दी थी उसे समाप्त कर दिया है, ऐसे में यह सवाल चर्चित है कि क्या भारत रूस से तेल खरीद जारी रखेगा या अमेरिकन दबाव में आकर तेल निर्यात बंद कर देगा? भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि रूस से तेल आयात जारी रहेगा, पर अलग तरीके से।**
- **असल में रूस से भारत को कम कीमत में तेल मिल रहा है, भारत कदापि रूस से तेल खरीद बंद नहीं करना चाहता। पर, कुछ क्षेत्रों में शिपिंग जोखिम, सप्लाई चेन में बाधा से मामला कुछ संवेदनशील है। मध्यस्थों के जरिए तेल खरीद एक जटिल प्रक्रिया है तथा इसमें निगरानी रहने की भी संभावना है।**

ट्रंप ने पाकिस्तान जाने के संकेत दिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। वाइट हाउस के संवाददाताओं से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर चल रही कूटनीति से जुड़ा कोई समझौता अंतिम रूप ले लेता है, तो वह पाकिस्तान जा सकते हैं। मैं पाकिस्तान जाऊँगा, हाँ... इस्लामाबाद, मैं ''मैं

- **अमेरिकन राष्ट्रपति ने कहा, अगर ईरान के साथ डील इस्लामाबाद में साइन होती है तो वे भी वहाँ जा सकते हैं।**

शायद जाऊँगा, उन्होंने कहा। अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है, तो मैं जा सकता हूँ... वे मुझे चाहते हैं।''

उन्होंने पाकिस्तान के साथ संबंधों का उल्लेख सकारात्मक शब्दों में किया। ''पाकिस्तान शानदार रहा है, वे बहुत अच्छे रहे हैं।'' उन्होंने कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'डोन्ट डू ईट', परिसीमन पर थरुर ने केन्द्र सरकार को चेतावनी दी

कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि जल्दबाजी में किया गया परिसीमन राजनैतिक नोटबंदी साबित होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। इसे मत करो, यह संदेश शुक्रवार को शशि थरूर ने केन्द्र सरकार को दिया, जब परिसीमन पर बहस चल रही थी, एक ऐसा कदम जो संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों को नए सिरे से तय करेगा।

कांग्रेस सांसद ने 2016 की नोटबंदी को चेतावनी की कहानी के रूप में उद्धृत किया और भाजपा नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार से कहा कि सीमांकन प्रक्रिया पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

थरूर ने कहा, ''सहकारी संघवाद का क्या होगा? आपने परिसीमन का प्रस्ताव उतनी ही जल्दी में रखा है, जितनी जल्दी आपने नोटबंदी की थी... दुर्भाग्य से, हम जानते हैं कि इससे क्या नुकसान हुआ। परिसीमन राजनीतिक नोटबंदी साबित होगा। इसे मत करो।''

- **थरुर ने कहा, आपने परिसीमन का प्रस्ताव वैसी ही जल्दबाजी में रखा है, जितनी जल्दबाजी में नोटबंदी की थी और उससे कितना भारी नुकसान हुआ था, हम सब जानते हैं।**
- **थरुर ने कहा, महिला आरक्षण पर हम सभी सहमत हैं। सरकार कहती है, यह न्याय का उपहार है, पर इसे कांटेदार तारों में लपेट दिया गया है। सरकार ने महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ा है, जो 2011 जनगणना पर आधारित है।**
- **ऐसा हुआ तो राज्यों के बीच भारी असंतुलन पैदा होगा।**

महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए संविधान (131वाँ संशोधन) विधेयक गुरुवार को लोकसभा में वोट विभाजन के बाद पेश किया गया। दो अन्य साधारण विधेयक, परिसीमन विधेयक और केन्द्र शासित प्रदेश में प्रस्तावित संशोधित महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए केन्द्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, भी सदन में पेश किए गए।

उन्होंने कहा, ''आज हम एक ऐसे मुकाम पर खड़े हैं, जहाँ महिलाओं के आरक्षण के पक्ष में लगभग सर्वसम्मत राजनीतिक सहमति है। हर प्रमुख पार्टी यह समझती है कि प्रतीकात्मकता का समय समाप्त हो गया है और सामूहिक साझेदारी का युग शुरू होना चाहिए, फिर भी मैं खुद हमारे सामने चल रही विधायी प्रक्रिया को लेकर गहराई से चिंतित हूँ।

सांसद ने कहा, ''प्रधानमंत्री कहते हैं कि सरकार ''नारी शक्ति'' लायी है, यह न्याय का उपहार है, लेकिन इसे कांटेदार तार में लपेट दिया गया है, और महिला आरक्षण के लागू होने को संसद विस्तार से जोड़ा गया है, जो 2011 की जनगणना के आंकड़ों और परिसीमन प्रक्रिया पर आधारित है।''

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण तैयार है और मौजूदा संसदीय ताकत के आधार पर तुरंत लागू किया जा सकता है, और किया जाना चाहिए।

उन्होंने सवाल उठाया, ''श्रीमान अध्यक्ष, हमें एक नैतिक अनिवार्यता को जनसांख्यिकीय जाल में क्यों उलझाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खंडपीठ ने वेटनरी ऑफिसर भर्ती की परीक्षा तिथि बदलने से इंकार किया

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने आरपीएससी की ओर से 19 अप्रैल को आयोजित होने वाली वेटनरी ऑफिसर भर्ती-2025 परीक्षा की तिथि में बदलाव से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही,

- **अदालत ने याचिकाकर्ता को एकलपीठ के समक्ष लंबित याचिका में आपत्तियाँ उठाने को कहा।**

अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वह पात्रता संबंधी अपनी आपत्तियां एकलपीठ के समक्ष लंबित याचिका में उठाए। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने ये आदेश नरेन्द्र कुमार व अन्य की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'15 अप्रैल को हमने आदेश दिया, यहाँ नया आवेदन करने की बजाय आपने असम कोर्ट में आवेदन क्यों नहीं किया'

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। उनके खिलाफ यह मामला असम में दर्ज किया गया था, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा, पर विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था।

खेड़ा ने बुधवार के कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ आवेदन दाखिल किया था, जिसमें 10 अप्रैल को तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को रोक दिया गया था, जिसमें उन्हें एक हफ्ते की ट्रांज़िट अग्रिम जमानत दी गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी से पहले की जमानत याचिका सोमवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय में सुनी जा सकती है। खेड़ा ने अनुरोध किया कि अग्रिम जमानत को मंगलवार तक बढ़ाया जाए।

न्यायाधीश जे.के. महेश्वरी और ए.एस. चंदुरकर की बैंच ने कहा, ''हमारा आदेश 15 अप्रैल बुधवार को पारित हुआ था। यहाँ नया आवेदन करने के बजाय, वहां याचिका क्यों नहीं पेश की गई?''

खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के उस कथन का हवाला दिया कि उनके मुवक्किल ने उच्च न्यायालय में जमानत आवेदन के साथ ''जाली और फैब्रिकेटेड'' आधार कार्ड प्रस्तुत किया था। सिंघवी ने कहा कि, दस्तावेज़ जल्दबाज़ी में दाखिल किया गया था।

उन्होंने कहा कि सुनवाई के दौरान इसे सही दस्तावेज़ से बदल दिया गया। सिंघवी ने कहा कि अदालत को इस तथ्य की जानकारी नहीं दी गई।

सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की किसी टिप्पणी से जमानत याचिका की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने गलत दस्तावेज (गलत आधार कार्ड) पेश करने के लिए भी फटकारा। खेड़ा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, जल्दबाजी में दस्तावेज संलग्न किए गए थे इसलिए गलती हो गई, इस छोटी सी त्रुटि के कारण जमानत नहीं रोकी जा सकती। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप फर्ज़ी दस्तावेज पेश नहीं कर सकते। सिंघवी ने कहा, यह जल्दबाजी में हुई गलती थी, जिसे ठीक कर लिया गया था।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, सारा मामला असम का है तो खेड़ा असम की अदालत क्यों नहीं गए, उन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट का रूख क्यों किया।**
- **खेड़ा की ओर से उनके वकील ने अग्रिम जमानत मंगलवार तक बढ़ाने का आग्रह किया, जिसका असम सरकार के वकील सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विरोध किया और कहा, असम की अदालत शुक्रवार को भी खुली है, खेड़ा को कोई भी रोक नहीं रहा है, वहाँ जाने से**

'एक माह में पुत्रवधु को अनुकंपा नियुक्ति दें'

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बार फिर दोहराया है कि पुत्रवधु भी अनुकंपा नियुक्ति की हकदार है। इसके साथ ही अदालत ने सार्वजनिक निर्माण विभाग को कहा है कि वह एक माह में याचिकाकर्ता को अपने ससुर के स्थान पर अनुकंपा

- **हाई कोर्ट ने सुंदरी देवी की याचिका पर सार्वजनिक निर्माण विभाग को आदेश दिए।**

नियुक्ति दे। अदालत ने चेताया है कि नियुक्ति देने में एक दिन की भी देरी की गई तो अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार होंगे। यदि मामले में विलंब हुआ तो अदालत स्वप्रेरणा से जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई आरंभ करेगी। जस्टिस रवि चिरानिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

9 सिलेंडर सीज

कोटपूतली। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग के मामलों पर नियंत्रण के लिए चलाया जा रहे अभियान के तहत जिला रसद अधिकारी शशिशेखर शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को प्रवर्तन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह एवं प्रवर्तन निरीक्षक विश्राम गुर्जर द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान नारायणपुर कस्बे में विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 16 घरेलू एलपीजी सिलेंडर सीज किए गए। यह प्रकरण आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6(ए) के अंतर्गत आगे की कार्रवाई हेतु जिला कलक्टर को प्रस्तुत किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान बाबूलाल टी सेंटर 1, राजस्थान स्वीट्स नारायणपुर 2, राहुल बर्गर सेंटर 1, सैनी चाट भंडार 2, माँ शेरा वाली चाट से 1, माँ भगवती चाट भंडार 1 और शिव चाट भंडार से 1 सिलेंडर सीज किए गए।

शोभायात्रा 20 को

लालसोट। ब्राह्मण समाज लालसोट के तत्वावधान में 20 अप्रैल को भगवान भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा एवं कलशयात्रा का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर समाज में व्यापक उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के तहत परशुराम मंदिर से विशाल कलशयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेंगी। इसके पश्चात गाजे-बाजे और आकर्षक झांकियों के साथ भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। आयोजकों के अनुसार, शोभायात्रा में विभिन्न धार्मिक झांकियां, भजन मंडलियां और युवा वर्ग उत्साहपूर्वक भाग लेंगे, जिससे पूरा शहर भक्ति और उल्लास के रंग में रंगा नजर आएगा।

अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

निवाई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी शराब के साथ एक जने को गिरफ्तार किया है एवं दो आरोपितों से अवैध देशी शराब के 113 पव्वे जब्त किए है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रविप्रकाश शामा के सुपरविजन में गठित दो टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्यवाही करते हुए गावं डांगरथल से हनुमान बलाई निवासी ग्राम रम्भा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध देशी शराब के 56 पव्वे जब्त किए गए है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी प्रकार दूसरी टीम ने जयपुर टोंक रोड पर कार्यवाही की। जिसके दौरान एक व्यक्ति पुलिस को देखकर अवैध शराब के पव्वों को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से अवैध देशी शराब के 57 पव्वे जब्त किए और अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

सांभरझील। ग्राम हाचूकड़ा में संत देवानंद महाराज की 11 वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई। वहीं दूसरी तरफ शिव मंदिर की स्थापना की चतुर्थ वर्षगांठ के अवसर पर मंदिर में धार्मिक आयोजन किया गया।

NAME CHANGE

I army no 2982043F Ex NAIK Jagdish singh resident of plot no 23 -24 Shyam Nagar II nadi ka phatak benar road jhotwara jaipur that i want to change name of my spouse from RANI ARCHANA DEVI To RANI DEVI vide affidavit dated 15 apr 2026 before district sub divisional magistrate Jaipur city north

खोया पाया

मेरे भूखंड सं.-184 मीनावाला गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना राज विहार-A सिरसी रोड जयपुर का समिति जारी मूल आवंटन-पत्र, साईट प्लान और सोसाइटी रसीद कही गुम हो गयी है सूचित करे- पार्वती कँवर मो. 8949410618

मेरे भूखण्ड संख्या A-59 जेडीए की योजना रोहिणी नगर 2 जयपुर का जेडीए से जारी मूल कब्जा पत्र कही खो गया है मिलने पर सूचित करें -सीमा शर्मा मो - 9968278162

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में जागरूकता रैली निकाली

भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने रैली को हरी झंडी दिखाई।

दौसा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज आनंद शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके बाद विद्यालय से गांधी तिराहे तक चेतना रैली निकाली गई। रैली को भाजपा ज़िलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी इंद्रा गुप्ता एवं भाजपा ज़िलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने विद्यालय कि छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नेतृत्वाये स्थारित कर रहा है, महिलाओं को पूर्ण सम्मान, समान अधिकार और पूजनीतिक भागीदारी दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार नारी सक्रिय वंदन अधिनियम लेकर आई है। इस अविनियम के माध्यम से लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे मातृशक्ति को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी मिलेगी और देश के विकास में महिलाओं की भूमिका और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव महिलाओं के उत्थान आत्मनिर्भर भारत, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को सर्वोन प्राथमिकता दी है। विश्व पटल पर भारत मजबूत हुआ है।अब महिलाओं को 33 आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को देश की राजनीति में नए युग की शुरुआतहुई है। नरेंद्र मोदी की इस पहल से महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण और देश की नीति निर्धारण में भागीदारी को सुनिश्चित करने वाला कदम बताया।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से महिलाओं को नई ताकत मिल रही है। कार्यक्रम को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी इंद्रा गुप्ता, नीलम गुजर, मंजूलता जाटव, किरण डोरिया ने भी संबोधित किया।

> नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी : लक्ष्मी रेला

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सरोज मीणा, सह संयोजक चंद्रकांता हरितवाल, मंजू साहू, लक्ष्मी व्यास, मिश्री देवी मीणा, ममता सैनी, भाजपा जिला महामंत्री विपिन जैन, दौसा मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरिवंवाल, नवीन शर्मा, मनीषा जैमन, भावना शर्मा, आशा गुप्ता, कमला शर्मा, सुमन अदांना, विद्यालय प्रधानाचार्य माधुरी गुप्ता, उर्मिला मौर्या, गायत्री शर्मा, रजनी परेवा, अनिता शर्मा, चित्रा पालीवाल, संजना मीणा सहित बड़ी संख्या में छात्राएँ, महिलाएं, जनप्रतिनिधी व भाजपा पद अधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आलीसर में 20 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण

विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने सामुदायिक भवन का विधिवत फीता काटकर लोकार्पण किया

चौमूं / कालाडेरा। चौमूं विधानसभा क्षेत्र के गाँव आलीसर में विधायक कोष से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण विधायक डॉ. शिखा मील बराला द्वारा विधिवत फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विधायक ने भवन का निरीक्षण कर इसकी उपयोगिता एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया।

विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि यह सामुदायिक भवन क्षेत्रवासियों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में कार्य करेगा। इससे ग्रामीणों को अपने कार्यक्रमों के आयोजन हेतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी और सामाजिक एकता को भी मजबूती मिलेगी। विधायक डॉ शिखा मील बराला ने कहा कि चौमूं विधानसभा क्षेत्र के समग्र एवं सतत विकास के लिए वे निरंतर प्रतिबद्ध हैं तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने विधायक डॉ शिखा मील बराला का अभिनंदन कर इस जनहितकारी कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सरपंच प्रभु नारायण यादव, पश्चिमी ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवंदा, पूर्वी ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश शर्मा, नगर अध्यक्ष सायरमल सैनी, मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार मीणा, शंकर कुमावत, विष्णु जांगिड, मामराज मीणा, रघुनाथ मीणा, प्रकाश यादव, नरेन्द्र दायमा, सुरेश योगी, बंशी यादव, कैलाश यादव, कमल जैन सहित मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

'जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की होगी गणना'

> जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 16 मई से होगा प्रारम्भ
>
> राज्य सरकार द्वारा 21 जनवरी को जारी की गई थी अधिसूचना

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा विगत 21 जनवरी को अधिसूचना जारी कर प्रदेश में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अर्थात मकान सूचीकरण का कार्य आगामी 16 मई से 14 जून के मध्य सम्पन्न करवाया जायेगा। स्व-गणना के लिये विकल्प भी 01 से 15 मई की समयावधि में संचालित किया जायेगा। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जानकारी देते हुये बताया कि जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण और मकानों की गणना (एचएलओ) को पूर्णत: डिजिटल और सहभागी बनाने की दिशा में भारत सरकार द्वारा एक अभिनव पहल करते हुये 'स्व-गणना' (सेल्फ-इन्यूमरेशन) की सुविधा प्रदान की गई है। स्व-गणना (सेल्फ-इन्यूमरेशन) पोर्टल का उपयोग डेस्कटॉप अथवा स्मार्टफोन के माध्यम से किया जा सकेगा। संबंधित पोर्टल का पता://...ही। स्व-गणना सुविधा का उद्देश्य कार्यरत, व्यस्त अथवा सुविधा अनुसार स्वयं विवरण उपलब्ध कराने के इच्छुक परिवारों को डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी भरने का अवसर प्रदान करना है। तथापि यह स्पष्ट किया जाता है कि स्व-गणना किये जाने के उपरांत भी संबंधित प्रगणक द्वारा फील्ड स्तर पर सत्यापन एवं डाटा जांच की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से संपादित की जायेगी।

स्व-गणना पोर्टल का उपयोग करते समय आमजन को ध्यान रखना होगा कि वे पोर्टल पर जाने के लिये निर्धारित वेब एड्रैस का उपयोग ही करें, किसी सर्च इंजन की सहायता से ना जायें, एचटीटीपीस तथा .गोव.इन पर विशेष ध्यान दें। लॉग इन करते समय आपके पास ओटीपी आयेगा उसे किसी से साझा न करें। स्व-गणना डेटा के सत्यापन के लिये आने वाले प्रगणक द्वारा भी आप से ओटीपी नहीं मांगा जायेगा। जनगणना विभाग द्वारा आपसे फोन पर या किसी अन्य माध्यम से कोई ओटीपी नहीं मांगा जायेगा ना ही कोई लिंक उपलब्ध करवाया जायेगा। जिसका प्रयोग कर सूचनाओं का सत्यापन किया जाना हो। स्वगणना हेतु एसई आईडी तथा ओटीपी संदेश के लिए, ध्यान दें कि वे से प्राप्त होंगे। राजस्थान में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के फील्ड कार्य में करीब 01 लाख 60 हजार प्रगणक एवं पर्यवेक्षक, सम्पूर्ण राजस्थान में घर-घर जाकर जनगणना के अधिसूचित प्रश्नों के डेटा संग्रहण का कार्य करेंगें।

जनगणना मकानों एवं परिवारों की पहचान कर उनका व्यवस्थित सूचीकरण किया जायेगा। साथ ही प्रगणक द्वारा घर-घर जाकर मकान की स्थिति, परिवार को उपलब्ध सुविधायें एवं परिवार द्वारा धारित परिसंपत्तियाँ, परिवार द्वारा उपभोग किये जाने वाले मुख्य अनाज से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे जायेंगे। उपरोक्त महत्वपूर्ण सूचनाओं के आंकड़े प्राप्त करने के साथ-साथ जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना (एचएलओ) का उद्देश्य आगामी जनसंख्या गणना हेतु एक सम्यक एवं विश्वसनीय मास्टर फ्रेम तैयार करना है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके।

राजस्थान के शौर्य व बलिदान के इतिहास का अपमानः जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य सरकार द्वारा स्कूली पाठ्यक्रम से राजस्थान इतिहास की चार महत्वपूर्ण पुस्तकों को हटाए जाने के निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश की विरासत पर सुनियोजित हमला करार दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की यह संकीर्ण मानसिकता राजस्थान की आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से काटने का कुत्सित प्रयास है।

जूली ने कहा कि भाजपा ने राजस्थान के शौर्य और बलिदान के इतिहास का अपमान कर अपना असली चाल, चरित्र और चेहरा उजागर कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष ने कड़े शब्दों में आरोप लगाते हुए कहा, "भाजपा की यह डबल इंजन सरकार लगातार राजस्थान के गौरवशाली इतिहास पर प्रहार कर रही है।

यह वही धरती है, जिसके कण-कण में साहस, त्याग, बलिदान और वीरता की अमर गाथाएं बसी हैं जो हमें गर्व, स्वाभिमान और पहचान देती हैं। लेकिन भाजपा सरकार आज उसी इतिहास को मिटाने की साजिश रच रही है।

कलेक्टर ने रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की सुनी समस्या, मौके पर कराया समाधान

कोटकासिम के ग्राम बिलाहेडी में रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों की जनसुनवाई करते जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश।

> गांव बघाना में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण करने पहुंचे वहां व्यवस्थाओं को देख सुधार के निर्देश दिए

किशनगढ़ बास। कोटकासिम के ग्राम बिलाहेडी में जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में गुरुवार को रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने चौपाल में बैठकर आमजन की समस्याओं सुना, संबंधित विभागों के अधिकारियों से बात की और त्वरित समाधान के लिए निर्देशित करते हुए कहा कार्य की प्रति ढिलाई बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर की रात्रि चौपाल में नाम में शुद्धिकरण, बिजली, पानी, रास्ता सहित विभिन्न विषयों से जुड़े कुल 24 परिवाद प्राप्त हुए। प्रत्येक परिवाद पर जिला कलेक्टर ने सुनवाई करते हुए सम्बंधित अधिकारी से जवाब मांगा और निस्तारण के लिए समय तय कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकरण को अनावश्यक लंबित न रखा जाए और शीघ्र ही समाधान कर सूचित करें।

इस दौरान ग्राम नरवास में पानी की समस्या की शिकायत पर कलेक्टर ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग अधिकारी को गांव की वास्तविक स्थिति पता कर पानी की समस्या का निदान करने के निर्देश दिए। नाम में त्रुटि सुधार के आवेदन पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही कार्रवाई कर महिला के नाम में शुद्धिकरण कराया जिस पर महिला ने कलेक्टर का आभार व्यक्त किया।

रात्रि चौपाल में विभिन्न विभागों से पहुंचे अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की वृद्धजन पेंशन योजना, आपकी बेटी योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, लाडो योजना, जल जीवन मिशन, पीएम सूर्यघर योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजना की जानकारी देते हुए आमजन को आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया। कृषि विभाग ने सरकार की तारबंदी योजना, फार्म पॉन्ड, प्याज भंडारण एवं अन्य योजनाओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ देर रात में क्षेत्र के गांव बघाना में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र औचक निरीक्षण किया और वहां पर मिल रही सुविधाओं को देखा। उन्होंने व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के लिए निर्देशित करते हुए कहा स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी।

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी की सूचना

(आदेश 41 नियम 14)

नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर प्रथम

बजरंग लाल अग्रवाल विरूद्ध नागरिक सेवा समिति

अपील सं. 360 सन् 2019- मु. न. 35 /19 (1354/15) (390/13)

अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश पश्चिम जयपुर महानगर जयपुर के न्यायालय की तारीख 18/10/2019 को बजरंग लाल अग्रवाल बनाम नागरिक सेवा समिति व अन्य

नाम नागरिक सेवा समिति, सैक्टर 7, विद्याधर नगर जयपुर कार्यालय श्री रोजगारेश्वर महादेव जरिये अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र जसोरिया निवासी प्लाट नं.307, सैक्टर 7, विद्याधर नगर जयपुर

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में.... अपील.... द्वारा प्रस्तुत उपस्थापित की गई है और न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय में तारीख 28 माह 04 सन् 2026 नियत की गई। यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।

यह आज तारीख 25 माह 03 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर के और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत — आज्ञा से, अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर-प्रथम

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर

क्रमांक:- एफ-56 () सि० ला० जो० / ननिज / 2026/147 दिनांक:-16/04/202-6

अनापत्ति आमंत्रण सूचना

भूखण्ड संख्या 35 बजरंग कॉलोनी जयपुर का जविप्रा द्वारा दिनांक 07.03.2002 को श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री रामजी लाल उपाध्याय के नाम से क्षेत्रफल 300.41 वर्गगज का पटटा जारी किया गया था। तत्पश्चात् श्रीमती कृष्णा देवी द्वारा जरिये पंजीकृत उपहार पत्र श्री प्रदीप उपाध्याय पुत्र श्री रामजी लाल उपाध्याय को कुल क्षेत्रफल 300.41 में से उत्तरी भाग क्षेत्रफल 150.20 वर्गगज उपहार दिया गया है। उक्त पंजीकृत उपहार पत्र के आधार पर श्री प्रदीप उपाध्याय पुत्र श्री रामजी लाल उपाध्याय को उक्त भूखण्ड का नाम हस्तानान्तरण जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को उक्त नाम हस्तानान्तरण के संबंध में आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में सात दिवस में आपत्ति पेश करें अन्यथा सात दिवस पश्चात् उक्त भूखण्ड में नाम हस्तानान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त, सिविल लाईन जोन नगर निगम जयपुर

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर

क्रमांक:- एफ-56 () सि० ला० जो० / ननिज / 2026/146 दिनांक:- 16/04/2026

अनापत्ति आमंत्रण सूचना

भूखण्ड संख्या 35 बजरंग कॉलोनी जयपुर का जविप्रा द्वारा दिनांक 07.03.2002 को श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री रामजी लाल उपाध्याय के नाम से क्षेत्रफल 300.41 वर्गगज का पटटा जारी किया गया था। तत्पश्चात् श्रीमती कृष्णा देवी द्वारा जरिये पंजीकृत उपहार पत्र श्री राजेश उपाध्याय पुत्र श्री रामजी लाल उपाध्याय को कुल क्षेत्रफल 300.41 में से दक्षिणी भाग क्षेत्रफल 150.20 वर्गगज उपहार दिया गया है। उक्त पंजीकृत उपहार पत्र के आधार पर श्री राजशे उपाध्याय पुत्र श्री रामजी लाल उपाध्याय को उक्त भूखण्ड का नाम हस्तानान्तरण जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को उक्त नाम हस्तानान्तरण के संबंध में आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में सात दिवस में आपत्ति पेश करें अन्यथा सात दिवस पश्चात् उक्त भूखण्ड में नाम हस्तानान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त, सिविल लाईन जोन नगर निगम जयपुर

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे अभिभाष्य भगवान सहाय सैनी पुत्र श्योजीराम सैनी निवासी 23सी, कृष्णा एनक्लेव, गोविन्दपुरा, सांगानेर, जयपुर ने अपनी पुत्री कविता सैनी को उसके सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों के विरूद्ध किये गये कृत्यों से क्षुब्ध व व्यथित होकर अपने जीवन व अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है अब कविता सैनी व उससे सम्बन्धित किसी भी व्यक्ति से मेरे अभिभाष्य व परिवारजन का किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध सरोकार नही है। कविता सैनी के द्वारा किये गये किसी भी कृत्य / सम्व्यवहार की जिम्मेदारी उसकी स्वंय की होगी, मेरा अभिभाष्य किसी प्रकार से जिम्मेदार व उत्तरदायी नही रहेगा।

दिनांक 17-04-2026, जयपुर — भवदीय, खेमचन्द सैनी एडवोकेट, मो.नं.: 9351717175

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य कैलाश पुत्र श्री भंवरलाल उर्फ भूरा, ग्राम राजाधिराजपुरा उर्फ चिमनपुरा, पोस्ट अवानिया, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर की पुश्तेनी आराजी वाके ग्राम बगरूकलां, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में स्थित आराजी भूमि खसरा नंबर 4668 रकबा 0.2100 हैक्टेयर, खसरा नंबर 4669 रकबा 0.1700 हैक्टेयर, खसरा नंबर 4670 रकबा 0.2900 हैक्टेयर, खसरा नंबर 4671 रकबा 0.1400 हैक्टेयर, खसरा नंबर 4672/7979 रकबा 0.1100 हैक्टेयर स्थित है। उक्त आराजी भूमि मेरे अभिभाष्य के नाम से राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद है, जिसे विक्रय व हस्तान्तरण करने के संबंध में संपूर्ण मालिकाना अधिकार मेरे अभिभाष्य को ही प्राप्त है। इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह सात दिवस की अवधि में मेरे अभिभाष्य से संपर्क कर, विक्रय व हस्तान्तरण के संबंध में अपनी आपत्ति/उज्र कर सकेगी। सात दिवस की अवधि उपरान्त कोई आपत्ति/उज्र मान्य नहीं होगा। सूचित रहे।

भवदीय — जयपुर, दिनांक: 17.04.2026 (K. R. Choudhary) ADVOCATE, मो.: 9001222282

विवाद्यको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक जिला जयपुर

मूलचन्द वर्मा विरूद्ध बाबूलाल व अन्य वाद बाबत तकासमा व स्थाई निषेधाज्ञा वाद सं. 178 /2025

बनाम

1. बाबूलाल पुत्र श्री रामदेव, निवासी नृसिंहपुरा, अजमेर रोड, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर।

वादी ने आपके विरूद्ध वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 27 माह 05 सन् 2026 को दिन में 10.00 ए.एम बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति मे है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति मे हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजो को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में होगा।

यह वाद ता. 10 माह. 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत — उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक

प्रपत्र संख्या 7

(देखिये नियम 21)

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर : DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2134/539

चूंकि प्रार्थी श्री ABHISHEK GUPTA, WARD NO. 36, TULARA MARRIAGE HOME KE PICHE, GANGAPUR CITY, SAWAI MADHOPUR, RAJASTHAN, 322201 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास

खेल सेतु फाउंडेशन, PLOT NO. 20, GANGA SAGAR VISTAR, JAGDAMA COLONY, AGRA ROAD, JAIPUR -302031 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 10-04-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 23/06/2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

नियम 130 व 131)

अपील की सूचना के अन्तर्गत धारा 426 (1) बी एन एस एस 2023

न्यायालय श्रीमान् अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर II जयपुर

दिनांक: 28/04/2026

मनोज कुमार जांगिड़ बनाम राज्य सरकार व अन्य

अपील/निगरानी सं. 73/2025

अपील/निगरानी विरुद्धआदेश दिनांक 03/10/2025 के न्यायालय ए सी जे एम नं. 3 जयपुर महानगर जयपुर द्वितीय मुकदमा नं. मुकदमा नंबर 108/2025 अन्तर्गत धारा 316(2), 316(5), 318(2), 318 (4) सपठित धारा 61 (2), (ए) बी एन एस एस 2023 को धारा 426 (1) बी एन एस एस 2023 के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि अपीलाण्ट को उपरोक्त अपील /रिविजन इस न्यायालय में दिनांक 28/04/2026 को बजे 7.30 ए एम. पर सुनी एवं निर्णीत की जावेगी।

बनाम

गुलफाम पुत्र श्री अब्दुल सत्तार पार्टनर ए के ट्रेडिंग कम्पनी निवासी सी-587, भट्टा बस्ती, -शास्त्री नगर जयपुर राजस्थन 302016

मोहर — वरिष्ठ रीडर, अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 14/2026

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम श्रीमती विमलेश गुप्ता पत्नि विश्वंभर दयाल गुप्ता व अन्य ने

विवाद स्थान पुलिस थाना मानसरोवर जयपुर के क्षेत्राधिकार

मृतक विश्वंभर दयाल गुप्ता के द्वारा छोडी गई Fixed Deposits in BOB 60/186 रजत पथ न्यू सांगानेर रोड के पास जयपुर की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 14/5/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम विश्वंभर दयाल गुप्ता पुत्र देवकी नन्दन गुप्ता जाति महाजन निवासी 51/29 शिप्रा पथ मानसरोवर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 14 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 10 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत — आज्ञा से-शिरस्तेदार, अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन लालकोठी, जयपुर)

क्रमांक :– जसअ / 2026 / 30 — दिनांक : 16.04.2026

ई–निविदा सूचना क्रमांक :– 1–2 / 2026–27

नगर निगम जयपुर के विभिन्न कार्यो हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2627WSOB00052 to JMC2627SLOB00053 पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद / सी / 26 / 998 — उपायुक्त (गैराज)

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर

Email ID:bdo.jai.gov@gmail.com, Phone No. 01423-230025

क्रमाकः-पंसगो / लेखा/ई-निविदा/2026/15 — दिनांकः-15.04.2026

निविदा सूचना संख्या /2025-26

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचायत समिति गोविन्दगढ एवं अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनओं में स्वीकृत कार्यों / संकर्म हेतु सक्षम श्रेणी मे पंजीकृत प्रतिष्ठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र मे निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।

NIB NO online PFA2627A0012 To PFA2627A0018

UBN NO online- PFA2627WSOB00012 To PFA2627WSOB00018

विकास अधिकारी, पं.सं. गोविन्दगढ़ (जयपुर)

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: F-JDA/Zone 09/2026/D-312 — **आम सूचना**

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 287613 दिनांक 16/03/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी / लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
01	Rajesh Kumar Meena Slo C/O, Gaurdhan Singh Meena	श्रेष्ठ रियल टैक्नोलोजी प्रा.लि. निदेशक श्री गौरीशंकर गुप्ता	223	84.00 SQ. YARD	Private	KRISHAN KUNJ	Name Transfer	registered sale deed

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन -9 जविप्रा, जयपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता (मानसरोवर जोन) नगर निगम जयपुर

(सामुदायिक भवन, तारा नगर डी, खिरणी फाटक रोड, जयपुर)

क्रमांक :- ज.स.अ./2026/27 — दिनांक :- 15/04/2026

ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मानसरोवर जोन) - 03/2026-27

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मानसरोवर जोन) से सम्बन्धित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org व http://sppp.raj.nic.in & eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका sppp पोर्टल यू.बी.ई.एन. नं. JMC2627WSOB00046 है। उक्त निविदा को http://sppp.raj.nic.in पर दिनांक 13.04.2026 को अपलोड करवा दिया जायेगा।

राज.संवाद/सी/26/1009 — अधिशाषी अभियंता (मानसरोवर जोन) नगर निगम जयपुर

कार्यालय नगरपालिका किशनगढ़बास (खैरथल-तिजारा) राज.

Mail Id-npkishangarhbas@gmail.com, PH.-01460-242233

क्रमांकः न.पा.कि.बास/2026/291 — **आपत्ति सूचना** — दिनांक 17/04/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के अन्तर्गत 90-अ के एक्ट के तहत ऑनलाईन पट्टा बनवाने हेतु निम्न प्रकार ऑनलाईन पत्रावली इस कार्यालय में प्राप्त हुई है। अतः इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति संस्था या किसी को भी कोई भी आपत्ति हो तो 07 दिवस में इस कार्यालय में अपनी आपत्ति मय सबूत इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। मयाद निकलने के बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	पिता/पति/पत्नी का नाम	पता	खसरा नं.
		90 - क		
1	शहनाज बेगम	हसन मौहम्मद	वार्ड नं. 13 बासड़ा रोड़ शान्ती नगर कि. बास	703
2	अशोक कुमार, देवेन्द्र कुमार	राजेश कुमार	नई सब्जी मण्डी के पास हाईवे रोड़ कि.बास	611
3	सुनील कुमार	हुकम चंद	वार्ड नं. 04 बासकृपाल नगर कि. बास	604
4	तुषार अग्रवाल	नरेन्द्र कुमार	वार्ड नं. 16 गंज कि.बास	317
5	अरविन्द कुमार गीता देवी	राधेश्याम विक्रम यादव	मोठूका रोड़ कि.बास	326/212
6	अरविन्द कुमार गीता देवी	राधेश्याम विक्रम यादव	मोठूका रोड़ कि.बास	326/212
7	अरविन्द कुमार गीता देवी	राधेश्याम विक्रम यादव	मोठूका रोड़ कि.बास	326/212
8	अरविन्द कुमार गीता देवी	राधेश्याम विक्रम यादव	मोठूका रोड़ कि.बास	326/212
9	रेखा अग्रवाल शकुन्तला अग्रवाल	रमेश चंद अग्रवाल हरीश चंद अग्रवाल	रैणी मौहल्ला कि.बास	512
10	रेखा अग्रवाल शकुन्तला अग्रवाल	रमेश चंद अग्रवाल हरीश चंद अग्रवाल	रैणी मौहल्ला कि.बास	512
11	रेखा अग्रवाल शकुन्तला अग्रवाल	रमेश चंद अग्रवाल हरीश चंद अग्रवाल	रैणी मौहल्ला कि.बास	512

उपरोक्त व्यक्ति को 90-अ एक्ट पट्टा के लिए कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से 07 दिवस में इस कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उपयुक्त व्यक्ति का पट्टा जारी कर दिया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका किशनगढ़बास

सीवर टैंक की जहरीली गैस में दम घुटने से दो सफाईकर्मियों की मौत

इस लापरवाही की जांच करवाएगा जयपुर नगर निगम प्रशासन, पुलिस भी जांच में जुटी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । शहर के करधनी क्षेत्र के झोटवाड़ा जोन स्थित शेखावत मार्ग, निवारू रोड (वार्ड संख्या 24) में शुक्रवार दोपहर सीवरेज टैंक की सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सीवर चैम्बर में बनी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो सफाईकर्मियों की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि सीवरेज टैंक में सफाई कार्य के दौरान अचानक गैस बनने से दोनों मजदूरों की हालत बिगड़ गई और वे मदद के लिए चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को बाहर निकालकर कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान पुरानी बस्ती निवासी अजय और बनीपार्क निवासी रामबाबू के रूप में हुई है। दोनों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। प्रथम दृष्टया मौत का कारण जहरीली गैस से दम घुटना माना जा रहा है। पूरे मामले की जांच जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम जयपुर के अधिकारी अस्पताल पहुंचे। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि मामले में लापरवाही सामने आई है, जिसकी जांच करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यह भी जांच होगी कि ठेकेदार द्वारा कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे या नहीं तथा निर्धारित एसओपी का पालन किया गया या नहीं। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वाल्मीकि सफाई कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि इस हादसे को गंभीर लापरवाही का परिणाम बताया है। डंडोरिया ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा बिना सुरक्षा मानक उपकरणों के सीवर मेनहोल की सफाई करवाई जा रही थी, जिससे मीथेन गैस के कारण दोनों कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी प्रशासन को अवगत कराया गया था, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई कर रहे हैं और सफाईकर्मियों की जान जोखिम में डाली जा रही है।

संगठन ने जिम्मेदार ठेकेदार तथा संबंधित अधिकारियों की गिरफ्तारी, मृतकों के परिजनों को एक-एक सरकारी नौकरी और एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी करने की मांग भी उठाई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो जयपुर सहित पूरे राजस्थान में सफाई कार्य का बहिष्कार किया जाएगा और मृतकों का पोस्टमार्टम भी नहीं होने दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटे हैं और हादसे के कारणों की गहन पड़ताल की जा रही है।

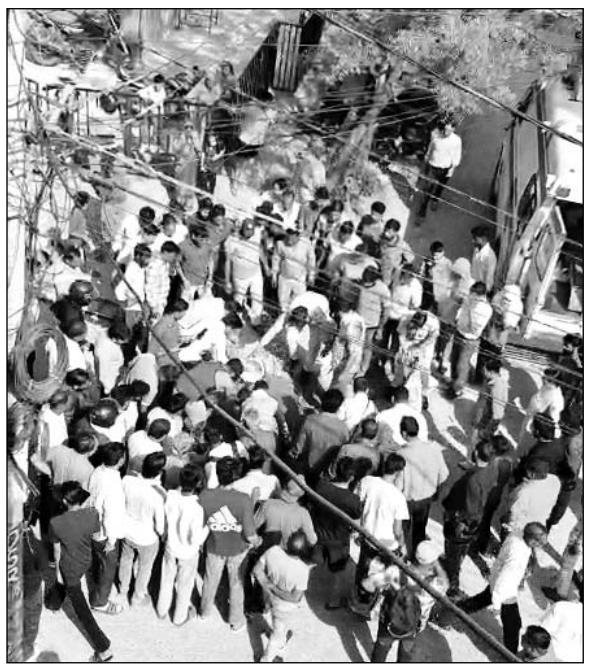

झोटवाड़ा स्थित शेखावत मार्ग पर शुक्रवार दोपहर सीवरेज टैंक की सफाई करने चैंबर में उतरे दो कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो गयी। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे वाल्मीकि समाज के लोगों ने विरोध किया, उधर पुलिस ने शवों को मोर्चरी में पहुंचाया।

- **वाल्मीकि सफाई कर्मचारी यूनियन ने दोषी ठेकेदार तथा अधिकारियों की गिरफ्तारी, मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी और 1-1 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग उठाई**
- **संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो जयपुर सहित पूरे प्रदेश में सफाई का बहिष्कार किया जाएगा और मृतकों का पोस्टमार्टम भी नहीं होने दिया जाएगा।**

सहकारिता मंत्री ने किया मसाला मेले का शुभारम्भ

जयपुर (कासं)। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक ने कहा कि सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को एक सशक्त मंच मिलता है तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलता है। दक ने शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र में शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा की मौजूदगी में सहकार मसाला मेले का शुभारम्भ किया।

सहकारिता मंत्री एवं शासन सचिव ने विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन कर देश और प्रदेश की सहकारी समितियों द्वारा प्रदर्शित मसालों एवं अन्य उत्पादों की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा वर्ष 2003 से प्रतिवर्ष इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता के मसाले एवं अन्य उत्पाद उपलब्ध होते हैं, जिससे यह आयोजन जयपुरवासियों के बीच लोकप्रिय बन गया है। इस वर्ष यह मेला 17 से 26 अप्रेल तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में इस बार लगभग 150 स्टॉल्स लगाई गई है।

- **जवाहर कला केन्द्र में 26 अप्रेल तक चलेगा आयोजन**
- **150 स्टॉल्स पर उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण मसाले एवं विविध उत्पाद मिलेंगे**

मेले में राजस्थान के साथ-साथ केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कश्मीर, पंजाब, मध्य प्रदेश आदि विभिन्न राज्यों की सहकारी संस्थाएं अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रही हैं। साबुत एवं पिसे मसालों के अलावा विशिष्ट क्षेत्रीय उत्पाद भी यहां उपलब्ध हैं। केरल की काली मिर्च एवं लौंग, इरोड (तमिलनाडु) की हल्दी एवं दालचीनी, कश्मीर की केसर एवं ड्राई फ्रूट्स, पंजाब के चावल एवं रेडी टू ईट प्रोडक्ट, मध्य प्रदेश का सिहोरी गेहूं, मथानिया की लाल मिर्च, रामगंजमंडी एवं बारां का धनिया, नागौर का जीरा एवं कसूरी मैथी, जालोर की ईसबगोल, सिरोही की सौंफ, प्रतापगढ़ की हींग, चित्तौड़गढ़ की अजवाइन, पुष्कर का गुलकन्द, नाथद्वारा की ठण्डाई, भुसावर का अचार, राजसमंद का शर्बत, सोजत की मेहंदी, डूंगरपुर का आम पापड़, झाड़ोल की अरहर दाल, बीकानेर के पापड़ आदि मेले के मुख्य आकर्षण होते हैं। मेले में आगंतुकों के लिए प्रतिदिन लकी ड्रॉ तथा समापन अवसर पर मेगा बम्पर ड्रॉ का भी आयोजन रखा गया है। साथ ही, प्रतिदिन अलग-अलग संभागों के लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। मेले के उद्घाटन अवसर पर राजफेड के प्रबंध निदेशक सौरभ स्वामी सहित सहकारिता विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व सहकारजन उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने जवाहर कला केन्द्र में मसाला मेले का उद्घाटन करने के बाद स्टॉल्स का अवलोकन किया।

गर्भवती महिला से छेड़छाड़ करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । शहर के मालवीय नगर क्षेत्र में गर्भवती महिला से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित सहयोग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल ने बताया कि पुलिस टीमों ने करीब 300 सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर आरोपी की पहचान की। आरोपी की पहचान राहुल घुरैया उर्फ राज उर्फ राहुल निवासी ग्वालियर (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई। वहीं जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी को शरण देने और फरार होने में मदद करने वाले दो सहयोगी-शुभम अग्रवाल उर्फ सिद्धार्थ (टोंक) और बाबूलाल बराला (टोंक) को भी अलग-अलग स्थानों से डिटेन किया गया। दोनों आरोपियों ने मुख्य आरोपी को छिपाने और भगाने में सहायता की थी।

मुख्य आरोपी राहुल घुरैया गिरफ्तारी के डर से मध्यप्रदेश में एक अन्य मामले में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर चुका था, जिसे प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश में आर्म्स एक्ट, लूट, चोरी सहित 33 गंभीर मामले दर्ज हैं, वहीं जयपुर के रामनगरिया, सांगानेर और बजाज नगर थानों में भी इसी प्रकार की घटनाओं के मामले दर्ज हैं। जांच में यह भी सामने आया कि सहयोगी आरोपियों द्वारा संचालित स्पा सेंटरों के माध्यम से आरोपी को संरक्षण दिया गया। पुलिस इस एंगल से भी गहन जांच कर रही है।

- **आरोपी की मदद करने वाले दो युवकों को भी पुलिस ने दबोचा**

पुलिस के अनुसार 12 अप्रैल 2026 को सोशल मीडिया व समाचार माध्यमों से एक घटना सामने आई, जिसमें एक राहगीर गर्भवती महिला के साथ छेड़छाड़ की बात सामने आई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जयपुर पुलिस ने जवाहर सर्किल थाने में प्रकरण संख्या 170/2026 दर्ज कर जांच शुरू की।

एक किलो अफीम के साथ दो गिरफ्तार

जयपुर । राजधानी जयपुर के बगरू थाना क्षेत्र में विशेष नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से करीब 1 किलो अफीम बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ठीकरिया टोल प्लाजा पर चल रही सघन नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से करीबन 1 किलो अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी विपुल जाट और राहुल सारण को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी चित्तौड़गढ़ से जयपुर अफीम की सप्लाई के लिए आ रहे थे। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क बड़े स्तर पर नशे की तस्करी से जुड़ा हो सकता है। यह कार्रवाई बगरू थाना अधिकारी राजेंद्र गोदारा के नेतृत्व में की गई। पुलिस अब आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और तस्करी के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी से परेशान युवक ने जहर खाकर आत्महत्या की

मरने से पहले युवक ने अपनी बहन को सुसाइड नोट भेजा था

जयपुर (कासं)। मुहाना इलाके में गत 21 फरवरी की रात एक युवक ने अपनी पत्नी से परेशान होकर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में अब नया मोड सामने आया है। पुलिस ने मृतक की बहन के मोबाइल पर आए मैसेज के आधार पर हत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पीड़ित पिता सांगानेर के वैष्णव नगर निवासी रामनिवास बाथम ने अपनी बहू के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

- **सुसाइड नोट सामने आने के बाद मृतक के पिता ने हत्या का आरोप लगाते हुए बहु के खिलाफ मामला कराया**
- **आरोप है कि महिला अपने पति और ससुराल पक्ष पर कई झूठे मुकदमें दर्ज करवाकर रुपए ऐंठ चुकी हैं**

मृतक के पिता का आरोप है कि मई-2011 में संदीप (38) की शादी उत्तर प्रदेश निवासी लड़की से हुई थी। संदीप ने 21 फरवरी को रात करीब 2:17 बजे अपनी बहन पायल को वॉट्सऐप पर मैसेज भेजा था, जिसमें अपनी पत्नी पर परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में बताया कि शादी के बाद से ही उसकी पत्नी की ओर से झगड़ा करना शुरू कर दिया गया। घरवालों से अलग रहने की जिद के चलते रोज-रोज क्लेश करने लगी। जिससे तंग आकर संदीप शादी के दो महीने बाद मुहाना में किराए का मकान लेकर अपनी पत्नी के साथ रहने लगा। जिसके बाद उसकी पत्नी आए दिन झगड़ा कर संदीप से रुपए ऐंठने लगी। मना करने पर साल-2014 में उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में झूठे आरोप लगाकर भरण-पोषण का केस दर्ज करवा दिया। वारंट निकलने पर पुलिस वाले के घर आने पर केस का पता चला। बदनामी के डर से केस हटाने के एवज में पैसे ऐंठ जून-2016 में राजीनामा लिख दिया। जिसे बाद दोबारा दहेज का केस दर्ज करवाया दिया। इस बारे में पता नहीं चले, इसलिए उनका गलत पता लिखवा दिया। गलत एड्रेस के कारण केस का पता नहीं चलने पर अरेस्ट वारंट जारी हो गए। जिसमें संदीप और उसकी मां मीरा देवी को जेल हो गई। पैसे लेकर दोबारा राजीनामा करने पर दिसंबर-2025 में सटेलमेंट एग्रीमेंट के आधार पर मां-बेटे को जमानत मिली। इतना करने के बाद भी उसकी पत्नी का व्यवहार नहीं बदला और अपने घर वालों के साथ मिलकर आए दिन गाली-गलौच व हाथापाई कर धमकाने लगी। जिसके बाद 21 फरवरी की रात करीब 217 बजे संदीप ने अपनी बहन पायल को वॉट्सऐप पर मैसेज भेजा। उसके कुछ ही देर बाद उसके बेटे ने परिवारवालों को कॉल कर बताया कि पापा ने कुछ खा लिया है, उन्हें हॉस्पिटल लेकर गए है। हॉस्पिटल पहुंचने पर डॉक्टर्स ने संदीप को मृत घोषित कर दिया। मृतक पिता का आरोप है कि उसके बेटे संदीप ने पत्नी और ससुराल वालों से परेशान होकर आत्महत्या की है। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

रिलायंस ने की "डिजिटल डिस्काउंट डेज़" की घोषणा

जयपुर (कासं)। रिलायंस डिजिटल ने अक्षय तृतीया से पहले "डिजिटल डिस्काउंट डेज़ कैंपेन" की घोषणा की है। इसमें ग्राहकों को लेटेस्ट टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करना अब पहले से कहीं ज़्यादा आसान ही नहीं, बल्कि फायदेमंद भी होगा। इस कैंपेन के अंतर्गत, ग्राहक लीडिंग बैंक के कार्ड्स पर 26 हजार तक इंस्टेंट डिस्काउंट का फायदा तथा पेपर फाइनेंस पर 30000 तक कैशबैक का विकल्प मिल सकेगा।

इसके अलावा, रिलायंस डिजिटल सैकंड प्रोडक्ट पर फ्लैट 50 प्रतिश की छूट देगा, जिससे ऑडियो डिवाइस, वियरेबल्स, मोबाइल और लैपटॉप एक्सेसरीज, चुनिंदा होम एंटरटेनमेंट और छोटे अप्लायंसेज जैसी कैटेगरी में कई चीजें खरीदने को बढ़ावा मिलेगा। इसमें हिस्सा लेने वाले ब्रांड्स में मार्शल, जेबीएल, बोट और वनप्लस शामिल हैं।

ब्लूटूथ स्पीकर, नेकबैंड और वायरलेस हेडफोन जैसे प्रोडक्ट्स भी लिस्टेड कीमत से लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध होंगे। रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाली जरूरी चीजें जैसे वायरलेस माउस, लैपटॉप एक्सेसरीज, पावर बैंक और सैंडविच मेकर जैसे छोटे किचन अप्लायंसेज भी इस स्कीम का हिस्सा हैं, जो ग्राहकों को 300 से 750 की रेंज में आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे।

ट्रैफिक पुलिस के बेड़े में 20 अत्याधुनिक बाइक शामिल हुईं

जयपुर (कासं)। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जयपुर यातायात पुलिस ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने यादगार से 20 नई अत्याधुनिक मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भीषण गर्मी को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षकों के लिए विशेष व्हाइट कूलिंग जैकेट भी लॉन्च की गई है। इस बाइक में पब्लिक एड्रेस सिस्टम तथा हाई-डेसिबल पुलिस सायरन और विशेष पुलिस लाइट्स लगाई गई है।

जनगणना-2027 का पहला चरण 16 मई से

जयपुर (कासं)। जनगणना 2027 के तहत राजस्थान में प्रथम चरण का कार्य 16 मई से शुरू होकर 14 जून तक किया जाएगा। इस चरण में मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक बिष्णु चरण मल्लिक ने बताया कि इस बार जनगणना को पूर्णतः डिजिटल और सहभागी बनाने की दिशा में 'स्व-गणना' की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत नागरिक 1 मई से 15 मई के बीच ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। हालांकि, इसके बाद भी प्रगणक द्वारा फील्ड स्तर पर सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। उन्होंने साइबर सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि नागरिक केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें और किसी के साथ साझा न करें।

राज्य में इस कार्य के लिए करीब 1 लाख 60 हजार प्रगणक और पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे, जो घर-घर जाकर डेटा संग्रहण करेंगे। मकान सूचीकरण के दौरान भवनों, परिवारों, उपलब्ध सुविधाओं, परिसंपत्तियों तथा उपभोग से जुड़े कुल 33 प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रथम चरण का उद्देश्य आगामी जनसंख्या गणना के लिए एक सटीक और विश्वसनीय मास्टर फ्रेम तैयार करना है, ताकि दूसरे चरण में कोई भी व्यक्ति या परिवार गणना से वंचित न रह जाए। जनगणना कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्यभर में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स, फील्ड ट्रेनर्स और प्रगणकों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनगणना प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के लिए पोर्टल, वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं, जिनसे निगरानी और डेटा संग्रहण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

निदेशक मल्लिक ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करते हुए सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं तथा प्रगणक के पहचान पत्र और कोड की जांच के बाद ही जानकारी साझा करें।

पीडब्ल्यूसी बैठक में 286 करोड़ रु. के विकास कार्यों को मंजूरी

राजधानी में यातायात व सीवरेज सुधार तथा सौंदर्यीकरण पर जोर दे रहा जे.डी.ए. प्रशासन

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की पीडब्ल्यूसी (पब्लिक वर्क्स कमेटी) की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को जेडीसी सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से सीवरेज, यातायात सुधार और सड़क विकास सहित विभिन्न कार्यों के लिए करीब 286 करोड रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां दी गईं।

बैठक में सचिव गौरव सैनी, निदेशक आयोजना मृणाल जोशी, निदेशक अभियांत्रिकी देवेंद्र गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राजधानी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए जोन-7 में सिरसी रोड (सी.जोन बाईपास से सिरसी मोड तक) के चौड़ीकरण एवं विकास कार्य हेतु 48.76 करोड रुपए स्वीकृत किए गए। इसके अलावा सीकर रोड पर चौमूं पुलिया से रोड नंबर 14 तक एट-ग्रेड यू-टर्न निर्माण के लिए 9.54 करोड़ तथा सहकार मार्ग स्थित इमली फाटक और ज्योति नगर टी-जंक्शन सुधार के लिए 5.96 करोड़ रुपए की कार्योत्तर स्वीकृति जारी की गई।

शहर में सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जोन-5 और 6 से एसटीपी नेवटा तक लेटरल सीवर लाइन बिछाने के लिए 95.16 करोड रुपए स्वीकृत किए गए। वहीं भांकरोटा एवं आसपास क्षेत्रों से एसटीपी नेवटा तक सीवर लाइन के लिए 42 करोड और ग्राम गजधरपुरा स्थित 30 एमएलडी एसटीपी के अपग्रेडेशन हेतु 17.18 करोड रुपए की संशोधित स्वीकृति दी गई।

शहरी सौंदर्यीकरण के तहत विद्याधर नगर के सेंट्रल स्पाइन कॉरिडोर पर सेंट्रल फूड स्ट्रीट के पुनर्विकास एवं रखरखाव के लिए 3.38 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। इसके अलावा सेक्टर-1 विद्याधर नगर में इंफॉर्मेशन बिजनेस एंड एंटरटेनमेंट सेंटर निर्माण हेतु 10.50 करोड तथा स्वर्ण जयंती गार्डन की चारदीवारी के लिए 3.02 करोड रुपए मंजूर किए गए।

जोन-11 के अचरावाला, जयसिंहपुरा उर्फ तेजावाला और अभयपुरा में लैंड पूलिंग स्कीम के तहत सडक एवं अन्य विकास कार्यों के लिए 40.07 करोड़ रुपए की संशोधित स्वीकृति दी गई। इसके अलावा मालवीय नगर में सडक नवीनीकरण, सी.जोन बाइपास से कनकपुरा फाटक तक सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए 6.85 करोड तथा जाहोता फ्लाईओवर से जाहोता गांव तक सडक निर्माण के लिए 3.71 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। बैठक में शहर के समग्र विकास, यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर व्यापक चर्चा की गई।

जेडीए कमिश्नर सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को पब्लिक वर्क्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक हुई।

सार-समाचार

पाइप लाइन गैस कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश

जयपुर । जयपुर में अतिरिक्त मुख्य सचिव (खान एवं पेट्रोलियम) अपर्णा अरोरा ने राज्य की सीजीडी (सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन) संस्थाओं को निर्देश दिए हैं कि वे जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को डीपीएनजी (डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन से जोड़ें। सचिवालय में आयोजित वर्चुअल बैठक में उन्होंने कहा कि सीजीडी संस्थाएं जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधा से जोड़ें और चरणबद्ध तरीके से कॉलोनियों को एलपीजी फ्री जोन घोषित करने की कार्ययोजना तैयार करें। अरोरा ने निर्देश दिए कि जिला कलेक्टर नियमित मॉनिटरिंग करें और प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। जहां पीएनजी का आधारभूत ढांचा तैयार है, वहां कॉलोनी स्तर पर शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक कनेक्शन जारी किए जाएं। उन्होंने बताया कि पिछले 15 दिनों में करीब 6000 परिवारों को डीपीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि आगामी 15 दिनों में 8500 और परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में रीको के औद्योगिक क्षेत्रों सहित पाली टेक्सटाइल क्लस्टर, भीलवाड़ा, कोटा, विश्वकर्मा और महेंद्र सेज जैसे क्षेत्रों को पीएनजी सेवाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा मल्टीस्टोरी बिल्डिंग, हॉस्टल, ढाबे, अस्पताल और रेस्टोरेंट में प्राथमिकता से कनेक्शन देने को कहा गया।

आर्जव जैन को 94 प्रतिशत अंक मिले

जयपुर । जयपुर के होनहार छात्र आर्जव जैन ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 94.08प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम गर्व से ऊंचा किया है। अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने शिक्षकों और माता-पिता को दिया है। आर्जव का सपना भविष्य में सिविल सेवा में जाकर देश की सेवा करने का है। परिजनों ने आर्जव की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने भी इस सफलता को सराहते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया है।

ब्रह्माकुमारीज़ के "आध्यात्मिक विरासत संग्रहालय" का उद्घाटन 20 अप्रैल को

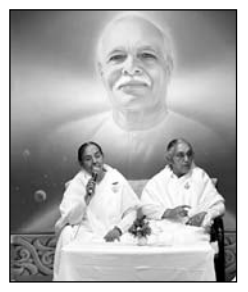

जयपुर । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा "आध्यात्मिक विरासत संग्रहालय" नवीन एवं आधुनिक स्वरूप में पुनः समाज को समर्पित करेगा। यह संग्रहालय ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। विशेष उल्लेखनीय है कि इस संग्रहालय की नींव स्वयं संस्थान के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के पावन करकमलों द्वारा रखी गई थी, जिससे इसकी ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। समयानुसार इस विरासत का आधुनिक तकनीक एवं आकर्षक प्रस्तुति के साथ नव-निर्माण किया गया है, ताकि यह समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सके। इस संग्रहालय का उद्घाटन 20 अप्रैल को प्रातः 10 बजे ब्रह्माकुमारीज़, धन्वन्तरी भवन किशनपोल बाज़ार जयपुर में किया जाएगा। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की अंतरराष्ट्रीय स्तर की वरिष्ठ पदाधिकारी राजयोगिनी बीके जयंती दीदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर संग्रहालय का उद्घाटन करेंगी। साथ ही मुख्यालय से संस्था के महासचिव राजयोगी बीके करुणा भाई, संस्था के धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी मनोरमा दीदी एवं राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी की उपस्थिति रहेगी। इस दौरान जल संसाधन विभाग मंत्री सुरेश रावत, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंदाचार्य एवं गोपाल शर्मा मौजूद रहेंगे।

'व्हेन गॉड्स डोंट मैटर' पर चर्चा

जयपुर । जयपुर के पब्लिसिस्ट और कवि जगदीप सिंह के कविता संग्रह 'व्हेन गॉड्स डोंट मैटर' पर अजमेर के प्रताप महल में एक चर्चा का आयोजन हुआ। इस दौरान लेखक ने प्रोफेसर मालती माथुर के साथ संवाद किया, जिसमें कविताओं को थेरेप्यूटिक और भावनाओं की अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में समझने पर चर्चा हुई। इस दौरान जगदीप सिंह ने कहा कि कविता भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है, लेकिन इसके साथ ही उसमें शिल्प का संतुलन होना भी जरूरी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कविताएं संरचित होनी चाहिए और उनमें एक मूलभूत लय बनी रहनी चाहिए। यह कार्यक्रम 'द राइट सर्कल' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो प्रभा खेतान फाउंडेशन की पहल है। आयोजन एहसास वीमेन, अजमेर और वीकेयर के सहयोग से किया गया था, जिसमें प्रताप महल हॉस्पिटैलिटी पार्टनर के रूप में शामिल था। प्रताप महल के महाप्रबंधक, देवेंद्र रत्नावत ने लेखक और मॉडरेटर, दोनों को स्मृति-चिह्न भेंट किए। इससे पूर्व, शाम की शुरुआत स्वाति वशिष्ठ द्वारा स्वागत संबोधन के साथ हुई। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमी, छात्र सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए, जहां समकालीन कविता और उसके बदलते आयामों पर एक दिलचस्प चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि सिंह के पुराने शिक्षण संस्थान, मेयो कॉलेज के 16 छात्रों ने भी इस चर्चा में भाग लिया।

ARBiT it happens here...

World Heritage Day: Preserving the Legacy of Humanity

Celebrated on April 18, World Heritage Day, also known as the International Day for Monuments and Sites, underscores the importance of safeguarding cultural and natural heritage across the globe. The day promotes awareness about the diversity of heritage sites and the need to protect them from threats such as urbanisation, climate change, and neglect. From ancient monuments to ecological landscapes, these sites reflect shared human history and identity. Governments, conservationists, and local communities come together to encourage sustainable preservation practices, ensuring that future generations can experience and learn from these invaluable treasures.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
18 April 2026
A-B

#RARE

The World's Top 5 Most Expensive Flowers

Rare, difficult to cultivate and impossible to commercialise, valued at thousands or even millions of dollars

Flowers have long symbolized beauty, love, and luxury. While many flowers are easily available and affordable, some are extraordinarily rare, difficult to cultivate, or impossible to commercialize. These factors make certain flowers incredibly expensive, sometimes valued at thousands or even millions of dollars. Below are five of the most expensive flowers in the world, each prized for its rarity, uniqueness, or cultural significance.

Juliet Rose

The Juliet Rose is often regarded as the most expensive rose ever developed. Created by renowned rose breeder David Austin, this peach-coloured rose took over 15 years of research and cultivation to perfect. The cost of developing the Juliet Rose is estimated at around 15 million USD. Its soft apricot petals and perfect rosette shape make it a favourite in luxury weddings and high-end floral arrangements.

Shenzhen Nongke Orchid

The Shenzhen Nongke Orchid is the most expensive flower ever sold. Developed by agricultural scientists at Shenzhen Nongke University in China, this orchid took eight years of careful research to cultivate. Unlike naturally occurring orchids, it is a man-made hybrid designed for ideal fragrance, form, and symmetry. In 2005, a single plant was auctioned for approximately 1.68 million USD, making it a symbol of scientific achievement and elite luxury.

Gold of Kinabalu Orchid

Native to Mount Kinabalu in Malaysia, the Gold of Kinabalu Orchid is one of the rarest orchids in the world. It takes up to 15 years to bloom and grows only under very specific climatic conditions. Due to its slow growth and limited habitat, a single stem can cost several thousand dollars. Its striking striped petals and green-and-burgundy colouration add to its allure.

Saffron Crocus

The Saffron Crocus is famous not for its appearance alone but for what it produces, saffron, the world's most expensive spice. Each flower yields only three red stigmas, which must be harvested by hand. It takes approximately 75,000 flowers to produce one pound of saffron, making the process extremely labour-intensive. As a result, saffron can cost thousands of dollars per kilogram, making the crocus itself one of the most valuable flowers globally.

Kadupul Flower

The Kadupul Flower, native to Sri Lanka, is unique because it is priceless rather than expensive. The flower blooms only at night and wilts before dawn, making it impossible to harvest or sell. Known as the 'Queen of the Night,' it has a delicate white appearance and a powerful fragrance. Its rarity, short lifespan, and cultural reverence give it immense value beyond money.

Conclusion

The most expensive flowers in the world derive their value from rarity, scientific innovation, labour-intensive cultivation, or fleeting beauty. From the carefully engineered Shenzhen Nongke Orchid to the untradeable Kadupul Flower, these blooms remind us that nature, and human dedication to it, can produce treasures far beyond ordinary price tags. Together, they represent the ultimate blend of beauty, patience, and exclusivity in the floral world.

Beating the Tropics With Boots

PART:2

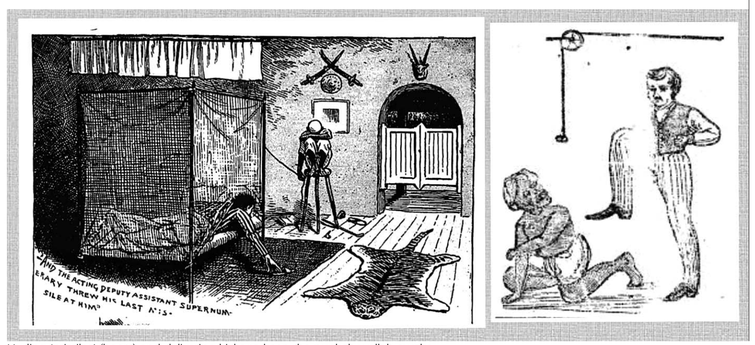

Hurling 'missiles' (boots) and delivering kicks to keep the punkah wallah awake.

The architectural banishment to a location outside the master's immediate view had already relegated the punkah wallah to a nameless, faceless object that could be interacted with entirely impersonally without much of the affective entanglement that could possibly arise in the course of domestic work with other servants. George Atkinson thus wrote quite nonchalantly about the resources that had to be kept at hand to be used as 'missiles' targeted at the punkah wallah to keep him enjoined to his duties, a few boots, slippers, a racquet, even a chair. The punkah wallah could also be brought closer and placed on a high stool supposing that he might tumble off it in his sleep. And if all of this did not serve to keep him awake, there was obviously the option of a direct personal assault, kicks and punches, often hurled repeatedly.

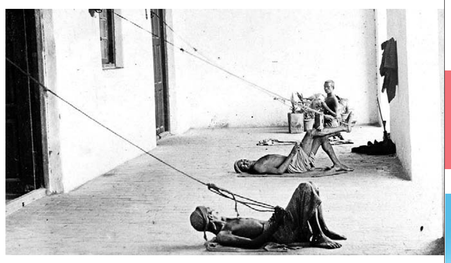

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Meanwhile, characteristically uneven legal-contractual forms favouring masters and imposing fixed wages and penal sanctions on servants (like Regulation VII of 1819) were introduced in the whole of Bengal presidency to specifically target domestics. Taken together, the introduction of such fixtures by the Company state in early-colonial cities describes the second key development that contributed to the making of the punkah as a possible necessity of European life in India.

Following the intensification of such state measures, servants' complaints about punkah-pulling seem to disappear from European accounts from around the third decade of the nineteenth century. The punkah also starts being used for gradually expanding durations of the day and night. The state-enabled subjection of service labour also allowed the punkah to surpass other kinds of artificial remedy like ventilators, thermantidotes, and ice-making machines in becoming the most preferred and affordable modality of dealing with 'tropical' heat. Further, manual punkah-pulling proved a more economic option compared to automated forms of the device that had already come into existence, for instance, in sovereign Awadh, where palace punkahs were driven entirely by steam since 1819.

With the punkah becoming an absolute necessity of European life by the middle decades of the nineteenth century, the creation of a separate profession of punkah wallahs or punkah coolies entirely dedicated to the task of punkah-pulling became imminent. This profession emerged in both private (household) and public (offices, barracks) sites.

The continuous use of the punkah and punkah coolies became particularly significant in army barracks of European soldiers since the 1840s, when their health became a pressing problem for the colonial government. In private households, the day and night use of the punkah involved a further recasting of working conditions from early decades of the nineteenth century. With the nocturnal extension of punkah-pulling, the puller was suddenly in certain places at certain times beyond stipulated entry. This did not necessarily sit well with European sensibilities that sought out privacy from these "half naked wretches" who did not attain the liveried status of higher servants. The puller of the punkah was thus architecturally resituated to a position outside the immediate view of the master, possibly in a verandah space or even outside the immediate confines of the concerned building where the rope end of the punkah reached him through a hole in the wall. Being thus extramurally confined to relative invisibility as well as somewhat sequestered from the domain of servant's sociability, the puller of the punkah became a liminal relation to the world of household work.

The demand for punkah labour grew remarkably over the second half of the nineteenth century. In Calcutta, this was met by steady streams of relatively lower caste migrant populations, like Kahars, Rajwars, Dusadhs from Bihar and eastern United Provinces, certain Muslim communities from Bengal districts and Gwalas from Orissa, assembling in the city every 'hot weather' season (usually between March and October).

In some ways, the liminal status of the punkah wallah afforded an opportunity to him (and in rare cases, her) to seek out employment independently of the control of a singular household and beyond the usual mediation of higher servants like 'sirdar-bearers' who oversaw the running of any such household chore. This opportunity was availed throughout this period by the migrant punkah workers who maintained separate schedules of work across various employment sites over different periods of the day. An 1886 description of the enterprise of punkah-pulling in Calcutta thus stated it to be common practice that 'large bodies of men' worked at the offices during the day and then proceeded 'to the humble homes…to add to their earnings by hauling for the further period of eight hours at the end of a rope.'

European householders did not take very favourably to this relative loss of control that they suffered by virtue of punkah wallahs using their time flexibly. Their angst focussed on these servants tiring at their jobs, and allegedly dozing off from time to time. The wealthier amongst them tried to incentivize their punkah wallahs to take rest over the day so that they could stay

#THE PUNKAH

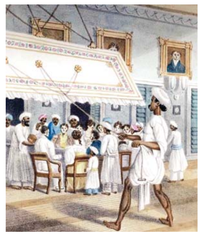

awake during their night duties. More often than not, this did not work as the very meagre incentives against rather stagnant wage levels were never really enough. The less well-off Europeans tried to compel their other servants to fill in for the missing or slacking punkah labour. But these servants had also developed their own caste and status-based restrictions against working alongside what they perceived were the 'lower'-in-status punkah wallahs who came in from outside the household.

In the colonial army, a similar refusal by existing regimental followers developed around the same period which saw the work of punkah-pulling slide down a caste-oriented order of menialisation. The situation in the barracks was even more complicated by the fact that the employment of punkah coolies came to be deeply mired in a corrupt system created by the collaboration of native contractors and lower order military officers. This typically involved employing lesser numbers of or less able coolies at cheaper rates for accomplishing the rather laborious task of pulling scores of punkahs. The resulting surplus generated against the yearly endowment for punkah-pulling was siphoned off by the interested parties. Moreover, awkward modes of labour-saving 'innovations' in the barracks ended up assigning sets of ten or more punkahs to each coolie that were often too heavy to be operated consistently by any single puller. It was little wonder then that barrack punkahs too slowed down frequently to interrupt the sleep of the European soldier.

The enterprise of punkah-pulling thus hardly ever functioned satisfactorily. And the brunt of this dissatisfaction, unsurprisingly, was borne by the lowly-paid, casualised and overburdened punkah wallahs. Consequently, the liminality of punkah wallahs also became a source of repeated ordeals, ordeals that invariably amounted to regular acts of violence.

The architectural banishment to a location outside the master's immediate view had already relegated the punkah wallah to a nameless, faceless object that could be interacted with entirely impersonally without much of the affective entanglement that could possibly arise in the course of domestic work with other servants. George Atkinson thus wrote quite nonchalantly about the resources that had to be kept at hand to be used as 'missiles' targeted at the punkah wallah to keep him enjoined to his duties, a few boots, slippers, a racquet, even a chair. The punkah wallah could also be brought closer and placed on a high stool supposing that he might tumble off it in his sleep. And if all of this did not serve to keep him awake, there was obviously the option of a direct personal assault, kicks and punches, often hurled repeatedly.

As the legal threat of penal sanction for 'insolent' domestic servants came to be overruled by the 1860s, the direct dealing (in racial violence) between the European master and his night punkah wallahs became more common. But this, of course, hardly contributed to making the European's sleep any more peaceful. One master thus wrote of 'rising six times in the night to kick his punkah-bearer awake' and in the process submitting to 'a life of compulsory hypochondria and inevitable valetudinarianism.'

In the last three decades of the nineteenth century, more instances started being reported in the native press of fatal injuries sustained by these servants leading to deaths in several cases. An obvious example could be that of Mr. Fox, the Assistant Station-master of Tundla, accused of delivering a fatal blow leading to the death of his 'punkah coolie' Tulsia in August, 1879. This kind of fatal violence came to increasingly raise issues of legitimacy for the highest orders of the colonial state. But the colonial judicial establishment effectively decriminalized much of this racist violence as a contingent outcome of the lazy labour of the deceased victim. The Allahabad High Court thus overruled any possibility of murder or 'culpable homicide' in the Tundla case, deciding that there was neither premeditation nor 'reckless vindictiveness' that motivated Fox, for whom it was only quite natural to react in the way he did when the punkah slacked.

In the three odd decades following this incident, twenty-one cases were reported from army barracks where punkah coolies died from violent acts of European soldiers. Similar judicial arguments were adopted in almost all of these cases that actually went to trial. Some such cases did not even go to trial since military authorities covered up by declaring the fatalities as 'accidents' or by citing an inability to detect the perpetrator. Colonisers' sleep was more important than colonized lives.

The punkah wallah as a fantasy object

Colonial officials not infrequently admitted that the slacking of punkah coolies could be an expected outcome of the rather trying conditions within which they carried out their laborious duties in the barracks. By the end of the nineteenth century, the colonial administration under Curzon tried to seek out mechanized alternatives.

The mechanization projects were also urged by masters who felt harangued by repeated oppositional action like court cases. A momentous strike in 1898 by punkah wallahs, looking for better working conditions and higher wages, aggravated this demand. This was also a timely opportunity for the promoters of the new energy form that was electricity, to propose their own automated alternatives, some of which eventually went on to successfully replace the punkah in a slow transition over the years to come.

But why didn't earlier mechanized alternatives affect this substitution, given the constantly discussed obsolescence of the punkah wallah and the barely mechanical device he pulled? A provisional exploration of this question could lead us to the multiple parables of fantasy that were spun about the punkah wallah, parables that remained united in spirit with the early nineteenth century views of the likes of James Johnson. The later manifestations of a Johnson-like imagination had at their core the possible myth of the sleeping punkah-puller that referred to the distinctive ability 'of a small specimen of Asian humanity' to pull the punkah while fast asleep.

Even as European masters vented their frustration against the interruptions caused to their sleep by the slacking motion of the punkah, the punkah wallah continued to shoulder the immense burden of supposedly being innately capable of dragging at the end of a rope throughout his sleep. This mythology was scripted through popular travel writing, scientific accounts as well as photographic performances captured on quaint postcards that sold this wishful thinking to an imperial public. Similar to the myth of the sleeping punkah puller was another figment of imagination that could be referred to as the 'jerk' theory, this theory assigned to the puller of the punkah another unique ability, to render a 'jerk' to his pull of the punkah rope that was difficult for any machine to replicate. While rejected by learned engineering authorities, this theory too sustained for an inordinately long time, serving to discourage an automated transition to a 'self-acting punkah.'

Taken together, such ideological work of rendering punkah wallahs into peculiar anthropological fantasies possibly had an apposite dialectical pairing with the narrative of their obvious obsolescence throughout the nineteenth century. But it did not really make their working lives any more valuable or secure. Punkah wallahs continued to tire at their very demanding regimes of work, and for their masters, beating them up continued to figure as the sole way of beating the 'tropical' Indian heat.

The Transition to Electric Punkahs

By the late 19th and early 20th centuries, the development of electricity brought about a new era for the punkah. The electric fan, or electric punkah, was introduced as an alternative to the manual and steam-powered versions. This innovation made it easier to cool spaces without the need for a punkahwalla, and electric fans quickly became commonplace in homes, offices, and public buildings.

Legacy of the Punkah

The punkah, in its various forms, played a significant role in colonial life, and its influence can still be seen in the modern ceiling fans that are commonplace today. From its Persian origins to its transformation in colonial India, the punkah was a vital tool for providing relief from the oppressive heat in tropical climates. It also became a symbol of British colonial comfort and, sadly, the exploitation of local labour.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SYMBOLS

The Truth Of The Rings And The Flame

The Olympic Rings and Flame: Symbols of Unity, Tradition, and Global Spirit

The Olympic Games are not just a celebration of sport, they are a powerful expression of global unity, resilience, and shared human values. Central to this grand spectacle are two iconic symbols that have become inseparable from the identity of the Games: the Olympic Rings and the Olympic Flame. Though instantly recognizable, their origins and meanings are often misunderstood or overlooked. In truth, these symbols carry deep historical roots and reflect ideals that go far beyond athletic competition.

The Olympic Rings were introduced in 1913 by Pierre de Coubertin, the founder of the modern Olympic Games. His vision was to create a symbol that would represent the universality of the Olympic movement. The five interlocked rings, coloured blue, yellow, black, green, and red, were set against a white background. Coubertin chose these specific colours because, at the time, every national flag in the world contained at least one of them. The rings themselves stand for the five inhabited continents of the world: Africa, the Americas, Asia, Europe, and Oceania. Their interlocking nature signifies the coming together of athletes from all corners of the globe in a spirit of friendly competition and mutual respect.

Contrary to popular belief, there is no official assignment of a specific colour to a specific continent. The rings were never meant to be interpreted that way. Instead, they are a visual expression of the Olympic ideal, that despite differences in race, nationality, or background, humanity can unite through sport. The rings made their first official appearance at the 1920 Olympic Games in Antwerp and have since become a permanent and powerful emblem of the Games.

Equally symbolic and steeped in history is the Olympic Flame, which has its roots in ancient Greece. In the original Olympic Games held in Olympia, a sacred flame was kept burning throughout the event in honour of Zeus, the king of the Greek gods. This fire, drawn from the altar of Hestia, represented purity, sacrifice, and the continuity of life.

The modern incarnation of the Olympic Flame was first introduced at the 1928 Amsterdam Olympics. However, it wasn't until the 1936 Berlin Games that the tradition of the Olympic Torch Relay began. This modern ritual starts in Olympia, Greece, where the flame is ignited using the rays of the sun, harnessed through a parabolic mirror. From there, the flame is carried across countries, cities, and continents by thousands of torchbearers before finally arriving at the host city's stadium. The lighting of the Olympic cauldron during the opening ceremony marks the official beginning of the Games and is one of the most emotionally powerful moments of the event.

The Olympic Flame symbolizes much more than a ceremonial tradition. It represents purity of competition, the light of knowledge and life, and the enduring spirit of perseverance. It is a reminder that the Games are not just about medals and records, but about inspiring hope, unity, and peace among nations. The torch relay, in particular, connects the ancient with the modern, symbolically linking the birthplace of the Olympics with the host nation, and reminding the world of our shared history and common future.

Together, the Olympic Rings and the Olympic Flame embody the heart and soul of the Games. They are more than symbols; they are living expressions of the Olympic values, excellence, friendship, and respect. They stand for a vision of a world where people of all nations can come together, compete with integrity, and celebrate the best of human potential.

As the Olympic movement continues to evolve, these symbols endure, lighting the way for new generations of athletes and spectators alike. They remind us that while countries may compete on the field, the greater goal is unity, an aspiration as timeless and enduring as the flame itself.

THE WALL

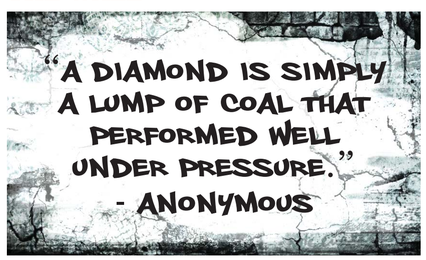

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

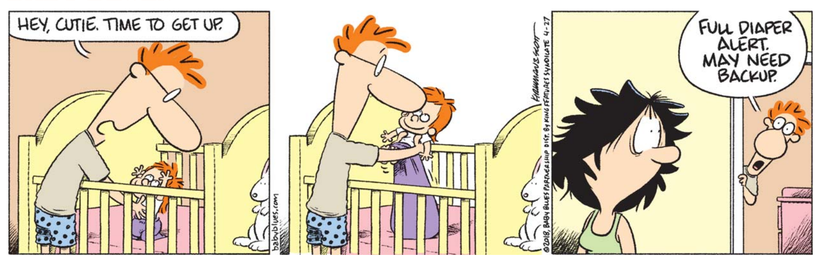

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

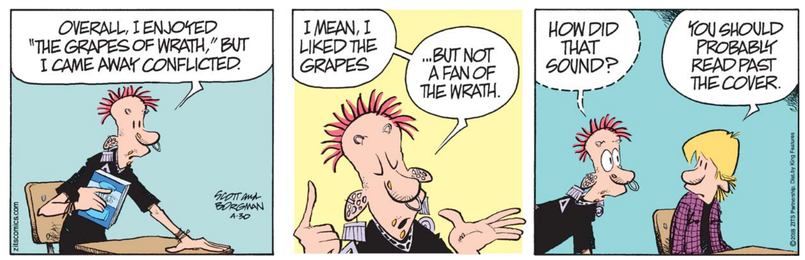

एटीएस ने फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया

भादरा में नगर पालिका के पास अवैध आधार कार्ड बनाने का सेंटर खोल रखा था

हनुमानगढ़, (निसं)। एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने शुक्रवार शाम को फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। गिरोह ने दूसरों की आईडी का इस्तेमाल करके अवैध आधार कार्ड सेंटर खोला था। एटीएस को मौके से सैकड़ों एनरोलमेंट रसीदें और हाईटेक उपकरण मिले हैं। एटीएस ने फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है।

एडीजी (एटीएस एंव एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने बताया कि फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने के मामले में मास्टरमाइंड कुलदीप शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। भादरा (हनुमानगढ़) में नगर पालिका के पास एक अवैध आधार कार्ड बनाने का सेंटर खोल रखा था। एटीएस के एएसआई कुलवीर सिंह और हेड कॉन्स्टेबल सुरेश कुमार को इस बारे में जानकारी मिली थी। एटीएस टीम ने भादरा पुलिस की मदद से संयुक्त कार्रवाई करते हुए आधार कार्ड सेंटर पर छापा मारा। एटीएस ने आधार सेंटर पर मौजूद आरोपी कुलदीप शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान सैकड़ों एनरोलमेंट रसीदें और हाईटेक उपकरण जब्त किए गए। एटीएस के सेंटर पर दबिश देने पर चौंकाने वाला नज़ारा देखने को मिला। मास्टरमाइंड कुलदीप शर्मा, जसवंत और आमिर खां की ऑपरेटर आईडी का अवैध इस्तेमाल करता मिला। मौके से लाल और सफेद रंग के रबर पर बने डमी फिंगरप्रिंट मिले, जिनका इस्तेमाल लॉगिन के लिए किया जाता था। आरोपी ने कागज़ पर आंखों की रेटिना की फोटो प्रतियां रखी हुई थी, जिन्हें आईरिस डिवाइस के सामने रखकर बायोमेट्रिक सिस्टम को चकमा दिया जाता था। एनरोलमेंट रसीदों पर जसवंत और आमिर खां के फर्जी हस्ताक्षर भी आरोपी कुलदीप शर्मा खुद कर रहा था।

गिरफ्तार आरोपी कुलदीप शर्मा।

- फर्जी अंगूठे और रेटिना से बनाए जाते थे आधार कार्ड, मास्टरमाइंड को पकड़ा
- एटीएस को मौके से सैकड़ों एनरोलमेंट रसीदें और हाईटेक उपकरण मिले

पुलिस और एटीएस की इस जांच में सामने आया कि इस तरह फर्जी तरीके से बनाए गए आधार कार्ड का इस्तेमाल राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, फर्जी सिम कार्ड जारी करवाने और साइबर क्राइम के लिए फर्जी बैंक अकाउंट खुलवाने में किया जा सकता था। टीम ने मौके से एक लैपटॉप, प्रिंटर, आईरिस डिवाइस, पाम फिंगरप्रिंट डिवाइस, जीपीएस डिवाइस, फिंगरप्रिंट डाई, कैमरा बरामद किया। आरोपी कुलदीप का मोबाइल जब्त किया है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी कुलदीप शर्मा से एटीएस और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में उन लोगों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिन्होंने इस फर्जीवाड़े के ज़रिए आधार कार्ड बनवाए हैं। भादरा पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह के तार किसी अंतरराज्यीय नेटवर्क या संगठित साइबर अपराधियों से जुड़े हुए हैं। आरोपी के मोबाइल और लैपटॉप के डेटा का फोरेंसिक विश्लेषण किया जा रहा है ताकि पिछले रिकॉर्ड्स खंगाले जा सके।

बीएड डिग्री के प्रति विद्यार्थियों का घटता रुझान चिंता का विषय

- बीएड के बजाय दो वर्षीय डीएलएड पाठ्यक्रम में अभ्यर्थियों का रुझान अधिक है, प्रदेश के 377 डीएलएड कॉलेजों की 25 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए 20 मई को होने वाली प्री-डीएलएड परीक्षा में लगभग 6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है

बीकानेर, (निसं)। बीएड डिग्री के प्रति विद्यार्थियों का रुझान कम हो रहा है। नए सत्र के बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने 20 मार्च से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की है। लेकिन 16 अप्रैल तक सिर्फ 79 हजार अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किया है। अंतिम तिथि में अब सिर्फ चार दिन बचे हैं, लेकिन आवेदनों की संख्या में इजाफा नहीं हो रहा है।

प्रदेश के लगभग 944 बीएड कॉलेज में 2 वर्षीय पाठ्यक्रम की लगभग 1.07 लाख सीटें हैं। राज्य में पिछले पांच साल में 5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने बीएड कोर्स की डिग्री हासिल की है इसमें से नौकरी सिर्फ 38965 अभ्यर्थियों को ही मिल पाई है। दरअसल, हर साल जितने अभ्यर्थी बीएड कर रहे हैं उसके मुकाबले भर्तियां नहीं निकल रही हैं। वहीं, भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में भी एक से दो साल लग रहे हैं। यही कारण है कि अब अभ्यर्थी बीएड की बजाय अन्य कोर्स को तवज्जो देने लगे हैं। हालात यह है कि प्रदेश में पहले से ही 12 लाख से अधिक बीएड किए हुए छात्र सरकारी नौकरी की राह देख रहे हैं।

प्रदेश में पिछले कुछ सालों का रिकॉर्ड देखें तो शिक्षक भर्तियां समय पर नहीं हो रही हैं। भर्ती परीक्षा होने के बाद रिजल्ट तथा नियुक्ति प्रक्रिया में भी एक साल से अधिक का समय लग रहा है। यही कारण है कि नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी राज्य के स्कूलों में सेकंड ग्रेड के 40 हजार और व्याख्याता के करीब 20 हजार पद वर्तमान में खाली हैं। बीएड के बजाय दो वर्षीय डीएलएड पाठ्यक्रम में अभ्यर्थियों का रुझान अधिक है। प्रदेश के 377 डीएलएड कॉलेजों की 25 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए 20 मई को होने वाली प्री-डीएलएड परीक्षा में लगभग 6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी एक सीट पर 24 आवेदन। जबकि बीएड में 1.07 लाख सीटों की तुलना में अभी सिर्फ 79 हजार आवेदन हुए हैं।

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के तहत लेवल सेकंड के पदों पर पिछली भर्ती में सिर्फ 2123 पद ही दिए गए। पिछले 10 वर्ष के इतिहास में यह सबसे कम पदों की भर्ती है। जबकि इस भर्ती में शामिल होने के लिए 7 लाख से अधिक अभ्यर्थियों में आवेदन किया था। यह भर्ती फिलहाल प्रक्रिया में है। वहीं दूसरी ओर शिक्षा विभाग में पिछले 6 सालों से तृतीय श्रेणी से सेकंड ग्रेड पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया न्यायालय वाद के कारण अटकी हुई है। इस वजह से नई भर्ती में भी पद कम मिल रहे हैं।

अशोक चौधरी, संरक्षक, राजस्थान बेरोजगार यूनियन का कहना है कि बीएड में विद्यार्थियों का घटता रुझान चिंता का विषय है। सरकार को सभी सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों पर नियमित और पर्याप्त भर्तियां निकालनी चाहिए। साथ ही निजी स्कूलों में शिक्षकों के लिए उचित वेतन सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है।

बांसवाड़ा : एल्युमिनियम तार चोरी के मामले का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। आंबापुरा थाना पुलिस ने बिजली लाइन के लगभग पांच लाख रूपये के एल्युमिनियम तार चोरी करने के प्रकरण का खुलासा कर चौकीदार सहित दो जनों को गिरफ्तार किया है। वहीं एल्युमिनियम तार बरामद कर घटना में प्रयुक्त वाहन जब्त किया।

थानाधिकारी निर्भय सिंह राणावत ने बताया कि 12 अप्रैल को प्रार्थी राजकुमार सिंह पुत्र पर्वत सिंह राठौड़ निवासी उमरड़ा जिला उदयपुर ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि वह मैं. सांवरिया ईनटर प्राईजेज उमरणा सेमड़ का नेतृत्वकर्ता है एवं भारत सरकार द्वारा संचालित आरडीएसएस योजना के तहत एवीवीएनएल बांसवाड़ा के वीरपुर जीएसएस से जल्दा फीडर तक विद्युत लाइन जोड़ने का कार्य उसकी फर्म द्वारा किया जा रहा है। कार्य के दौरान सामान की निगरानी एवं देखरेख के लिये बसंत सिंह पुत्र सोहनसिंह निवासी उण्डीथल थाना गोगुन्दा को चौकीदार रखा था। सारा सामान व संसाधन वीरपुर में कांतिलाल पटेल निवासी वीरपुर के बाड़े में रखते थे। गत 29 मार्च को शाम 7 बजे चौकीदार बसंत सिंह बाड़े में रखे हुए दो ड्रम विजल तार के व अन्य उपयोगी सामान हमारे ही ट्रैक्टर में भरकर चोरी कर ले गया। बाद में ट्रैक्टर को आबापुरा इंडियन पेट्रोल पंप पर खड़ा करके चला गया। प्रार्थी ने इधर-उधर तलाश की तो ट्रेक्टर पेट्रोल पंप पर खडा मिला लेकिन दो ड्रम तार के व अन्य उपयोगी सामान नहीं मिला जो चौकीदार कर ले गया है।

इस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। थानाधिकारी राणावत के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आसूचना तंत्र को मजबूत कर मुखबीरों का जाल बिछाकर अभियुक्त बसन्त सिंह उर्फ वसन्त सिंह उर्फ पिन्टु पुत्र सोहन सिंह निवासी पलेवाघाटी उण्डीथल थाना गोगुन्दा जिला उदयपुर की तलाश कर डिटेन किया। पूछताछ में आरोपी बसंत सिंह ने घटना कारित करना स्वीकार करते हुए माल मुनिमसिंह उर्फ मुन्ना पुत्र जयफुल मीणा निवासी घुमना थाना मानपुर जिला दौसा को बेचना बताया। जिस पर पुलिस टीम ने अभियुक्त मुनिम सिंह की तलाश कर पूछताछ की तो उसने अभियुक्त बसंत सिंह से माल खरीदना स्वीकार किया। जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पीसी रिमांड प्राप्त कर अभियुक्तों से घटनास्थल की तस्दीक कराई एवं एक टन 80 किलोग्राम एल्युमिनियम के तार बरामद कर घटना में प्रयुक्त चौपहिया वाहन जब्त किया।

पुलिस ने एल्युमिनियम तार बरामद कर घटना में प्रयुक्त वाहन जब्त किया।

अजमेर के ग्राम खोड़ा बुबानी में अवैध खनन के खिलाफ लोगों में आक्रोश

- ग्रामीणों ने एसपी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है
- ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विरोध करने के बावजूद खनन माफिया अपनी गतिविधियां बंद नहीं कर रहे हैं

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के ग्राम खोड़ा बुबानी के सैकड़ों ग्रामीणों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अवैध खनन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है।

ज्ञापन देने पहुंचे ग्रामीणों ने मीडिया को कुछ वीडियो भी उपलब्ध कराए हैं। इन वीडियो में कथित रूप से अवैध खनन करते हुए जेसीबी और डंपरों को ग्रामीणों द्वारा खदेड़ते हुए देखा जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विरोध करने के बावजूद खनन माफिया अपनी गतिविधियां बंद नहीं कर रहे हैं। महेन्द्र सिंह रावत सहित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अवैध खनन करने वाले लोगों ने अरावली क्षेत्र को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। उनका कहना है कि पहाड़ियों को इस हद तक खोदा जा चुका है कि वे अब खत्म होने के कगार पर पहुंच गई हैं। इससे पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है और स्थानीय लोगों में भय और अशांति का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि खोड़ा गणेश मंदिर जाने वाले मार्ग की हालत बेहद खराब हो चुकी है। हर बुधवार और रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन अवैध खनन से जुड़े ओवरलोड डंपरों के कारण सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। तेज रफ्तार से दौड़ते ये डंपर दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए खतरा बन गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। ग्रामीणों ने शिकायत की है कि सड़क किनारे बने मकानों पर लगातार धूल-मिट्टी जम रही है। इससे न केवल जीवन-यापन प्रभावित हो रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की।

भिवाड़ी : वेतन वृद्धि सहित कई मांगों को लेकर श्रमिकों का आंदोलन जारी

- श्रमिकों ने 8 घंटे की ड्यूटी के लिए कम से कम 20 हजार रुपए मासिक वेतन की मांग की

अलवर, (निसं)। औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी में वृद्धि की मांग पर श्रमिकों का आंदोलन जारी है। वेतन वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण भोजन, ओवरटाइम बढ़ोतरी और बेहतर व्यवहार सहित विभिन्न मांगों को लेकर बीते 20 दिनों से जारी यह प्रदर्शन अब पूरे औद्योगिक क्षेत्र में फैलता जा रहा है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह सात बजे की शिफ्ट में कंपनी की कहरानी स्थित दूसरी यूनिट में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। श्रमिकों ने अंदर प्रवेश नहीं किया और गेट पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। भिवाड़ी थाना अधिकारी सचिन शर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, महिला और पुरुष श्रमिक वेतन वृद्धि, बेहतर भोजन और प्रबंधन के कथित बुरे बर्ताव के विरोध में अपने धरने पर डटे रहे। श्रमिकों ने उन्होंने 8 घंटे की ड्यूटी के लिए कम से कम 20 हजार रुपए मासिक वेतन की मांग की है और चेतावनी दी है कि मांगें न माने जाने पर वे कंपनी छोडक़र अपने गांव लौट जाएंगे। इसी तरह, चौपनकी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित दीपक हाउस वेयर कंपनी में भी करीब 400 से अधिक श्रमिक धरने पर बैठे हैं। यहां भी श्रमिक वेतन वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण भोजन, प्रबंधन का अच्छा व्यवहार और बोनस में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में लगभग 12 कंपनियों में ऐसे प्रदर्शन हो चुके हैं। कुछ कंपनियों में प्रबंधन ने मांगें मान ली है, जिससे प्रदर्शन शांत हो गए, लेकिन वेतन वृद्धि की मुख्य मांग अब पूरे औद्योगिक क्षेत्र में फैल रही है। इधर अचानक बढ़े विरोध को देखते हुए गुरुवार को जयपुर से लेबर सेक्रेटरी भिवाड़ी पहुंचे थे। उन्होंने उद्योगपतियों, जिला कलेक्टर और एसपी के साथ बैठक की और 10-15 दिनों में सरकार की ओर से ठोस निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर दिगंत आनंद के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत थानाधिकारी थाना हलैना द्वारा अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करते हुए पाये जाने पर आरोपी यज्ञेश्वर उर्फ जग्गा पुत्र गुजरमल जाति गुर्जर निवासी पीपलखेडा थाना बालाहेडी जिला दौसा को गिरफ्तार कर 7 ग्राम 20 मिलीग्राम स्मैक, दो मोबाईल तथा व बाइक को जप्त किया गया है। घटना 16 अप्रैल को एनएच 21 पर नाकाबंदी के दौरान एक बाईक सवार व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस को वावर्दी देख भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस जाप्ता की मदद से उक्त व्यक्ति को रोका और चैक किया गया तो उसके कब्जे से मादक पदार्थ स्मैक मिला।

लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश, महिला सहित पांच गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। उदेई मोड़ थाना पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह की मुख्य महिला आरोपी सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग शादी का झांसा देकर लोगों से ठगी की वारदातों को अंजाम देती थी।

थानाधिकारी बृजेश सिंह तंवर ने बताया कि पीड़ित योगेश अग्रवाल निवासी कर्मचारी कॉलोनी, गंगापुर सिटी ने कोर्ट के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने शादी के लिए ऑनलाइन माध्यम से संपर्क किया और निर्धारित प्रक्रिया के तहत पैसे जमा कराए। इसके बाद 23 जनवरी को अग्रवाल धर्मशाला में हिंदू रीति-रिवाज से उनकी शादी रानी देवी नामक महिला से कराई गई। शादी के महज छह दिन बाद 29 जनवरी की रात को आरोपी महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर परिवादी और उसके परिवार को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद वे घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। इस घटना में करीब 1 लाख 95 हजार रुपए की ठगी की गई थी। उदेई मोड़ थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच अधिकारी जवर सिंह ने गवाहों के बयान दर्ज किए और जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई थी, उनका रिकॉर्ड और स्टेटमेंट खंगाला। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे, जिससे उनकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बन गई थी। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में दबिश देकर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

फरार इनामी तस्कर एमपी से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गांजा तस्करी के मामले में फरार चल रहे 15 हजार के इनामी तस्कर को शहर पुलिस टीम ने मध्यप्रदेश के आगर से गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 3 सितम्बर 2025 को थानाधिकारी रानपुर को मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक कार पुलिस की नाकाबंदी को देखकर वापस झालावाड़ की ओर रॉंग साईड जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर गई तो झालावाड़ रोड पर एक कार खड़ी हुई मिली जिसका पीछे का टॉयर फटा हुआ मिला एवं मौके से चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो कार में से 28 किलो गांजा बरामद हुआ। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर दबिश दी। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस को आरोपी की आगर मध्यप्रदेश में होने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस टीम को मध्यप्रदेश के लिये रवाना किया गया, टीम ने कार्यवाही करते हुए फरार आरोपी किलोना निवासी सुनील राव को बस स्टैंड आगर मध्यप्रदेश से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

दामाद ने सास को सरिये से पीटा

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कराने से नाराज एक दामाद ने अपनी सास और पत्नी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी कश्यप सिंह ने बताया कि बिग्गाबास निवासी सरबती देवी पत्नी धर्मनाथ सिद्ध ने अपने दामाद रतननाथ उर्फ रामरतन पुत्र सहीनाथ सिद्ध, निवासी लिखमादेसर (हाल जैसलसर रोही) के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पीड़िता के अनुसार, 15 अप्रैल की शाम करीब 6:15 बजे वह अपने घर के सामने स्थित बाड़े में गाय का काम कर अपनी बेटी के साथ वापस लौट रही थी। इसी दौरान आरोपी अचानक हाथ में लोहे का सरिया लेकर आया और उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में सरबती देवी और उनकी बेटी को चोटें आई हैं। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने उन्हें धमकी दी कि यदि दहेज का मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद पीड़िता ने श्रीडूंगरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

समदड़ी-मोदरान के बीच 110 की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

- उत्तर-पश्चिम रेलवे ने रेल संचालन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे ने रेल संचालन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जोधपुर मंडल के समदड़ी-मोदरान रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम गति 100 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी है। इस महत्वपूर्ण अपठोड से अब इस रूट पर रेल यात्रा पहले की तुलना में अधिक तेज, आरामदायक और समयबद्ध हो सकेगी।

जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड के अंतर्गत समदड़ी से मोदरान तक (किमी 0.00 से 93.690) इस गति वृद्धि को लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि रेलवे द्वारा किए गए व्यापक तकनीकी सुधारों का परिणाम है, जिसमें आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की स्थापना, ट्रैक का सुदृढ़ीकरण, विद्युतीकरण कार्य और अन्य आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड शामिल हैं। इस प्रक्रिया के दौरान रेलखंड पर विभिन्न स्थानों पर लागू अस्थाई एवं स्थाई गति प्रतिबंधों को भी हटाया गया है, जिससे अब ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारू और निर्बाध रूप से संभव हो सकेगा। इसके साथ ही नई तकनीक से लैस अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली के कारण न केवल ट्रेनों की मूवमेंट अधिक व्यवस्थित हुई है, बल्कि संचालन की विश्वसनीयता और संरक्षा मानकों में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

डीआरएम के अनुसार, ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार और नियमित मेंटेनेंस के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया है। यही कारण है कि इस रेलखंड पर गति बढ़ाने के बावजूद सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है। डीआरएम के अनुसार इस स्पीड अपग्रेड का सबसे बड़ा लाभ यात्रियों को मिलेगा। ट्रेनों की गति बढ़ने से यात्रा समय में कमी आएगी, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक कम समय में पहुंचने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही ट्रेन संचालन में समयपालन में भी सुधार होगा, जिससे यात्रियों को अनावश्यक देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सफर के दौरान बेहतर ट्रैक और उन्नत तकनीक के कारण झटकों में कमी आएगी और यात्रा अनुभव अधिक आरामदायक बनेगा।

गति बढ़ने के साथ ही इस रेलखंड की लाइन क्षमता में भी वृद्धि हुई है, जिससे एक निश्चित समयावधि में अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा। इससे न केवल यात्री ट्रेनों बल्कि मालगाड़ियों के संचालन को भी गति मिलेगी। रेलवे विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अजमेर के चांदमा गांव में दलित परिवार पर दबंगों का हमला, युवक का कान काटा

अजमेर, (कासं)। सराणा थाना क्षेत्र के चांदमा गांव में खेत से बबूल काटने को लेकर विवाद ने गंभीर रूप ले लिया, जिसमें दलित परिवार पर जानलेवा हमला किया गया। घटना में एक युवक का कान काट दिया गया तथा परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हो गए।

पीड़ित हरिराम ने बताया कि गांव के कुछ दबंगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया। हमले के दौरान उसका कान काट दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने जातिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि दलितों को कान में बाली पहनने का अधिकार नहीं है। इस हमले में रामराज सहित रणजीत, ओमप्रकाश और घनश्याम भी घायल हुए हैं। घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमलावरों ने एक विकलांग महिला को भी नहीं बख्शा और घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। इस घटना को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष सौरभ यादव ने अपनी टीम के साथ पुलिस अधीक्षक और जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि गत 13 अप्रैल को गांव में रामचंद्र, सज्जन और प्रहलाद ने खेत से बबूल काटने के विवाद में इस वारदात को अंजाम दिया।

घटना को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष सौरभ यादव आदि एसपी और कलैक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे।

- खेत से बबूल काटने को लेकर दलित परिवार पर कुछ दबंगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया
- मारपीट में कई घायल, पीड़ितों ने प्रशासन से सुरक्षा और न्याय की मांग की

सौरभ यादव ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में दलितों पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई मामलों में गंभीर धाराएं लगाने के बजाय कमजोर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, जिससे आरोपियों को लाभ मिलता है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज भी गांवों में दलित परिवारों की स्थिति चिंताजनक है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए शहर आकर न्याय की मांग करनी पड़ती है, जो प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान पीड़ित रामराज के साथ अधिवक्ता रमेश गारवाल, अधिवक्ता के.सी. जोनवाल, हरिराम जाटव, रवि बैरवा, राजू जेलिया, योगेश जाटोलिया, भूपेंद्र सिंह यादव, वेद प्रकाश हाड़ा, राहुल चवरिया और रवि देवल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के आरोपी की फांसी को आजीवन कारावास में बदला

हाईकोर्ट ने डूंगरपुर में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में फैसला सुनाया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर मुख्यपीठ ने डूंगरपुर में 10 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी की फांसी की सजा को शेष प्राकृतिक जीवन के लिए आजीवन कारावास में बदल दिया है।

जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने रेप व मर्डर के दोषी जितेंद्र उर्फ जीतू को विशेष पॉक्सो कोर्ट द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा के आदेश में ये संशोधन किया है। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अपराध जघन्य जरूर है, लेकिन यह दुर्लभ से दुर्लभतम (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) की श्रेणी में नहीं आता-क्योंकि आरोपी पहली बार का अपराधी है, उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और वह पत्नी और दो नाबालिग बच्चों का मुखिया है।

यह घटना डूंगरपुर जिले के एक थाना क्षेत्र की है। 28-29 जून 2022 की आधी रात को पीड़ित मासूम बच्ची अपने घर के आंगन में अपनी मां और भाई-बहनों के साथ सो रही थी। सुबह करीब 5:30 बजे जब उसकी मां की

- **हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अपराध जघन्य जरूर है, लेकिन यह दुर्लभ से दुर्लभतम (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) की श्रेणी में नहीं आता**
- **कोर्ट ने पाया कि दोषी जितेंद्र का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, वह विवाहित है और उसके दो छोटे बच्चे हैं**

आंख खुली, तो उन्होंने पाया कि बच्ची बिस्तर से गायब थी। परिजनों ने आसपास के खेतों और रास्तों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसी दिन शाम को एक मार्ग पर एक पुलिया के भीतर बच्ची का लहूलुहान शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और 2 जुलाई 2022 को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में डॉ. गुणवंती मीणा द्वारा किए गए पोस्टमॉर्टम में यह पुष्टि हुई कि बच्ची के साथ वीभत्स यौन हमला किया गया था और उसके सिर पर भारी पत्थर से प्रहार करने के साथ ही गला घोंटकर उसकी हत्या की गई थी।

गवाह मोगा कटारा ने बयान दिया कि 29 जून को सुबह 6:30 बजे उसने आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू को उसी पुलिया के पास बीयर की बोतल लिए देखा था। पूछने पर आरोपी ने कहा कि उसे रातभर से चिंता है। एक अन्य गवाह ने 28 जून की शाम आरोपी के साथ पीने की बात कबूली और उस दौरान ली गई फोटो में आरोपी की बेज रंग की शर्ट पहचानी। इसी आधार पर 2 जुलाई 2022 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 3 जुलाई को उसके घर से वही शर्ट और अन्य कपड़े बरामद हुए। फॉरेंसिक रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि शर्ट पर पीड़ित बच्ची का खून और पीड़ित के कपड़ों पर आरोपी के बाल मिले, यह साक्ष्यों की कड़ी निर्णायक रही। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान मर्डर रेफरेंस और दोषी की अपील पर लंबी कानूनी जिरह हुई। आरोपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विनीत जैन ने तर्क दिया कि अभियोजन का पूरा मामला केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है।

उन्होंने दलील दी कि पुलिस ने आरोपी के घर से जो कपड़े बरामद किए, उस समय घर पर कोई ताला नहीं लगा था और न ही कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद था, जो इस रिकवरी को संदिग्ध बनाता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि आरोपी वारदात के बाद न तो फरार हुआ और न ही उसने छिपने की कोशिश की, जो उसकी निर्दोषता का एक बड़ा संकेत है।

इसके विपरीत, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी ने ट्रायल कोर्ट के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि एक 10 साल की असहाय बच्ची के साथ की गई यह दरिंदगी समाज की अंतरात्मा को झकझोरने वाली है, इसलिए मृत्युदंड ही एकमात्र न्यायोचित सजा है।

खंडपीठ ने साक्ष्यों का गहनता से पुनर्मूल्यांकन करते हुए माना कि अभियोजन पक्ष ने दोषसिद्धि की कड़ियों को वैज्ञानिक रूप से साबित किया है। एफएसएल रिपोर्ट में मृतक की टी-शर्ट पर आरोपी के सिर के बाल मिले और आरोपी की शर्ट पर मृतक के खून की पुष्टि हुई। इसके अलावा, गवाह मोगा कटारा ने घटना वाली सुबह आरोपी को उसी पुलिया से बाहर निकलते देखा था, जहां बाद में शव मिला। इन साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने दोषी की सजा को बरकरार रखा, लेकिन मृत्युदंड के प्रश्न पर उदार रुख अपनाया। सजा को उम्रकैद में परिवर्तित करते हुए अदालत ने संदर्भ मामले के सिद्धांतों का हवाला दिया। कोर्ट ने पाया कि दोषी जितेंद्र का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। वह विवाहित है और उसके दो छोटे बच्चे हैं। कोर्ट ने अपने निष्कर्ष में कहा कि चूंकि अपराध पूर्व-नियोजित नहीं था और अपराधी की सामान्य सामाजिक- आर्थिक पृष्ठभूमि व जेल में उसके आचरण को देखते हुए उसमें सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इन्हीं मानवीय और कानूनी पहलुओं को आधार बनाकर हाईकोर्ट ने फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया।

श्रीगंगानगर में किसान की फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक साधारण किसान को फर्जी तरीके से व्यापारिक फर्म का प्रोप्राइटर बना कर करोड़ों रुपए का माल उठाने का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।

पूनिया ट्रेडर्स के नाम से खाद, बीज और पेस्टिसाइड्स का व्यापार करने वाले रमन पूनिया पर आरोप है कि उन्होंने गांव के किसान रिछपाल बिश्नोई को हिस्सेदार बनने का लालच देकर बैंक के कागजातों पर दस्तखत करवा लिए। इसके बाद चेक बुक अपने पास में रख ली। बाद में किसान के नाम से अनादरित चेक देकर कई फर्मों से माल मंगवाया और अब किसान पर करोड़ों की देनदारी के कानूनी नोटिस आ रहे हैं। किसान रिछपाल बिश्नोई पुत्र शंकरलाल, निवासी गांव 65 एलएनपी ने एसपी को शिकायत देकर रमन पूनिया, निवासी कालूवाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

- **आरोपी ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर चेक बुक ली, लीगल नोटिस मिलने लगे तो पता चला**

पुलिस के अनुसार, रमन पूनिया का ननिहाल पीड़ित के गांव में है, जिसके चलते दोनों के बीच जानकारी हुई। रिछपाल बिश्नोई ने शिकायत में बताया कि रमन पूनिया ने उन्हें साधुवाली बाइपास पर स्थित पूनिया ट्रेडर्स फर्म में पार्टनर बनाने का प्रस्ताव दिया और कहा कि घर बैठे पैसे कमा कर दूंगा। इसके लिए बैंक से लोन दिलवाने का बहाना बनाकर कागजातों पर हस्ताक्षर करवा लिए। निजी बैंक में किसान का खाता खुलवाकर चेक बुक जारी कराई और उसे अपने पास रख लिया। कुछ दिनों बाद रमन पूनिया ने बताया कि लोन नहीं मिला, इसलिए हिस्सेदारी की बात खत्म। लेकिन असली खेल उसके बाद शुरू हुआ। वर्ष 2023 में रमन पूनिया उनके घर आए और कुछ लिफाफे थमा दिए। इनमें किसान के नाम से चेक अनादरित (बाउंस) होने पर कानूनी कार्रवाई के नोटिस थे। हैरान किसान ने देखा कि वह कभी फर्म का प्रोप्राइटर ही नहीं बना था, फिर भी उसके नाम पर करोड़ों रुपए का माल विभिन्न फर्मों से उठाया गया और चेक उनके नाम के दिए गए।

किसान ने बताया कि मुझे फंसाने के लिए पूरा फर्जीवाड़ा रचा गया। मैं खेती-बाड़ी करता हूं, व्यापार की इन बातों से अनजान था। अब कंपनियों से कानूनी नोटिस आ रहे हैं और करोड़ों की देनदारी मेरे सिर पर लाद दी गई है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। रमन पूनिया पर धोखाधड़ी, जालसाजी और विश्वासघात के गंभीर आरोप लगे हैं।

पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल, आत्महत्या की आशंका जताई

झुंझुनूं/गुढ़ागौड़जी, (निसं)। भोड़की गांव के जोहड़ क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक प्रेमी युगल के शव पेड़ से लटके मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब छह बजे गांव निवासी दिनेश कुमावत जब जोहड़ की ओर गए तो उन्होंने कीकर के पेड़ पर युवक और युवती को लटका देखा। यह दृश्य देखकर उन्होंने तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को बुलाया।

पुलिस को मौके पर दोनों के पास कुछ संदिग्ध गोलियां भी मिली हैं, जिससे जहर सेवन की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद

- **सेना का जवान सप्ताह पहले छुट्टी पर आया था, पारिवारिक विवाद के बाद घर से निकला था**
- **बताया जा रहा है कि युवती से पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी**

ही हो सकेगा। दोनों शवों को कब्जे में लेकर गुढ़ागौड़जी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में भिजवाया गया।

पुलिस ने युवक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान भिवानी निवासी 32 वर्षीय सुनील कुमार के रूप में की, जबकि युवती की पहचान खींवासर गांव निवासी इंदुबाला के रूप में हुई। सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया और परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि सुनील भारतीय सेना में कार्यरत था और करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। बताया जा रहा है कि उसकी युवती से पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई।

परिवार के अनुसार सुनील को युवती से वीडियो कॉल पर बात करते हुए उसकी पत्नी ने देख लिया था, जिसके बाद घर में विवाद बढ़ गया था। गुरुवार शाम करीब पांच बजे सुनील घर से निकला था, जिसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन सुबह इस दुखद घटना की सूचना मिली। पुलिस जांच के दौरान मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों के परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे परिस्थितियां क्या रही।

डेयरी संचालक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। कर्ज के बोझ और बैंक के कथित दबाव ने एक और परिवार उजाड़ दिया। सूरजगढ़ क्षेत्र के मावंडियों की ढाणी के पास गुरूवार रात एक डेयरी संचालक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में उसने साफ लिखा- बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूं, बैंक वालों ने प्रेशर बना रखा है। मृतक विनोद पूनिया (50) निवासी रामरख की ढाणी, उधमपुरा ने डेयरी संचालन के लिए बैंक से करीब 31 लाख 11 हजार रुपए का लोन लिया था।

जानकारी के अनुसार, पशुधन में नुकसान और आर्थिक तंगी के चलते वह किश्तें नहीं चुका पा रहा था। बताया जा रहा है कि हाल ही में बैंक की ओर से बकाया राशि का नोटिस दिया गया था, जिसके बाद तनाव और बढ़ गया। विनोद की जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा मिला कि मेरे गायों की डेयरी है, उसमें नुकसान हो रहा है। बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूं। बैंक वाले प्रेशर डाल रहे हैं, इसलिए यह कदम उठा रहा हूं।

परिजनों के अनुसार, विनोद गुरुवार सुबह घर से यह कहकर निकला था कि वह दूध का भुगतान लेने और पशुओं के लिए चारा लाने जा रहा है। शाम तक घर नहीं लौटने पर चिंता बढ़ी, और रात करीब सवा 9 बजे पुलिस का फोन

- **मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा कि बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूं, बैंक वालों ने प्रेशर बना रखा है**

आया-जिसके बाद परिजन रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां विनोद का शव मिला। परिवार का आरोप है कि दो-तीन दिन पहले बैंक मैनेजर और कर्मचारी घर आए थे और किश्त जमा नहीं करने पर पुलिस कार्रवाई की धमकी दी थी। इसी के बाद से विनोद गहरे तनाव में था, गुमसुम रहने लगा था और किसी से ज्यादा बात नहीं करता था।

घटना की सूचना मिलते ही चिड़ावा थाने से एएसआई ओमप्रकाश नरूका मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सुसाइड नोट और बैंक के दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। शव को उप जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण शुक्रवार सुबह चिड़ावा थाने पहुंचे और बैंककर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। वहीं ग्रामीणों ने मृतक परिवार के लिए पूरा कर्ज माफ करने, परिवार के भरण-पोषण की व्यवस्था करने की मांग उठाई है।

शेखावाटी की जीवनरेखा 'काटली नदी' को बचाने के लिए जन अभियान तेज

हरित पट्टिका, अतिक्रमण मुक्त धारा और सिंधु जल प्रवाह की मांग उठी

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली काटली नदी के पुनर्जीवन को लेकर जनआवाज अब मजबूत होती नजर आ रही है। काटली नदी बचाओ जन अभियान के तहत नदी के दोनों तटों पर व्यापक वृक्षारोपण कर हरित पट्टिका विकसित करने, सहायक नालों और जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा नदी क्षेत्र में जल संरचनाओं के सुदृढ़ निर्माण की महत्त्वाकांक्षी मांग उठाई गई है।

सरस्वती रूरल एंड अरबन डेवलपमेंट सोसायटी, झुंझुनूं के नेतृत्व में अभियान संयोजक सुभाष कश्यप सहित अनेक सामाजिक, कानूनी व शिक्षाविद् प्रतिनिधियों ने जिला कलैक्टर डॉ. अरुण गर्ग को ज्ञापन सौंपते हुए काटली नदी के समग्र पुनर्जीवन की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। ज्ञापन में उद्गम स्थल से लेकर विभिन्न क्षेत्रों तक नदी के संरक्षण, संवर्धन और दीर्घकालिक उपयोग की रणनीति को रेखांकित किया गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से नदी के दोनों किनारों पर स्थानीय जलवायु के अनुकूल, दीर्घायु वृक्षों का रोपण कर हरित पट्टिका

- **सरस्वती रूरल एंड अरबन डेवलपमेंट सोसायटी, झुंझुनूं के नेतृत्व में अभियान संयोजक सुभाष कश्यप सहित अनेक सामाजिक, कानूनी व शिक्षाविद् प्रतिनिधियों ने जिला कलैक्टर डॉ. अरुण गर्ग को ज्ञापन सौंपा**

विकसित करने की माँग की गई है, जिससे न केवल पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा, बल्कि भविष्य में अतिक्रमण की आशंकाओं पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। साथ ही नदी के सीमांकन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया। अभियानकर्ताओं ने काटली नदी के उद्गम स्थल सहित सहायक नालों व जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने की आवश्यकता पर बल देते हुए जोधपुरा सुनारी, मैनपुरा, हीरवाना और बगड़ क्षेत्र में जल सोखता बाँध (रिचार्ज स्ट्रक्चर) बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही नदी में सिंधु जल प्रवाहित करने की माँग भी प्रमुख रूप से उठाई गई, ताकि क्षेत्र में जल संकट का स्थायी समाधान संभव हो सके।

संयोजक सुभाष कश्यप ने बताया कि काटली नदी को पुनर्जीवित करने के इस अभियान को व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा। इसके तहत जल्द ही सीकर, झुंझुनूं और चूरू के जिला कलेक्टरों के साथ-साथ शेखावाटी क्षेत्र के सांसद बृजेंद्र सिंह ओला, राहुल कस्वां और अमराराम को भी प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

जिला कलैक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने नदी एक्टिविस्टों की बात को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया, जिससे अभियान को नई ऊर्जा मिली है। ज्ञापन पर महेश बसावतिया, एडवोकेट महेंद्र कुमार, सतीश मिश्रा, धर्मपाल यादव, दीपक मीणा, मदन खैरवा, धन सिंह कश्यप, विजय सिंह ओला सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों के हस्ताक्षर रहे।

महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र मेंएक महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी हो गई। जानकारी अनुसार, एक निजी अस्पताल में कार्यरत महिला कर्मचारी रोजाना की तरह अपने काम पर पहुंची थी। उसने अस्पताल के बाहर अपनी स्कूटी खड़ी की और ड्यूटी पर चली गई। लेकिन जब वह अपनी ड्यूटी पूरी कर बाहर लौटी, तो वहां उसकी स्कूटी नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं लगा। घटना के बाद महिला ने तुरंत आदर्श नगर थाना में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उदयपुर में बस और ट्रेलर में भिड़ंत, बस कंडक्टर घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात स्लीपर बस और ट्रेलर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर का केबिन टूटकर इंजन से पूरी तरह से अलग हो गया जबकि बस के पिछले टायर निकलने से अनियंत्रित होकर बस नाले में फंस गई। हादसे के बाद दोनों ड्राइवर मौका देखकर भाग निकले।

हादसा डबोक थाना क्षेत्र में तुलसीदास जी की सराय स्थित शाश्वत धाम कट पर गुरुवार रात करीब 12 बजे हुआ। गनीमत यह रही कि उस वक्त बस में केवल दो ही यात्री सवार थे, वरना एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। हादसे में यात्रियों को ज्यादा चोट नहीं आई लेकिन बस का कंडक्टरघायल हो गया। निजी स्लीपर बस डबोक सर्विस रोड से होते हुए उदयपुर नेशनल हाईवे पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी। हाईवे पर चढ़ने के लिए बस ड्राइवर ने जैसे ही राइट टर्न लिया उसने पीछे से आ रहे वाहनों पर ध्यान नहीं दिया। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा एक ट्रेलर सीधे बस से जा भिड़ा। बस अनियंत्रित होकर सर्विस रोड के किनारे बने नाले में जाकर फंस गई।

झुंझुनूं में खिलौना गोदाम में भीषण आग लगी

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के भीड़भाड़ वाले बस स्टैंड क्षेत्र में शुक्रवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब शारदा हॉस्पिटल के पीछे स्थित एक खिलौना गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और इसकी लपटें हॉस्पिटल के पिछले हिस्से तक पहुंच गई। हालांकि, समय रहते फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार घटना शाम करीब 4:30 से 5 बजे के बीच मान नगर स्थित शारदा हॉस्पिटल के पास हुई। हॉस्पिटल के पीछे अशोक वालिया के प्लॉट में बने कमरों में प्लास्टिक के खिलौनों का गोदाम संचालित था, जहां बड़ी मात्रा में खाली गत्ते (कार्टन) भी रखे हुए थे। इन्हीं ज्वलनशील सामग्री में अज्ञात कारणों से आग भड़क उठी। प्लास्टिक और गत्तों के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। तेज लपटों ने पास स्थित हॉस्पिटल की बिल्डिंग के पिछले हिस्से को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां लगे कूलर डक्ट में भी आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस थानाधिकारी श्रवण कुमार पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। भीड़भाड़ वाले संकरे इलाके में लोगों को तत्काल सुरक्षित दूरी पर हटाया गया।

अजमेर में नकली मुनीम बनकर पांच लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां किशनगढ़ निवासी एक युवक से खुद को मुनीम बताने वाले व्यक्ति ने पांच लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एएसआई रामनिवास ने बताया कि किशनगढ़ निवासी दीपक परैवा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह अपने परिचित की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान दिलीप सिंह नाम का व्यक्ति वहां आया और खुद को त्रिलोक जैन का मुनीम बताया। आरोपी ने कहा कि उसका सेठ बिठूर में बने गोदाम रखा कुछ सामान बेचना चाहते हैं, जिसकी कुल कीमत 11 लाख रुपए है। आरोपी की बातों में आकर दीपक ने सौदे के लिए सहमति दे दी और 5 लाख रुपए नकद दे दिए। इसके बाद दोनों के बीच एग्रीमेंट भी कर लिया गया। आरोपी ने पीड़ित से कहा कि वह जीसीए चैराहा पहुंचे, वह पीछे-पीछे आता है। जब आरोपी जीसीए चैराहे पर नहीं पहुंचा तो दीपक ने उसे फोन किया। इस पर आरोपी ने उसे बिठूर स्थित गोदाम पहुंचने को कहा। जब पीड़ित वहां पहुंचा और चैकीदार से बात की, तो मालिक से संपर्क करने पर स्पष्ट हुआ कि उनके यहां इस नाम का कोई मुनीम नहीं है और न ही कोई सामान बिक्री के लिए रखा गया है। घटना के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज कराया।

जोधपुर : लॉरेंस के नए गुर्गे ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष से दो करोड़ की फिरौती मांगी

जोधपुर, (कासं)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई का एक नया गुर्गा सामने आया है, जिसका नाम टाइसन विश्नोई है। टाइसन ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील चौधरी को गुरुवार को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। टाइसन विश्नोई ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताते हुए यह धमकी दी है। इसको लेकर सुनील चौधरी ने रातानाडा थाने में रिपोर्ट दी है।

थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि अयोध्याराज अपार्टमेंट, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के पास रहने वाले सुनील चौधरी पुत्र पूनाराम ने मामला दर्ज कराया है। इसमें बताया कि उसके

- **टाइसन विश्नोई ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताते हुए धमकी दी**

मोबाइल पर गुरुवार सुबह व्हॉट्सएप के जरिए एक विदेशी कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य टाइसन विश्नोई होना बताया और दो करोड़ की फिरौती मांगते हुए जान की धमकी दी। टाइसन विश्नोई ने सुनील चौधरी से कहा कि दो दिन में दो करोड़ रुपए देने होंगे। वह उसकी पूरी दिनचर्या जानता है। रुपए नहीं दिए तो कभी भी मार देगा। थानाधिकारी ने बताया कि धमकी देकर फिरौती मांगने का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की पड़ताल की जा रही है। टाइसन विश्नोई ने जिस नंबर से चौधरी को व्हाट्सएप कॉल किया, उस नंबर का कोड दक्षिण अमेरिकी शहर वर्जीनिया का था। हालांकि यह अभी जांच का विषय है कि कॉल वहां से ही की गई है या नहीं।

लॉरेंस विश्नोई गिरोह के सदस्यों ने पहली बार जोधपुर में 2017 में एक डॉक्टर व एक ट्रैवलर के घर फायरिंग कर एंट्री ली थी। इसके बाद पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा। लॉरेंस के ही एक गुर्गे ने जोधपुर में वासुदेव इसरानी की हत्या कर दी थी, जिसके आरोप में जोधपुर पुलिस पंजाब से लॉरेंस को लेकर आई थी और उसे जोधपुर जेल में रखा गया था। इस दौरान कई स्थानीय अपराधी जोधपुर जेल में थे, जिनका पहले लॉरेंस और बाद में उसके भाई अनमोल से सीधा संपर्क हो गया। जिसके बाद जोधपुर, फलोदी, बीकानेर इलाके में नेटवर्क बन गया। लॉरेंस विश्नोई गैंग के नाम से लोगों को डराकर रंगदारी वसूलने के लिए जोधपुर में धमकियां आती रहती हैं। इस वर्ष चार लोगों से वसूली के लिए धमकियां दी गई हैं। इनमें चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में दो लोगों को धमकी देकर दो करोड़ मांगे गए थे। इसके बाद मोती चौक में होटल व्यवसायी व निवर्तमान पार्षद को धमकी भरा कॉल किया गया था। इन तीनों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। फिर सरदारपुरा में एक व्यवसायी को धमकाया गया था।

अलवर : मां ने चार साल की बेटी की गला दबाकर हत्या की

मां ने भी ब्लेड से हाथों की नसें काटकर सुसाइड का प्रयास किया

अलवर/राजगढ़, (निसं)। अलवर में महिला ने चार साल की बेटी की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने ब्लेड से अपने हाथों की नसें काटकर सुसाइड का प्रयास किया। महिला का गंभीर हालत में जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना राजगढ़ थाना क्षेत्र के पुराना राजगढ़ इलाके की शुक्रवार सुबह की है।

मृतक बच्ची के ताऊ नीरज सैनी (30) ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे गरिमा (4) को स्कूल भेजने के लिए पिता संतोष (27) ने कमरे का गेट खोला। बेटा ठीक था, उसे कोई दिक्कत नहीं थी। बेटी को जगाया तो वह बोल

- **बताया जा रहा है कि महिला पिछले दो साल से मानसिक रूप से परेशान थी, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

नहीं रही थी। गरिमा के गले पर निशान थे। उसे तुरंत राजगढ़ हॉस्पिटल लेकर गए। उसके बाद संतोष की पत्नी शीला (25) को देखा। वह बेहोशी की हालत में थी। गांव के दो लोगों को बुलवाया। उसके बाद गाड़ी से शीला को भी हॉस्पिटल लेकर गए। डॉक्टरों ने गरिमा को मृत घोषित कर दिया। वहीं शीला की हालत गंभीर होने पर उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। नीरज सैनी ने बताया कि शीला पिछले दो साल से मानसिक रूप से परेशान है। उसकी स्थिति ठीक नहीं रहती थी। वह कई बार अजीब हरकतें भी करती थी। उसकी आवाज भी बदल जाती थी। इस कारण दोनों बच्चे भी उससे दूरी बनाकर रखते थे, लेकिन वह बच्चों को जबरदस्ती अपने पास सुलाती थी।

पुलिस ने बताया कि सूरज ने रिपोर्ट में लिखा कि और दिन गरिमा उसकी मां के पास सोती थी। 16 अप्रैल की रात्रि 10 बजे गरिमा सूरज की मां के पास सो रही थी, तो उसके भाई की पत्नी शीला गरिमा को वहां से लेकर चली गई और हत्या कर दी। गरिमा की हत्या के बाद शीला ने स्वयं ने हाथों पर चोट के निशान बना लिए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रारंभिक जांच शुरू की है।

थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि घटना को लेकर आसपास के लोग और परिवार से पूछताछ की जा रही है। हालांकि अभी तक घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। महिला के होश में आने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

झुंझुनूं में थ्रेशर मशीन में फंसने से युवक की मौत

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बगड़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में थ्रेशर मशीन में फंसने से युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि युवक का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और उसे बाहर निकालने में करीब दो घंटे का समय लग गया।

जानकारी के अनुसार नूनिया गोठडा निवासी विकास उर्फ कालू शुक्रवार सुबह पास के घासी का बास गांव में गेहूं की फसल निकलवाने गया था। इसी दौरान काम करते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गेहूं के साथ थ्रेसर मशीन की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दौड़कर ट्रैक्टर बंद किया, लेकिन तब तक युवक का आधा शरीर मशीन के अंदर जा चुका था। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी

- **गेहूं निकालते समय युवक का संतुलन बिगड़ गया था, दो घंटे में निकाले गए शव के अवशेष**

मच गई। सूचना मिलने पर बगड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मशीन में फंसे युवक के अवशेषों को निकालने में पुलिस और ग्रामीणों को करीब दो घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद शव को बगड़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक खेती-बाड़ी और मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता था। अचानक हुए इस हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय द्वारा सैद्धांतिक व प्रायोगिक परीक्षा में उत्तरपुस्तिकाओं के मुद्रण एवं आपूर्ति हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2627GLRC00001 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/1000 वित्त नियंत्रक

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI

PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for the supply and various maintenance works under phed division karauli are invited from interested bidders up to 24.04.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE:-PHE2627A0164

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
01	28/2026-27	PHE2627WSOB00341	03	30/2026-27	PHE2627WSOB00343
02	29/2026-27	PHE2627WSOB00342	04	31/2026-27	PHE2627WSOB00344

01	Total work	04
02	Total Estimate Cost	36.83 Lac
03	Bid submission end date	24.04.2026 up to 12.00 PM
04	Bid opening date	24.04.2026 at 03.00 PM

(Vijay Kumar Meena) Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Division Karauli

DIPR/C/6977/2026

चिकित्सा संस्थानों में स्थापित किए जाएंगे हीट स्ट्रोक ट्रीटमेंट कॉर्नर

प्रदेश में लू-तापघात की आशंका को देखते हुए सरकार का निर्णय

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में आगामी दिनों में लू-तापघात की आशंका को देखते हुए चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव बचाव एवं उपचार के लिए समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इमरजेंसी सुविधाओं के लिए चिकित्सा संस्थानों में हीट स्ट्रोक ट्रीटमेंट कोर्नर स्थापित करने के साथ ही दवा एवं जांच सहित सभी माकूल इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में हीटवेव प्रबंधन, मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्साधिकारी हीटवेव को लेकर प्रो-एक्टिव अप्रोच के साथ काम करें। रोगी और उनके परिजनों के लिए छाया, शीतल पेयजल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

राठौड़ ने कहा कि सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा संबंधित चिकित्सालय प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर, जांच, दवा-ओआरएस एवं उपचार के प्रबंधन में कोई कमी नहीं रहे। उन्होंने आवश्यकता होने पर दवाओं की स्थानीय स्तर पर खरीद करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी निरंतर फील्ड में जाकर चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करें। उन्होंने रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू कर रोगियों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

राठौड़ ने गर्मी के मौसम को देखते हुए शुद्ध खाद्य पदार्थों एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि को नियंत्रण को भीडभाड़ वाले स्थानों, छात्रावासों सहित अन्य स्थानों पर खाद्य पदार्थों एवं पानी की जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों को चिकित्सा संस्थानों पर कार्यरत एएनएम एवं सीएचओ के कार्यों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी चिकित्सा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे फंक्शनल हों। सभी चिकित्सा संस्थान सेल्फ मॉनिटरिंग सिस्टम एप में अपनी रिपोर्टिंग करें। उन्होंने कहा कि एप पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर चिकित्सा संस्थानों एवं उनके प्रभारियों का मूल्यांकन किया जाएगा। जिस जिले का स्कोर कम होगा, उस जिले के संबंधित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मीडिया में प्रकाशित होने वाली नकारात्मक खबरों की मॉनिटरिंग करते हुए वांछित सुधार करने पर भी बल दिया।

प्रमुख शासन सचिव ने प्रदेश में आपातकालीन रेफरल व्यवस्था के लिए संचालित की जा रही 108 एम्बुलेंस का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में सभी 108 एम्बुलेंस में साफ-सफाई, उपकरणों एवं दवाओं की उपलब्धता और क्रियाशीलता के संबंध में आगामी दो दिवस में सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

राठौड़ ने टीबी मुक्त भारत के तहत 100 दिवसीय अभियान, गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम, भवन निर्माण एवं भूमि आवंटन, ओडीके एप में सूचनाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत के तहत 100 दिवसीय अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में प्रभावी रूप से कार्य कर सघन स्क्रीनिंग कर निर्धारित लक्ष्य अर्जित किए जाएं।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने शुक्रवार को हीटवेव प्रबंधन और मौसमी बीमारियों की तैयारियों पर चर्चा की।

- प्रमुख शासन सचिव ने दिए हीटवेव से बचाव एवं उपचार के समुचित प्रबंध करने के निर्देश
- अधिकारी रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू करें : गायत्री राठौड़
- खाद्य पदार्थों व पानी की जांच तथा 2 दिन में सभी एम्बुलेंस का सत्यापन कराने के निर्देश

अब 20 हजार वर्गमीटर से बड़े भूखण्ड भी होंगे उप-विभाजित

रीको प्रशासन ने लागू किए उप-विभाजन के नए नियम लागू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यिमयों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रीको ने बड़े औद्योगिक भूखण्डों के उप-विभाजन को सशर्त मंजूरी प्रदान कर दी है। इस निर्णय के तहत अब रीको के आवंटी अपने बड़े भूखण्ड छोटे हिस्सों में विभाजित कर विक्रय कर सकेंगे।

रीको प्रशासन ने रीको डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स, 1979 के नियम 17 (ई) को पुन: लागू करते हुए यह व्यवस्था की गई है कि 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले भूखण्डों का उप-विभाजन किया जा सकेगा। उप-विभाजन के बाद प्रत्येक उप-विभाजित भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर रहेगा।

निर्धारित शर्तों के अनुसार, भूखण्ड का उप-विभाजन भूमि आवंटन के 7 वर्ष बाद ही किया जा सकेगा और संबंधित भूखण्ड विवाद रहित होना चाहिए। उप-विभाजन की प्रक्रिया के तहत आवेदक को प्रस्तावित लेआउट प्लान रीको में जमा कराना होगा, जिसे लैंड प्लान कमेटी से अनुमोदित कराया जाएगा। यदि भूखण्ड पर किसी बैंक या वित्तीय संस्थान का ऋण है, तो उसकी एनओसी भी आवश्यक होगी।

रीको ने स्पष्ट किया है कि उप-विभाजन के बाद विकसित होने वाले क्षेत्र में सड़क, ड्रेनेज, बिजली, स्ट्रीट लाइट, वर्षा जल संचयन और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाएं मूल आवंटी को अपने खर्च पर उपलब्ध करानी होंगी। इन सुविधाओं को तीन वर्षों के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

नियमों के अनुसार, 1500 वर्गमीटर तक के भूखण्ड के लिए न्यूनतम 18 मीटर तथा इससे बड़े भूखण्ड के लिए 24 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़क का प्रावधान रखा गया है।

वित्तीय प्रावधानों के तहत उप-विभाजन शुल्क संबंधित औद्योगिक क्षेत्र की प्रचलित दर का 2 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। इसके अलावा ट्रांसफर चार्ज एवं एक स्वीकृत गतिविधि से अन्य स्वीकृत गतिविधि के परिवर्तन हेतु स्वीकृति शुल्क भी नियमानुसार देय होंगे। उप-विभाजित भूखण्ड की लीज अवधि मूल लीज अवधि से अधिक नहीं होगी और नए खरीदार को पंजीकृत दस्तावेज की तिथि से दो वर्षों के भीतर भूखण्ड का उपयोग करना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि उद्यमियों द्वारा लंबे समय से बड़े भूखण्डों के उप-विभाजन की मांग की जा रही थी। ऐसे में यह निर्णय न केवल भूमि के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करेगा, बल्कि औद्योगिक क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति देगा तथा नए निवेश एवं रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा।

- इस निर्णय से बड़े भूखण्डों का बेहतर उपयोग होगा
- निवेशकों को उद्योग लगाने के अधिक अवसर मिलेंगे

शारीरिक दक्षता परीक्षा 22-23 को

जयपुर। गृह रक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा प्लाटून कमांडर सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत 84 पदों के लिए अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता (पीईटी) एवं शारीरिक मापतौल (पीएसटी) परीक्षा का आयोजन 22 एवं 23 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। उप महासमादेष्टा गृह रक्षा, विजय सिंह भाम्भू ने बताया कि इस परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र 15 अप्रैल 2026 को विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट के माध्यम से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे परीक्षा से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा निर्धारित तिथि व समय पर परीक्षा स्थल पर आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित हों।

चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक गूंजा नारी शक्ति का जयघोष

जयपुर। महिला सशक्तिकरण और 'विकसित भारत' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जयपुर में 'नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन' का आयोजन किया गया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में 'माय भारत' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शहर की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुबह 7:30 बजे चांदपोल से शुरू हुई यह रन बड़ी चौपड़ तक आयोजित की गई। करीब 1.5 किलोमीटर लंबी इस दौड़ में छात्राओं, उद्यिमयों, पत्रकारों, खिलाड़ियों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे मार्ग पर जोश और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम की थीम 'नारी शक्ति वंदन' रखी गई। रन को राज्य मंत्री मंजू बाघमार और पूर्व विधायक अलका गुर्जर ने फ्लैग-ऑफ किया। इस मौके पर पूर्व महापौर कुसुम यादव सहित कई प्रमुख महिलाएं उपस्थित रहीं। विशेष आकर्षण के रूप में कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 की कांस्य पदक विजेता पूजा और वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 की स्वर्ण पदक विजेता कचनार चौधरी ने भी भाग लेकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

माय भारत राजस्थान के राज्य निदेशक देवेंद्र कुमार व्यास ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य 'फिट इंडिया' के संदेश को आगे बढ़ाना और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका को सशक्त रूप से प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

17 देशों के 43 प्रतिभागी रूबरू होंगे राजस्थान विधानसभा से : देवनानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि शनिवार को विश्व के विभिन्न देशों के प्रतिभागी राजस्थान विधानसभा का अवलोकन करेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया, जाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागी भाग लेंगे।

स्पीकर देवनानी ने बताया कि लोकसभा सचिवालय के पार्लियामेंट्री रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसिस द्वारा इन्टरनेशनल लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग विषय पर विधायी मसौदा तैयार करने के लिए 37 वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान विधान सभा में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के अंतर्गत संचालित हो रहा है। देवनानी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी प्रतिभागियों के लाभ के लिए विधायी मसौदा तैयार करने के वैचारिक जान, कौशल और तकनीकी को बढाना है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत 18 अप्रैल को विदेशी प्रतिनिधियों का दल राजस्थान विधानसभा के सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का भ्रमण करेगा। इससे राज्य विधानमण्डल कि पहचान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को राज्य विधानमंडल की कार्यप्रणाली विधायी प्रक्रिया एवं संसदीय परंपराओं की जानकारी दी जाएगी। देवनानी ने बताया कि प्रतिभागियों की पीठासीन अधिकारियों और विधानसभा सचिव के साथ संवाद, प्रतिष्ठित विधि विशेषज्ञों एवं गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात तथा राज्य के प्रमुख विधि संस्थानों का भ्रमण भी कराया जाएगा। स्पीकर देवनानी ने बताया कि विदेशी प्रतिभागियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराने हेतु स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा। इस यात्रा से विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली और राज्यों की विधायी कार्यप्रणाली को निकट से समझने का अवसर मिलेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संसदीय सहयोग एवं ज्ञान का आदान-प्रदान सुदृढ़ होगा।

47 बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

जयपुर । नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'मिशन जागृति' के तहत जयपुर दक्षिण पुलिस ने व्यापक कार्रवाई करते हुए 47 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान के दौरान मादक पदार्थों सहित नकदी और वाहन भी बरामद किए गए।पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज के निर्देशन में चलाए गए इस विशेष अभियान में मानसरोवर, सोडाला और अशोक नगर सर्किल क्षेत्रों में एक साथ सघन कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट में 13 प्रकरण दर्ज कर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि आबकारी अधिनियम में 6 और अन्य मामलों में 8 आरोपियों को पकड़ा गया। इसके अलावा विभिन्न धाराओं में कुल 20 गिरफ्तारी की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 490.69 ग्राम स्मैक, 456 ग्राम गांजा और 14 चरस बरामद की।

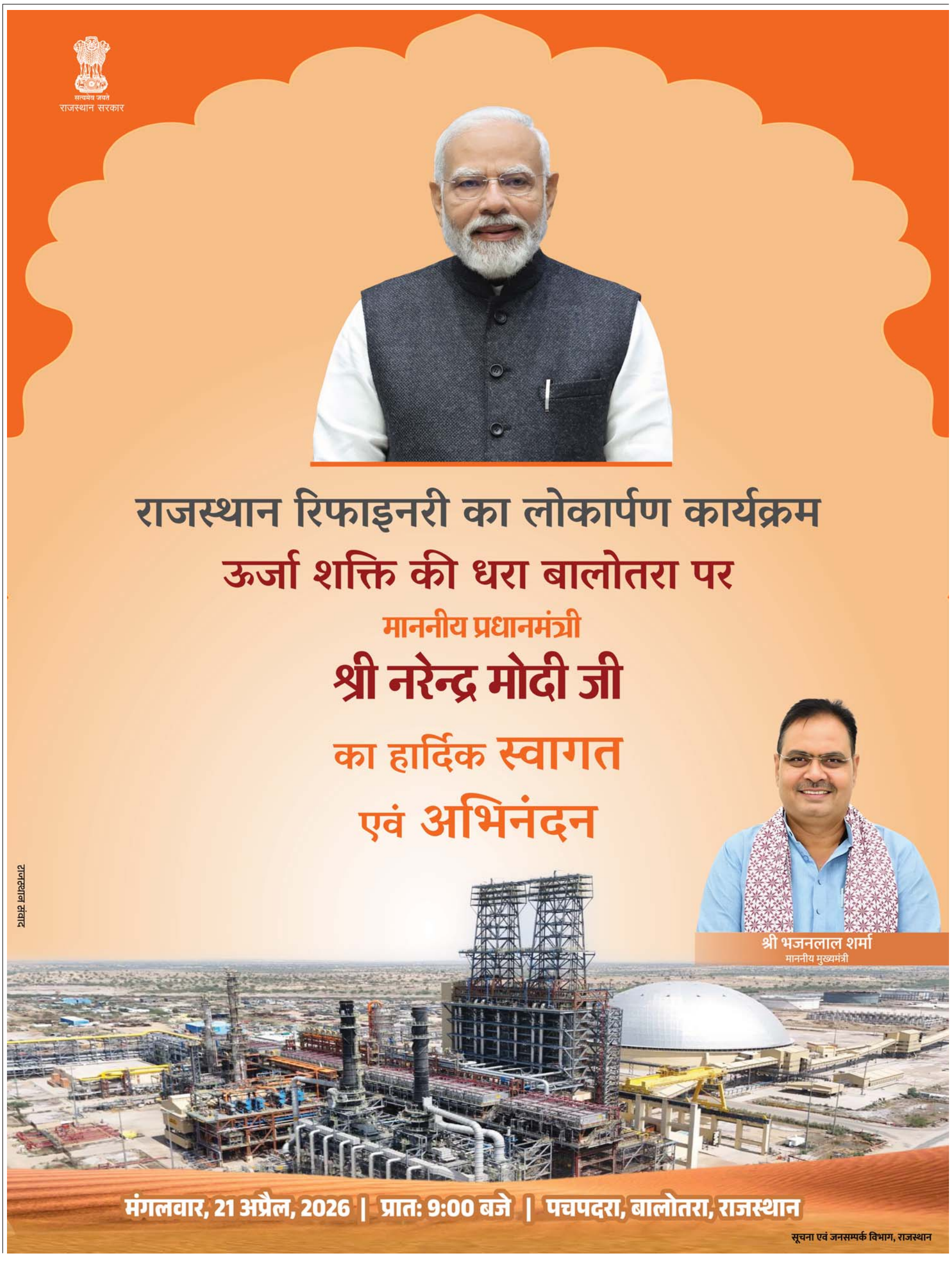

हार्दिक पंड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए और जिम्मेदारी वापस रोहित शर्मा को सौंप देनी चाहिए। रोहित शर्मा की कप्तानी में 2022 तक मुंबई इंडियंस ने 5 ट्रॉफी जीतीं। **- मनोज तिवारी**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, हार्दिक पंड्या की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

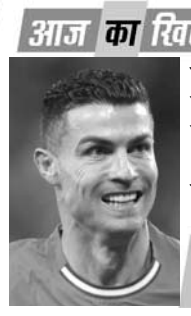

दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलर में से एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो यूं ही रातों रात स्टार नहीं बन गया। रोनाल्डो ने 7-8 साल की उम्र में ही फुटबॉल खेलना शुरू किया और बचपन में 1992 से 1995 तक एंडोरिन्हा के लिए खेले जहां उनके पिता किट मैन थे। 1997 में रोनाल्डो जब 12 साल के हुए तब स्पोर्टिंग सीपी के साथ तीन दिन के ट्रायल पर गए जिसने उन्हें 1500 पाउंड की फीस पर साइन किया। इसके बाद वो मदीरा से लिस्बन चले गए ताकि स्पोर्टिंग सीपी के यूथ सिस्टम में शामिल हो सकें। महज 14 साल की उम्र में रोनाल्डो ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 2002, 2013 और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की है।

करौली क्रिकेट संघ को लेकर लंबित अपील दो माह में तय करे खेल सचिव

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने खेल सचिव को कहा है कि वह करौली क्रिकेट संघ को लेकर लंबित अपील पर सभी पक्षों को सुनवाई का मौका देकर साठ दिन में उसका निस्तारण करे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश करौली जिला क्रिकेट संघ व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता अर्पित गुप्ता ने अदालत को बताया कि गत वर्ष 18 मार्च को सहकारिता रजिस्ट्रार ने याचिकाकर्ता संघ को भंग कर एडहॉक कमेटी का गठन किया था। इस आदेश की अपील पर खेल सचिव ने 23 मार्च, 2025 को 18 मार्च के आदेश पर तीस मई तक रोक लगा दी थी। वहीं छह जून को प्रकरण की सुनवाई कर खेल सचिव ने पूर्व में दिए स्टे को हटा दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि खेल सचिव को विस्तृत आदेश कारण सहित पारित करना था, लेकिन उन्होंने मशीनी अंदाज में कार्रवाई की। इसका विरोध करते हुए एडहॉक कमेटी व अन्य की ओर से अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट की ओर से खेल सचिव के आदेश पर रोक लगाने के बाद हाईकोर्ट में याचिका लंबित चल रही है। जिसके कारण खेल सचिव प्रकरण को तय नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में प्रकरण को पुन: खेल सचिव के समक्ष भेजा जाए और वे दोनों पक्षों को सुनकर इसे तय कर देंगे। याचिकाकर्ता की ओर से इस तर्क पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई। इस पर अदालत ने खेल सचिव को अपील का साठ दिन में निस्तारण करने को कहा है।

एसबीएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 17अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में एसबीएस क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 236 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। अरमान सिंह ने 88 और आयुष्मान ने 35 रनों का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से शिवा सिंह, लक्ष्य और अध्यात्म शर्मा ने 2- 2विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट अकादमी 20 ओवर में 55 रन पर ऑल आउट हो गई। एसबीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक ने 5 और समर झाझरिया ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच मयंक को चुना गया।

क्रिकेट ट्रेनिंग में हर खिलाड़ी को मिलेगा प्रोफेशनल कोच जैसा मार्गदर्शन

मुंबई, 17अप्रैल। क्रिकेट सीखने वाले हर खिलाड़ी का सपना होता है कि उसे किसी बड़े खिलाड़ी से ट्रेनिंग मिले, लेकिन यह मौका हर किसी को नहीं मिल पाता। अब टेक्नोलॉजी के जरिए यह दूरी कम होती नजर आ रही है, जहाँ बेहतर कोचिंग हर खिलाड़ी की पहुँच में है। एआई आधारित स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म काबुनी ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को अपने सुपर कोच के रूप में शामिल किया है। इस साझेदारी से खिलाड़ियों को टेक्नोलॉजी के साथ-साथ इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव भी मिलेगा। काबुनी के सुपर कोच शेन वॉटसन ने कहा, "क्रिकेट छोटे-छोटे बदलावों का खेल है और काबुनी इन्हें समझना और सुधारना आसान बना देता है। यह हर स्तर के खिलाड़ी के लिए बेहद उपयोगी है।" वहीं, काबुनी के फाउंडर और सीईओ निमेश पटेल ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि हर खिलाड़ी तक प्रोफेशनल कोचिंग पहुँचे। इस साझेदारी से हम उस दिशा में और आगे बढ़ रहे हैं।" काबुनी का प्लेटफॉर्म खिलाड़ी की मूवमेंट और गेंद की ट्रैकिंग को रियल टाइम में रिकॉर्ड करता है और उसे आसान सलाह में बदल देता है। इसकी इम्प्रूवमेंट एप्रोच छोटी-छोटी गलतियों को तुरंत ठीक करने पर काम करता है, जिससे समय के साथ बड़ा फर्क देखने को मिलता है। कुल मिलाकर, यह पहल क्रिकेट ट्रेनिंग को ज्यादा आसान, समझने लायक और हर खिलाड़ी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17 राजीव गांधी एकेडमी ने शास्त्री एकेडमी को हराया

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने शास्त्री एकेडमी को 119 रनो से हराया। नारायणा ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिफान खान के 116 रन, निलय अरोड़ा के 67 रन, पुनीत यादव के 69 रन व अनिरुद्ध सिंह के 44 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 381 रन बनाए। शास्त्री एकेडमी के लिए के लिए वैभव सिंह ने 58 पर 3, अल्तमस शेख ने 92 पर 2, व हेमेंद्र पारीक ने 66 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में शास्त्री एकेडमी की टीम ने नवीन शर्मा के 106 रन, अल्तमश शेख के 223 रन, पार्थ के 27 रन, हेमेंद्र पारीक के 25 रन, लवमीत गुर्जर के 23 रन व आर्यन के 20 रनो से 45.2 ओवर में 262 रन बनाकर आउट हो गई।

गिल की फिफ्टी से गुजरात टाइटंस ने केकेआर को पांच विकेटों से हराया

25 करोड़ी कैमरन ग्रीन का चला बल्ला

अहमदाबाद, 17 अप्रैल। गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 5 विकेट से हरा दिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेऔर ने 181 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे शुभमन गिल की 86 रनों की पारी की मदद से जीटी ने 5 विकेट खोकर 19.4 ओवर में हासिल कर लिया।

इस मैच में टॉस जीतकर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्ये रहाणे ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया जो पूरी तरह से गलत साबित हुआ और केकेआर के शुरुआती तीन विकेट जल्दी आउट हो गए। इसके बाद कैमरन ग्रीन और रोवमैन पॉवेल ने स्थिति को संभाला लेकिन कैमरन ग्रीन की 79 रनों की पारी के बाद भी टीम 20 ओवर में 180 रन ही बना सकी।

आखिर के पांच ओवर में जीटी के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 35 रन दिए और 5 विकेट चटकाए। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान शुभमन गिल ने 50 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली। अन्य बल्लेबाजों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। अंत में मैच थोड़ा फंसता हुआ दिखा, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए शाहरुख खान ने आसानी से इस मैच को जिताने में अहम भूमिका निभाई। 19.4 ओवर में जीटी ने इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस हार के साथ केकेआर की टूर्नामेंट में 5वीं हार है. जबकि जीटी ने 3 मुकाबले जीत लिए हैं और पॉइंट्स टेबल पर चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

आईपीएल 2026 : राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रविंदर सिंह भिंडर पर बीसीसीआई ने 1 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रविंदर सिंह भिंडर पर बीसीसीआई ने 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई पीएमओए (प्लेयर्स मैच ऑफिसियल्स एरिया) प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण की गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। यह घटना 10 अप्रैल 2026 को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मैच नंबर 16 के दौरान हुई थी। भिंडर पर टीम डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग का आरोप है, जो बीसीसीआई के नियमों के तहत प्रतिबंधित है।

आईपीएल के दिशा-निर्देशों के अनुसार, डगआउट क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन के उपयोग की अनुमति नहीं होती। केवल टीम मैनेजर और मीडिया मैनेजर को डिवाइस इस्तेमाल की अनुमति होती है, वह भी केवल ड्रेसिंग रूम के भीतर, डगआउट में नहीं।

भिंडर ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बिना शर्त माफी मांगी है। चूंकि यह उनका पहला उल्लंघन था, इसलिए बीसीसीआई ने पीएमओए प्रोटोकॉल के तहत 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और भविष्य में नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी भी दी है। गौरतलब है कि आईपीएल हर सीजन से पहले टीम कप्तानों और मैनेजरों के लिए अनिवार्य ब्रीफिंग आयोजित करता है, जिसमें एंटी-करप्शन और सुरक्षा से जुड़े नियमों की जानकारी दी जाती है।

रविंदर सिंह भिंडर लंबे समय से राजस्थान रॉयल्स से जुड़े हुए हैं। 2016 से 2018 के बीच टीम के निलंबन के दौरान उन्होंने राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के साथ भी काम किया था, इसके बाद 2018 में वह दोबारा राजस्थान रॉयल्स से जुड़ गए। अब राजस्थान रॉयल्स का अगला मुकाबला रविवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा।

जांचकर्ता रोमी भिंडर के जवाब से पूरी तरह संतुष नहीं थे जिस कारण उनके खिलाफ एक्शन लेना जरूरी समझा गया। इस कारण उनपर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और साथ ही चेतावनी भी दी गई। बीसीसीआई ने साफ किया कि आगे ऐसे मामले सामने आते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उबर कप से बाहर हुए ट्रीसा-जॉली और गायत्री गोपीचंद, श्रुति-प्रिया को मिला मौका

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। उबर कप से पहले भारतीय महिला बैडमिंटन टीम को बड़ा झटका लगा है। देश की शीर्ष महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पिछले महीने स्विस ओपन के दौरान ट्रीसा के कंधे में लगी चोट के बाद से कोर्ट से बाहर चल रही थीं। दोनों खिलाड़ी बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में वापसी के लिए तैयार थीं, लेकिन ट्रीसा को फिर से चोट लगने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।

बीएआई ने उनकी जगह श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजेंगबम की जोड़ी को टीम में शामिल किया है। यह जोड़ी फिलहाल विश्व रैंकिंग में 48वें स्थान पर है। महिला प्रतियोगिता 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में आयोजित होगी। टीम में काविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी भी शामिल है। टीम की अगुवाई दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु करेंगी। एकल वर्ग में उन्नित हुड्डा, तान्वी शर्मा, देविका सिहाग और इशारानी बरुआ जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है। इसके अलावा तनीषा क्रास्टो भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्हें युगल मुकाबलों का अनुभव हासिल है।

आईपीएल 2026 में फ्लॉप क्यों हो रहे हैं बुमराह ? 5 मैच में एक भी विकेट नहीं

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2026 में विकेटों के सूखे से जूझ रहे हैं। टूर्नामेंट के पांच मैच खेल चुके बुमराह विकेट का खाता अभी तक नहीं खुला सके हैं। ये उनके करियर का लंबा सूखा है, जो फैंस को हैरान कर रहा है। मुंबई इंडियंस के सबसे बड़े हीरो माने जाने वाले जसप्रीत बुमराह इस सीजन में टीम के लिए जीरो साबित हो रहे हैं। ना वह विकेट ले पा रहे हैं और ना ही रनों पर लगाम। जो मैनेजमेंट के लिए सबसे बड़ी टेंशन बन गया है।

आईपीएल 2026 में बुमराह ने अब तक पंजाब किंग्स, आरसीबी, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गेंदबाजी की है। इन मुकाबलों में उन्होंने कुल 164 रन दिए है और उनकी इकोनॉमी रेट 8.63 की रही है। औसतन वह हर ओवर में करीब 8-9 रन लुटा रहे हैं जो हाई-स्कोरिंग आईपीएल में बुरा नहीं माना जा सकता लेकिन बुमराह जैसे स्ट्राइक बॉलर से विकेटों की उम्मीद हमेशा रहती है।

क्यों हो रहे हैं बुमराह फ्लॉप?

बल्लेबाज अब बुमराह के खिलाफ पहले से ज्यादा आक्रामक और आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। पहले जहां बुमराह का नाम सुनते ही बल्लेबाज सतर्क हो जाते थे लेकिन अब बल्लेबाज उनसे बिना डरे ही बड़े शॉट्स खेल रहे हैं। उनकी गेंदों का सामना करने की बैटिंग अप्रोच में साफ बदलाव दिख रहा है, जो बुमराह के विकेट लेने की क्षमता पर असर डाल रहा है।

भारत में नहीं देख पाएंगे फीफा वर्ल्ड कप के मैच, नहीं मिल रहा है ब्रॉडकास्टर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में दो महीने से भी कम का समय बचा हुआ है। ये दुनिया के सबसे बड़ा स्पोर्ट्स इवेंट में एक माना जाता है। 11 जून से टूर्नामेंट की शुरुआत होनी है। अमेरिका के साथ कनाडा और मैक्सिको के पास इसकी मेजबानी है। टूर्नामेंट में इस बार 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत की फुटबॉल टीम भले ही फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है लेकिन टूर्नामेंट को लेकर देश में काफी क्रेज रहता है। लेकिन अभी तक ये साफ नहीं है कि भारत में टूर्नामेंट का प्रसारण होगा या नहीं। अभी तक भारत के किसी भी टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मीडिया राइट्स नहीं खरीदे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हुई थी मैच फिक्सिंग! आईसीसी की रडार पर कनाडा और न्यूजीलैंड मैच

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। क्रिकेट जगत में मैच फिक्सिंग की खबरें 90 के दशक के दौरान आम मानी जाती थी। लेकिन मौजूदा समय में इस तरह की खबर ने खेल प्रेमियों को असमंजस में डाल दिया है। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 की चमक पर अब फिक्सिंग के काले बादल छा गए हैं। दरअसल, इस टूर्नामेंट में कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच 17 फरवरी को जो मुकाबला खेला गया था उस पर अब सवाल उठने लगे हैं। आईसीसी ने इस मैच की गहराई से जांच शुरू कर दी है। बता दें कि, 2026 के इस वर्ल्ड कप का फाइनल भारत ने जीता था और टीम इंडिया लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी थी। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच 17 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में न्यूजीलैंड और कनाडा के बीच मुकाबला खेला गया था। अभी इसी मैच को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए जा रहे हैं। ये पूरा मामला तब सामने आया जब कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी ने 10 अप्रैल को एक 43 मिनट की डॉक्यूमेंट्री दिखाई, जिसका नाम था करप्शन, क्राइम और क्रिकेट। इस रिपोर्ट में क्रिकेट कनाडा के भीतर चल रही धांधली और गवर्नेंस के मुद्दों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच का मुख्य केंद्र न्यूजीलैंड की पारी का पांचवां ओवर है। इस ओवर को कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने फेंका था। गौर करने वाली बात ये है कि बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही टीम का कप्तान बनाया गया था। बाजवा ने शुरुआत एक नो-बॉल और एक वाइड के साथ की। पूरे ओवर में उन्होंने 15 रन लुटा दिए थे। न्यूजीलैंड ने 174 रनों के लक्ष्य को बड़ी आसानी से सिर्फ 15.1 ओवर में हासिल कर लिया और इस दौरान कोई और विकेट भी नहीं गिरा। मामला सिर्फ एक ओवर तक सीमित नहीं है। आईसीसी एक रिकॉर्डेड फोन कॉल की भी जांच कर रही है, जो कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़ा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड मेंबर्स उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को टीम में चुनने का दबाव डाल रहे थे। उन्होंने ये भी दावा किया कि मैच फिक्स करने की कोशिशें की गई थीं

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप की रेस में प्रभसिमरन और अय्यर की मजबूत दावेदारी, विराट शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ रोमांचक होती जा रही है। मैच नंबर 24 के बाद, जहां पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को एकतरफा मुकाबले में हराया, अंक तालिका के साथ-साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन की रेस में भी हलचल देखने को मिली है।

ऑरेंज कैप की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, लेकिन पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर तेजी से उन्हें चुनौती दे रहे हैं। मुंबई के खिलाफ मुकाबले में प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली, जबकि श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में 66 रन बनाए। इस प्रदर्शन के बाद प्रभसिमरन 211 रन के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, वहीं अय्यर 203 रन बनाकर छठे स्थान पर काबिज हैं।

सूची में विराट कोहली के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन का स्थान है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी, जो कुछ समय पहले तक शीर्ष पर थे, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद सातवें स्थान पर खिसक गए हैं।

पर्पल कैप की रेस में शीर्ष नौ स्थानों पर कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन मुंबई इंडियंस के शार्दुल ठाकुर ने टॉप-10 में जगह बना ली है। वह 6 विकेट के साथ 10वें स्थान पर हैं। इस सूची में गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 10-10 विकेट लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके पीछे लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई 9-9 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार व क्रुणाल पांड्या 7-7 विकेट के साथ इस दौड़ में बने हुए हैं।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 'ग्रीन जर्सी' में उतरेगी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

बेंगलुरु, 17 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में अपनी खास 'ग्रीन जर्सी' में नजर आएगी। यह पहल फ्रेंचाइजी के पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

रीसाइकिल्ड सामग्री से बनी यह ग्रीन जर्सी आरसीबी की 'ग्रीन इनिशिएटिव' का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत 2011 में की गई थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दुनिया की एकमात्र कार्बन-न्यूट्रल टी20 फ्रेंचाइजी है और अब वह कार्बन-पॉजिटिव बनने की दिशा में काम कर रही है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मेनन ने कहा, टी20 फ्रेंचाइजी के रूप में कार्बन-न्यूट्रल दर्जा हासिल करना वर्षों की मेहनत का परिणाम है। ठीन जर्सी इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है और हम उम्मीद करते हैं कि यह पहल हमारे प्रशंसकों और साझेदारों को भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

आरसीबी अपने मैचों के दौरान दर्शकों के व्यवहार का भी अध्ययन कर रही है। स्टेडियम में सर्वे के जरिए यह देखा जा रहा है कि प्रशंसक किस तरह यात्रा करते हैं, राइड-शेयरिंग का कितना उपयोग होता है और प्रति दर्शक कार्बन उत्सर्जन कितना है।

फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों को सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया है। मैच टिकट के साथ बेंगलुरु मेट्रो में यात्रा की सुविधा दी जा रही है। स्टेडियम स्तर पर कचरा प्रबंधन को भी मजबूत किया गया है, जिसमें कचरे के पृथक्करण और निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा सौर ऊर्जा आधारित लाइटिंग, ऊर्जा बचत और अन्य उपायों के जरिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने की कोशिश की जा रही है।

आरसीबी टीम यात्रा, आवास और ऊर्जा खपत से जुड़े अपने कार्बन फुटप्रिंट का भी विस्तृत आकलन कर रही है। पूरे सीजन के दौरान मैच-दिवस पर सस्टेनेबिलिटी ऑडिट भी किए जाएंगे, जिनके आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

रूस ने तीसरे फ्रेंडली मैच में भारतीय अंडर-17 महिला टीम को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने रूस दौरे का समापन हार के साथ किया। सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में शुक्रवार को खेले गए तीसरे और अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में मेजबान रूस ने भारत को 3-0 से पराजित किया। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रूस ने बढ़त बना ली। 46वें मिनट में वैलेरिया मेन्याइलोवा ने गोल कर रूस को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में पोलिना फ्रोलोवा ने बढ़त दोगुनी की और इंजरी टाइम (90 2) में अन्ना बिखानोवा ने तीसरा गोल कर मैच पर रूस की मुहर लगा दी। मैच के 82वें मिनट में भारत की जूलन नोंगमैथम को दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग

एसजे पब्लिक स्कूल ने जयपुर स्पोर्ट्स क्लब को 6 विकेट से पराजित किया

जयपुर, 17 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में एस जे पब्लिक स्कूल ने जयपुर स्पोर्ट्स क्लब को 6 विकेट से पराजित किया। के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के मैच में जयपुर स्पोर्ट्स क्लब टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.1 ओवर में 202 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें शिवांजल अग्रवाल ने सर्वाधिक 48 रन, संजू सारण 36 रन, आदित्य जाखड़ 33, आशीष शर्मा ने 32 रन तथा शोभित मिश्रा ने 18 रनों का योगदान दिया एस जे पब्लिक स्कूल के लिए मोहित मेघानी ने 32 पर 3, वीरेंद्र शर्मा ने 44 पर 3, उमेश मीना ने 39 पर 2 व दिनेश मीना ने 1 विकेट लिया।

जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल की टीम ने 40.2 ओवर में 4 विकेट खोकर 202 रन बना कर मैच जीत लिया। जिसमें अक्षत चांदवाल 74 रन, दिनेश मीना 58 रन, उमेश मीना 19 रन, जतिन ने 14 रन बनाए जयपुर स्पोर्ट्स क्लब के लिए संजय महावर ने 33 पर 2 तथा, रुद्राक्ष परवाल ने 34 पर 2, अविनाश यादव तथा वेदांग शर्मा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पूर्व आज जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

आरसीए एडहॉक कमेटी : हिन्दुस्तान जिंक प्रतिनिधियों के मध्य हुई आरसीए के निर्माणाधीन स्टेडियम के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा : डॉ. मोहित

जयपुर, 17 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार जयपुर में चौंपस्थित आरसीए के निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की सहयोगी हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने आज आरसीए एडहॉक कमेटी से मुलाकात कर स्टेडियम के सम्बद्ध में चर्चा की। संयोजक के अनुसार आरसीए कार्यालय, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आरसीएएडहॉक कमेटी व हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मध्य हुई चर्चा में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य आशीष तिवाड़ी, अरिष्ट सिंघवी मौजूद रहे व आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। मीटिंग में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रतिनिधि के तौर पर अनुपम निधि, मंयक सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने आरसीए के चौंप में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को गति प्रदान करने में सहयोग के सम्बन्ध में सकारात्मक रुख अपनाते हुए आरसीए एडहॉक कमेटी से स्टेडियम के निर्माण से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों स्टेडियम के वर्तमान निर्माण की समीक्षा व गुणवत्ता, स्टेडियम निर्माण के आगामीफेज की रुपरेखाव आरसीए, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड व अन्य सहयोगियों के मध्य आपसी सामंजस्य पर गहन चर्चा की। संयोजक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने हिंदुस्तान जिंक के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया की हम सभी सम्बंधित सहयोगी संस्थाओं की एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन करेंगे जो स्टेडियम के अब तक के निर्माण व व्यय की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट एडहॉक कमेटी को सौंपेगी जिससे स्टेडियम के अगले चरण का निर्माण जल्द से जल्द प्रारम्भ हो। उन्होंने कहा की हमारा हमारा प्रयास है की जयपुर में आरसीए, बीसीसीआई, हिंदुस्तान जिंक व अन्य सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण जल्द से जल्द पूरा कर राज्य के लोकप्रिय व यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भजन लाल शर्मा की द्वारा स्टेडियम का उद्घाटन कराया जाये जिससे राज्य के करोड़ों खेल प्रेमियों व खिलाडियों को एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम की सौगात प्राप्त हो।

कड़ी मेहनत और लगन से सफलता जरूर मिलेगी : डॉ. कृष्णा पूनिया

जयपुर, 17 अप्रैल। किसी भी सफल खिलाड़ी के पीछे उसकी कड़ी मेहनत, लगन और उसका डेडिकेशन अहम होता है। वह अपने लक्ष्य को पाने के लिए दिन रात एक कर देता है, यह बात पूर्व व पदमश्री ओलंपियन डाक्टर कृष्णा पूनिया ने शुक्रवार को जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ योगा एंड स्पोर्ट्स एजुकेशन द्वारा आयोजित जेयू स्पोर्ट्स लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे कही। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की पूर्व अध्यक्ष डा.कृष्णा ने अपने संबोधन में अपनी सक्सेस स्टोरी सुनाते हुए कहा कि उन्होंने शादी के बाद और वो भी मेरे बेटे के जन्म के बाद खेलना शुरु किया और कडी मेहनत करके 52 साल के बाद किसी महिला खिलाड़ी के रूप में कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। लेकिन यह सब तब हो पाया जब मैने कडी मेहनत की और सब कुछ भूलकर केवल मेरे लक्ष्य पर ध्यान पर दिया। मुख्य अतिथि के रूप डाक्टर पूनिया ने कहा कि सफलता का कोई शोर्ट कट नहीं है। महनत से सफलता जरूर मिलती है, इसलिए लक्ष्य को ध्यान में रखकर मेहनत करेगें का सफल जरूर होगें।

जनमानस ने मन बनाया, प.बंगाल में भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी में कहा कि बंगाल की जनता तृष्टिकरण व भ्रष्टाचार से त्रस्त है

सिलीगुड़ी/जयपुर, 17 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति से जनता त्रस्त है। ममता जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास अवरूद्ध हो गया है, सरकारी खजाने को लूटा जा रहा है तथा घुसपैठियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, भाजपा का संकल्प है, साफ नीयत, स्पष्ट नीति और तेज गति से विकास। पश्चिम बंगाल में जनमानस ने भाजपा के पक्ष में मन बना लिया है और यहां भाजपा की सरकार भारी बहुमत से जीतेगी। शर्मा शुक्रवार को पश्चिमी बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित मारवाड़ी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

- मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी में मारवाड़ी समाज के कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष के पक्ष में रोड शो में भाग लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष के समर्थन में आयोजित भव्य रोड शो में भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी देश और दुनिया में राजस्थान की संस्कृति और परम्परा को फैलाने का कार्य कर रहे हैं। मारवाड़ी लोगों को अपने परोपकारी कार्यों के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है। प्रवासी राजस्थानी केवल आर्थिक गतिविधियाँ ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार के कार्य भी करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज ने कर्मभूमि में अस्पताल, स्कूल, धर्मशालाएं, गौशाला और देवालय बनवाकर सेवा भाव का परिचय दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में केन्द्र सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना के तहत 520 किमी लंबा गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बन रहा है, जिससे अब यूपी से बंगाल की दूरी घंटों में सिमट जाएगी। साथ ही, कोलकाता-सिलीगुड़ी के बीच 6-लेन हाईवे और बागडोगरा एयरपोर्ट का नया आधुनिक टर्मिनल यहां के व्यापार और पर्यटन की तस्वीर बदल देगा।

मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी में भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष के समर्थन में आयोजित भव्य रोड शो में भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर आमजन का अभिवादन स्वीकार किया। शर्मा का विभिन्न स्थानों पर लोगों ने फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। 'भारत माता की जय' 'जय श्री राम' और भाजपा के समर्थन में लगे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने दोहरी नागरिकता पर राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिये

लखनऊ, 17 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दोहरी नागरिकता के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश ने कांग्रेस सांसद की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हाई कोर्ट लखनऊ बेंच का आदेश जारी होने के बाद एक बार फिर यह मामला गरमा गया है। कोर्ट में दायर अर्जी में गांधी पर ब्रिटिश नागरिक होने का आरोप लगाया गया है। दरअसल, राहुल गांधी के रायबरेली से सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका में राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता रखने का दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि कांग्रेस सांसद भारतीय नागरिक होने के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता भी रखते हैं।

हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है। दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई।

ईरान से भारत ने 2361 लोगों को सुरक्षित निकाला

विदेश मंत्रालय ने बताया इनमें बांग्लादेश, श्रीलंका व गुयाना का एक-एक नागरिक भी शामिल है

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक, ईरान से अपने एवं मित्र देशों के 2361 नागरिकों को आर्मेनिया और अज़रबैजान के रास्ते से सुरक्षित निकाला है।

- विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान में अभी भी 6 से 7 हजार भारतीय मौजूद हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, "संघर्ष के प्रकोप के बाद से हमने 2,361 नागरिकों को ईरान से सुरक्षित रूप से निकालने में मदद की है। इनमें से 2,060 आर्मेनिया के माध्यम से और 301 अज़रबैजान के माध्यम से आए हैं। इन 2,361 लोगों में 1,041 भारतीय छात्रों के साथ तीन विदेशी भी शामिल हैं। एक बांग्लादेश से, एक श्रीलंका से और एक गुयाना से है।"

उन्होंने कहा कि ईरान में अभी भी 6000 से 7000 भारतीय मौजूद हैं। पश्चिम एशिया संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (खाड़ी) असीम महाजन ने भी कहा, "सरकार खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में निगरानी करना जारी रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय में एक समर्पित विशेष नियंत्रण कक्ष परिचालन कर रहा है और हमारे मिशनों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। स्थानीय सरकार के दिशानिर्देशों, उड़ान और यात्रा की स्थिति, कांसुलर सेवाओं और हमारे समुदाय का समर्थन करने के लिए किए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी उपायों से संबंधित जानकारी के साथ अपडेटेड सलाह जारी की जा रही है।"

महाजन ने कहा कि इस क्षेत्र से भारत के लिए उन देशों से उड़ानें जारी हैं, जहां हवाई क्षेत्र खुला है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने अब तक ईरान से आर्मेनिया और अज़रबैजान तक 2,358 भारतीय नागरिकों की भारत की आगे की यात्रा के लिए आवाजाही की सुविधा प्रदान की है। इज़राइल का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से प्रतिबंधित उड़ान संचालन के साथ खुला है। हम जॉर्डन और मिस्र के माध्यम से इज़रायल से भारतीय नागरिकों की यात्रा को भारत तक सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

खंडपीठ ने वेटनरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में कहा गया कि आरपीएससी ने गत 17 जुलाई को वेटनरी ऑफिसर के लिए भर्ती निकाली थी, जिसमें उन अभ्यर्थियों को भी आवेदन करने की अनुमति दी गई, जो पाठ्यक्रम के अंतिम साल में थे या इंटर्नशिप कर रहे थे। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि आयोग ने 19 अप्रैल, 2026 को भर्ती परीक्षा तय की है, लेकिन उस समय तक उनकी इंटर्नशिप पूरी नहीं हुई है। पशुपालन विभाग ने भी गत 9 जनवरी को परीक्षा तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया और मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भी हस्तक्षेप किया गया, लेकिन आयोग ने तिथि नहीं बढ़ाई। इसके अलावा, पशुपालन विवि ने भी आयोग को पत्र लिखकर इंटर्नशिप में देरी के कई कारण बताए थे। ऐसे में परीक्षा को आगे बढ़ाया जाए। इसका विरोध करते हुए आरपीएससी की ओर से अधिवक्ता एमएफ बेग ने कहा कि अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी हो चुके हैं और सभी बीस परीक्षा केन्द्रों पर सारी तैयारी कर ली गई है।

यदि परीक्षा टाली गई तो चयन प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होगी। इसके अलावा हाईकोर्ट की एकलपीठ भी परीक्षा तिथि में बदलाव से इनकार कर चुकी है। मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने परीक्षा तिथि बढ़ाने से इनकार कर दिया है।

रूस से तेल खरीदने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महीनों में रूस भारत के लिए तेल का एक प्रमुख स्रोत बना रहेगा, लेकिन व्यापार करने का तरीका बदल सकता है। उदाहरण के लिए, भारतीय रिफाइनरी कंपनियां आने वाले महीनों में सीधे प्रतिबंधित रूसी फर्मों से डील करने से बचेंगी और इसके बजाय, व्यापार मध्यस्थों का उपयोग करना पसंद करेंगी। साथ ही, भारत शिपिंग और भुगतान के लिए कड़ी अनुपालन जांच का पालन करेगा।

अमेरिकी छूट का उद्देश्य खाड़ी संकट के बीच वैश्विक तेल आपूर्ति में अचानक व्यवधान को रोकना था। इस छूट ने सुनिश्चित किया कि कट-ऑफ तिथि से पहले समुद्र में भेजा गया कच्चा तेल अभी भी खरीदारों तक पहुँच सके। इससे वैश्विक बाजार स्थिर रहने में मदद मिली। भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूसी आपूर्तिकर्ताओं की ओर अधिक आकर्षित हुईं, क्योंकि उन्होंने कम कीमत और बड़ी मात्रा में कच्चा तेल उपलब्ध कराया।

वैश्विक तेल बाजार भू-राजनीतिक तनाव, कुछ क्षेत्रों में शिपिंग जोखिम और सप्लाई चेन में व्यवधान के कारण, कीमत के मामले में संवेदनशील बना हुआ है। इसलिए, भारत कम से कम कुछ समय रूसी तेल की खरीद जारी रख सकता है, हालांकि व्यापार का तरीका अधिक जटिल होने की और सतर्क निगरानी रहने की संभावना है।

विदेश मंत्रालय शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध की समीक्षा कर रहा है

साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता ने कहा कि समीक्षा में न्यायिक व आंतरिक कानूनी प्रक्रियायें शामिल हैं

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मामले में शुक्रवार को स्पष्ट किया कि इससे जुड़ी एक याचिका की समीक्षा की जा रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में शेख हसीना के मुद्दे पर कहा कि इस संबंध में एक अनुरोध विचाराधीन है, जो चल रही न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओं का हिस्सा है। भारत इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों के साथ रचनात्मक रूप से संवाद जारी रखेगा और हर स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक जुड़ाव की भारत की इच्छा दोहराई है और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया है।

- प्रवक्ता ने बताया कि नीरव मोदी के प्रत्यर्पण पर भारत ब्रिटेन से लगातार संपर्क में है।

दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने के लिए विभिन्न द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से प्रस्तावों पर विचार करने पर सहमति जताई है। वहीं, देश के भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण से जुड़े प्रश्न पर जायसवाल ने कहा कि भारत इस मामले में ब्रिटेन के साथ लगातार संपर्क में है। इस विषय में कानूनी प्रक्रिया जारी है और भारत सरकार इस पर करीबी नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की स्पष्ट नीति है कि देश से भागे हुए आर्थिक अपराधियों को वापस लाकर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। सरकार इस दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है और संबंधित देशों के साथ समन्वय के माध्यम से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए थे। उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सौंपने की मांग की थी।

होर्मुज़ खुलने से तेल की कीमत 10 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत के रूप में, ईरान द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट को पूरी तरह से खोलने की घोषणा के बाद शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस कदम से फारस की खाड़ी से तेल टैंकरों की आवाजाही फिर से शुरू हो गई है, जिससे दुनिया भर में ग्राहकों तक कच्चे तेल की आपूर्ति सुचारू हो सकेगी। कच्चे तेल की आपूर्ति बहाल होने और भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद के बीच अमेरिकी शेयर बाजार एक और रिकॉर्ड ऊंचाई की ओर बढ़ गए हैं।

- बैंच मार्क माने जाने वाले अमेरिकी क्रूड की कीमत 81.28 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब स्थिति से बचने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इसका सबसे बड़ा और सीधा असर ऊर्जा बाजार पर दिखा है।

ट्रंप ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप के बयान ऐसे समय में आए हैं जब अमेरिका मध्य पूर्व में कई कूटनीतिक प्रयास आगे बढ़ा रहा है, जिसमें ईरान के साथ बातचीत और इज़रायल-लेबनान सीमा पर तनाव रोकने की कोशिशें शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि हिज़बुल्लाह के मामले में लेबनान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वे हिज़बुल्लाह का ध्यान रखेंगे... वे अभी हिज़बुल्लाह पर काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत आगे बढ़ती है तो वह मिडिल ईस्ट की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "मैं निश्चित रूप से वहाँ जाऊँगा... सही समय पर।" इन बयानों से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका का कूटनीतिक दायरा दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व तक बढ़ रहा है, और वह ईरान और क्षेत्रीय स्थिरता पर प्रगति चाहता है।

"डोन्ट डू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहिए? महिला आरक्षण तैयार है... इसे परिसीमन से जोड़ना भारतीय महिलाओं की आकांक्षाओं को हमारे देश के सबसे विवादास्पद और जटिल प्रशासनिक कवायद में बंधक बनाना है।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को उनका आरक्षण देने का समर्थन करती है।

थरूर ने चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया से उन राज्यों के बीच असंतुलन पैदा हो सकता है, जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया है और जिन्होंने नहीं किया है। उन्होंने सरकार से कहा, "कोई भी परिसीमन प्रक्रिया जटिलताओं से भरी होती है, जो हमारे संघवाद के मूल ताने-बाने को नुकसान पहुँचा सकती है।

परिसीमन प्रक्रिया पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। इसे जल्दीबाज़ी में नहीं किया जा सकता। महिला आरक्षण बिल आज पारित करें, हम उसका समर्थन करेंगे। जहाँ तक परिसीमन का प्रश्न है, इसे टाल दें। महिलाओं को उनका आरक्षण दें, कृपया देश के बड़े हित पर विचार करें।

कोलकाता में तृणमूल नेताओं पर ईडी व इनकम टैक्स की रेड

ईडी व इनकम टैक्स की टीमों ने शुक्रवार सुबह से ही अलग-अलग स्थानों पर रेड की

कोलकाता, 17 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच राज्य में केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाही लगातार जारी है। जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक रियल एस्टेट कंपनी और एक निर्माण संस्था के ठिकानों पर छापेमारी की, वहीं आयकर विभाग की तरफ से रासबिहारी के तृणमूल उम्मीदवार देबाशीष कुमार के घर सहित कई स्थानों पर दबिश दी गई। शुक्रवार सुबह सीजीओ कॉम्प्लेक्स से ईडी की कई टीमें पहुंचीं। उनके साथ केन्द्रीय बल भी थे।

ईडी की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह से ही एक रियल एस्टेट कंपनी के कई ठिकानों पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। ईडी के अधिकारी साल्ट लेक और कोलकाता में चार जगहों पर पहुंचे हैं। उन्होंने न केवल रियल एस्टेट कंपनी, बल्कि एक अन्य निर्माण कंपनी के कार्यालय पर भी छापेमारी की।

- रासबिहारी के तृणमूल प्रत्याशी देबाशीष कुमार के घर इनकम टैक्स की रेड हुई वहीं एक रियल एस्टेट कंपनी पर ईडी ने छापेमारी की।

सूत्रों के मुताबिक, ये सर्च ऑपरेशन वित्तीय धोखाधड़ी के मामले को लेकर है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इस कंस्ट्रक्शन कंपनी से जुड़े घरों, फ्लैटों और दफ्तरों में तलाशी अभियान चलाया गया था। ईडी ने दावा किया कि यह ऑपरेशन चुनाव से पहले अवैध वित्तीय लेनदेन को रोकने और कुछ भूमि संबंधी मामलों में लेनदेन की जानकारी खोजने के लिए था।

दूसरी ओर, ईडी के अलावा एक अन्य केन्द्रीय एजेंसी आयकर विभाग भी कोलकाता में तलाशी अभियान चला रहा है। उन्होंने शुक्रवार सुबह रासबिहारी निर्वाचन क्षेत्र के तृणमूल उम्मीदवार देबाशीष कुमार के घर सहित कई स्थानों पर दबिश दी।

आयकर विभाग की एक टीम शुक्रवार सुबह रासबिहारी के निवर्तमान विधायक देबाशीष के मनोहरपुकुर रोड स्थित घर पहुंची। न सिर्फ उनके घर, बल्कि मनोहरपुकुर रोड स्थित उनके चुनाव कार्यालय पर भी आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापा मारा था।

'एक माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की एकलपीठ ने यह आदेश सुंदरी देवी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि हाईकोर्ट की खंडपीठ साल 2023 में तय कर चुकी है कि बहू भी बेटी के समान अनुकंपा नियुक्ति की हकदार है, तो यह जानते हुए भी विभाग की ओर से जवाब में वही आपत्ति उठाई गई है, जिसे पूर्व में खारिज किया जा चुका है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के पति की भी छह साल पूर्व मौत हो चुकी है। ऐसे में परिवार के सभी आश्रित याचिकाकर्ता पर ही निर्भर हैं।

याचिका में अधिवक्ता आरसी गौतम ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के ससुर सार्वजनिक निर्माण विभाग में पदस्थापित थे। इस दौरान 19 नवंबर, 2016 को उनकी मौत हो गई। याचिकाकर्ता के पति का पिता के जीवनकाल में ही एक्सीडेंट हो गया था और वह पूरी तरह से बेड पर आ गया था। ऐसे में याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन विभाग ने उस पर विचार नहीं किया। मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को एक माह में नियुक्ति देते हुए, पालना रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा है।

ईरान में 48 दिन बाद गूगल सर्च सेवा बहाल

ईरान ने युद्ध शुरु होने पर इंटरनैट बंद कर दिया था उसमें अब आंशिक राहत देनी शुरु कर दी है

तेहरान, 17 अप्रैल। ईरान में करीब 48 दिनों तक चले इंटरनेट प्रतिबंधों के बाद आंशिक अब राहत मिली है। देश में अब गूगल सर्च सेवा बहाल कर दी गई है, जिससे आम नागरिक फिक्स्ड लाइन और मोबाइल इंटरनेट के जरिए सर्च इंजन का उपयोग कर पा रहे हैं। हालांकि, इंटरनेट कनेक्टिविटी अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो सकी है और कई जगहों पर उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जहां एक ओर गूगल सर्च की वापसी हुई है, वहीं जीमेल समेत, कई अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं अब भी बंद हैं। इससे स्पष्ट है कि देश में इंटरनेट सेवाएं अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई हैं और डिजिटल गतिविधियों पर आंशिक प्रतिबंध जारी है।

- अभी भी जीमेल सहित कई महत्वपूर्ण सेवाएं बंद हैं और इंटरनैट कनैक्टिविटी भी अस्थिर है।

अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और सैन्य संघर्ष के बाद ईरानी सरकार ने देश में इंटरनेट पर सख्त पाबंदियां लगा दी थीं। इस दौरान आम नागरिकों के लिए इंटरनेट एक्सेस लगभग बंद कर दिया गया था। केवल कुछ सीमित यूजर्स, जैसे सरकारी नेटवर्क से जुड़े लोग या वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल करने वाले-ही इंटरनेट का उपयोग कर पा रहे थे।

लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने का देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। रिपोर्ट्स में अनुमान लगाया गया है कि इन पाबंदियों के चलते ईरान को करीब 1.8 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। ई-कॉमर्स, डिजिटल सेवाओं और छोटे व्यवसायों पर इसका सबसे ज्यादा प्रभाव देखने को मिला। सरकार की ओर से इंटरनेट सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सभी सेवाएं पूरी तरह कब तक सामान्य हो पाएंगी। फिलहाल, आंशिक बहाली को एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, लेकिन पूर्ण डिजिटल सामान्य स्थिति बहाल होने में अभी समय लग सकता है।

'15 अप्रैल को हमने आदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अदालत को गुमराह किया गया। मैंने एक छोटा सा त्रुटिपूर्ण दस्तावेज दाखिल किया, और कोर्ट का यह अवलोकन अग्रिम जमानत पर निर्णय लेने वाली किसी भी अदालत को बाध्य नहीं करेगा।

बैंच ने टिप्पणी की, "छोटी गलती? आप जाली और फैब्रिकेटेड दस्तावेज़ दाखिल नहीं कर सकते। और हम इस बात से सहमत नहीं हैं कि असम पुलिस ने अदालत को गुमराह कर आदेश लिया है।"

बैंच ने दोहराया कि जब किसी सक्षम अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दाखिल किया जाता है, तो इसे ट्रांज़िट जमानत देने या उसे रोकने के आदेश से प्रभावित नहीं किया जा सकता।

असम पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने खेड़ा की अग्रिम जमानत को बढ़ाने के प्रयास का विरोध किया। मेहता ने कहा कि खेड़ा को असम में जिला अदालत जाने से कोई नहीं रोक रहा, जो शुक्रवार को खुली है।

असम पुलिस ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी, यह कहते हुए कि खेड़ा "जाली" दस्तावेज़ों के आधार पर उच्च न्यायालय गये। पुलिस ने कहा कि कथित अपराध, प्रेस कॉन्फ्रेंस, जहां खेड़ा ने आरोप लगाए, असम में हुई और मामला असम में दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख किया। उन्होंने कहा कि खेड़ा के आधार कार्ड पर उनका दिल्ली का पता दर्ज था।

खेड़ा ने तर्क दिया कि उनकी पत्नी हैदराबाद की निवासी हैं और वहां विधानसभा चुनाव लड़ी थीं। "यह मूल रूप से मानहानि का मामला है, और सिर्फ इसलिए कि मैंने मुख्यमंत्री को नाराज़ किया, 100 पुलिसकर्मी दिल्ली भेज दिए गए।"

असम मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और पवन खेड़ा के बीच विवाद तब शुरू हुआ, जब खेड़ा ने प्रेस से हुई बातचीत में सन्दर्भित टिप्पणी की।

उन्होंने दावा किया कि सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन सक्रिय विदेशी पासपोर्ट हैं और अमेरिका में कई अघोषित संपत्तियां हैं।

इसके बाद, सरमा ने एफआईआर दर्ज कराई और अधिकारियों ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की। असम पुलिस ने उनके दिल्ली घर पर छापा मारा, लेकिन उस समय वे दिल्ली से बाहर थे।

खेड़ा ने असम की उचित अदालत तक पहुँचने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय में ट्रांज़िट अग्रिम जमानत का आवेदन किया। उच्च न्यायालय ने उन्हें अस्थायी राहत दी, जिससे उन्हें सीमित सुरक्षा मिली, और विधिवत जमानत के लिए असम की क्षेत्राधिकार वाली अदालत का रुख करने का निर्देश दिया।

हिमंता सरकार ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। उच्चतम न्यायालय ने हस्तक्षेप किया और तेलंगाना उच्च न्यायालय के ट्रांज़िट जमानत आदेश पर स्टेट दे दिया।

ईरान ने अचानक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के इंतजाम पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, इस व्यवस्था की निगरानी करने में उनकी क्षमता पर संदेह जताया जा रहा है। लेकिन पहले कदम उठाने की चमक और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के ध्यान से चूक गए ट्रंप ने अपने तरीके से घोषणा की कि ईरानी जहाजों और बंदरगाहों पर अमेरिकन ब्लॉकेड फिलहाल जारी रहेगा। इस प्रकार ट्रंप ने खेल बिगाड़ने वाले की भूमिका निभाई, क्योंकि ऐसा लगता है कि ईरान की अचानक घोषणा ने उन्हें चतुराई से मात दे दी।

डॉनल्ड ट्रंप के अस्थिर तरीकों को देखते हुए, कोई भी निश्चित रुप से नहीं कह सकता है कि वह ब्लॉकेड को हटाने या होर्मुज़ जल में पीछे हटने की घोषणा कब करेंगे। ब्लॉकेड की नीति जारी रखने से अमेरिका शेष विश्व, खासकर चीन, को परेशान कर रहा है।

चीन ईरान से तेल के आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है और अब इसे असर महसूस हो रहा है। महत्वपूर्ण मुद्दा यह होगा कि जब ईरानी कच्चे तेल से भरा कोई जहाज चीन के बंदरगाह के लिए जाएगा और अमेरिकी ब्लाकेड से टकराएगा, तो क्या अमेरिकी नौसेना उसे वापस लौटने के लिए बाध्य करेगी या उसे बोर्डिंग और तलाशी के लिए रोक देगी।

संकेत हैं कि ईरान-अमेरिका शांति वार्ता जल्द ही फिर से शुरू हो सकती है। बेहतर संभावनाओं को देखते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि वे स्वयं पाकिस्तान यात्रा करेंगे, ताकि शांति समझौते को औपचारिक रूप दिया जा सके। लेकिन संकेत हैं कि युद्ध क्षेत्र में राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुश्किल होगा।

'चाणक्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं। वे मेरी बात से सहमत हैं।" चाणक्य वाले कमेंट पर गृह मंत्री मुस्कुराए और कोई नाराज़गी नहीं दिखाई दी।

महिला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि ओबीसी और अन्य वर्गों के हितों का ध्यान रखना जरूरी है, जो अब तक नहीं हुआ।

नरेन्द्र मोदी और अमित शाह चूँकि हार गए हैं, इसलिये अब वे यह कथित कहानी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि विपक्ष महिलाओं के खिलाफ है और असल में केवल भाजपा ही महिलाओं की हितैषी है।

तीन दिन का विशेष सत्र भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पास कराने के लिए बुलाया था, लेकिन बिल के बहाने सरकार इसे परिसीमन से जोड़ रही है, सीटों को 850 तक बढ़ा रही है और वह भी बिना जनगणना के।

परिणाम अपेक्षित था।

घटना की दिशा तय हो चुकी है।

यह भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के अंत की शुरुआत है।

विपक्ष को तोड़ने के प्रयास विफल रहे और भाजपा के लिए यह आत्ममंथन का समय है, सही और गलत की पहचान करने का समय है।

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक को उम्रकैद की सज़ा

बंगलूरू, 17 अप्रैल। कर्नाटक के भाजपा नेता योगेश गौड़ा हत्याकांड में सजा की अवधि (क्वांटम ऑफ सेंटेंस) को लेकर बंगलूरू की एमएलए/एमपी विशेष अदालत ने विनय कुलकर्णी समेत 16 दोषियों को हत्या और साजिश के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई। विशेष अदालत ने उन पर 30,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

- भाजपा नेता योगेश गौडा की हत्या के मामले में अदालत ने कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी सहित 16 को उम्रकैद की सजा सुनाई।

बेंगलुरु की जन प्रतिनिधि सभा की विशेष अदालत ने शुक्रवार को भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी पाए गए कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी और अन्य आरोपियों को सजा सुनाई।

विनय कुलकर्णी पूर्व मंत्री और वर्तमान में कांग्रेस विधायक हैं। अदालत ने गुरुवार को सुनवाई पूरी कर ली थी और फैसला शुक्रवार के लिए सुरक्षित रख लिया था।

अदालत में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दोषी कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी के वकीलों की अंतिम दलीलें पूरी हो गईं। इसके बाद न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट ने मामले को स्थगित करते हुए फैसला सुनाने के लिए शुक्रवार की तारीख तय की थी। सुनवाई के दौरान अदालत परिसर में भावुक माहौल देखने को मिला। दोषियों के परिजन बड़ी संख्या में मौजूद थे और कई लोग रोते हुए नजर आए। कुछ दोषी, जिनमें विधायक विनय कुलकर्णी भी शामिल हैं, अपने परिजनों को सांत्वना देते दिखे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908